मेट्रो Rays

आगे रखने का वादा

सांध्य दैनिक

रांची, शनिवार, 24 जनवरी 2026

संवत 2082, माघ शुक्लपक्ष 6 मूल्य-2 रुपये

वर्ष-9, अंक 133, पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

4 ▸▸ ट्रम्प के टूटते सपने और बिगड़ती मनोदशा

दीपिका पादुकोण बबने वाली थी सपना दीदी ◂◂ 6

गणतंत्र दिवस समारोह को लेकर फुल ड्रेस रिहर्सल संपन्न

बांसगोड़ा एनएच पर दर्दनाक हादसा, ट्रक की चपेट में आने से व्यक्ति की मौत

बोकारो: जिले के माराफारी थाना क्षेत्र के बांसगोड़ा के समीप राष्ट्रीय राजमार्ग पर शुक्रवार संध्या सड़क हादसे में झरिया निवासी मंटू विश्वकर्मा की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, एक तेज रफ्तार ट्रक ने पीछे से बाइक को जोरदार टक्कर मार दी, जिससे मंटू बाइक समेत ट्रक के नीचे आ गया। हादसा इतना भयावह था कि आसपास मौजूद लोग सन्न रह गए। मृतक के पिता योगेंद्र विश्वकर्मा ने बताया कि वे अपनी बेटी के लिए लड़का देखने झरिया से बांसगोड़ा की ओर जा रहे थे। दो बाइक पर चार लोग सवार थे। मंटू दूसरी बाइक पर पीछे चल रहा था और आगे ट्रक था। बांसगोड़ा के पास अचानक ट्रक ने मंटू की बाइक को अपनी चपेट में ले लिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना की खबर फैलते ही इलाके में आक्रोश फैल गया। गुस्साए ग्रामीणों और परिजनों ने मुआवजे की मांग को लेकर एनएच को जाम कर दिया, जिससे यातायात पूरी तरह ठप हो गया। सड़क के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। सूचना मिलने पर माराफारी थाना प्रभारी आजाद खान मौके पर पहुंचे। उन्होंने बताया कि ट्रक मालिक को घटनास्थल पर बुलाया गया है और पीड़ित परिवार से मुआवजे को लेकर बातचीत की जा रही है, ताकि जल्द से जल्द सड़क जाम हटाया जा सके।

ऑपरेशन मेगाबुरू : सुरक्षाबलों ने तोड़ी माओवादियों की कमर

अब तक मारे गये 17 नक्सली, 45 अब भी घिरे

- एक करोड़ का इनामी अनल ढेर, मार्च 2026 तक नक्सल मुक्त झारखंड लक्ष्य

संवाददाता

रांची: झारखंड के माओवादी गढ़ माने जाने वाले सारंडा जंगल में सुरक्षा बलों को बड़ी सफलता मिली है। दो दिनों तक चले विशेष अभियान ऑपरेशन मेगाबुरू में सुरक्षा बलों ने 17 हार्डकोर माओवादियों को मार गिराया है। इस कार्रवाई से माओवादियों को बड़ा झटका लगा है और उनके संगठन की कमर टूटती नजर आ रही है।

संयुक्त अभियान में बड़ी कामयाबी: सीआरपीएफ, झारखंड जगुआर, कोबरा बटालियन और जिला पुलिस की संयुक्त टीम ने सर्च ऑपरेशन के दौरान मारे गए माओवादियों के शव बरामद

किए हैं। इनमें एक करोड़ रुपये का इनामी माओवादी नेता अनल भी शामिल है। इस सफलता के बाद सुरक्षा बलों का मनोबल काफी ऊंचा है। केंद्रीय गृह मंत्रालय के निर्देश पर झारखंड पुलिस और केंद्रीय बलों ने मार्च 2026 तक राज्य से माओवादियों के पूरी तरह सफाए का लक्ष्य तय किया है। इस अभियान की निगरानी सीआरपीएफ के आईजी साकेत कुमार सिंह, झारखंड पुलिस के आईजी अभियान डॉ. माइकल राज एस, झारखंड जगुआर के आईजी अनूप बिरथरे और डीआईजी इंद्रजीत महथा कर रहे हैं। खुफिया एजेंसियों से मिली जानकारी के अनुसार बचे हुए माओवादी पश्चिमी सिंहभूम जिले के छोटा नागरा और किरीबुरू थाना क्षेत्र की सीमा पर घिरे हुए हैं। इनकी संख्या करीब 45 बताई जा रही है। इनका नेतृत्व एक करोड़ रुपये के इनामी माओवादी नेता मिसिर बेसरा उर्फ भास्कर/सुनिर्मल/सागर कर रहा है, जो गिरिडीह जिले के पीरटांड़ थाना क्षेत्र का रहने वाला है।

45 माओवादी अभी भी घिरे: सूत्रों के मुताबिक माओवादियों ने सुरक्षाबलों को नुकसान पहुंचाने के लिए चारों ओर आईईडी (बारूदी सुरंग) बिछा रखी हैं। उनके पास एके-47, इंसास, एसएलआर और 303 राइफल जैसे हथियार हैं, लेकिन गोला-बारूद सीमित हो चुका है। बाहर से सप्लाई पूरी तरह बंद है। यह भी सूचना मिली है कि बचे हुए माओवादियों में से कई आत्मसमर्पण की तैयारी कर रहे हैं, हालांकि इसकी अभी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। इंटेलिजेंस रिपोर्ट के अनुसार पश्चिमी सिंहभूम जिले के टोंटो और गोइलकेरा थाना क्षेत्र अब पूरी तरह माओवादियों से खाली हो चुके हैं। ये इलाके लंबे समय तक माओवादियों के सुरक्षित ठिकाने रहे थे। सुरक्षा बलों ने माओवादियों की घेराबंदी के लिए प्रभावित इलाकों में आठ अस्थायी कैंप बनाए हैं। इन कैंपों से झारखंड और ओडिशा दोनों ओर से दबाव बनाया जा रहा है, ताकि माओवादियों के बचने का कोई रास्ता न बचे।

जम्मू-कश्मीर से उत्तराखंड तक भारी बर्फबारी

हिमाचल में 535 सड़कें बंद, मनाली-शिमला में लंबा जाम, श्रीनगर एयरपोर्ट पर उड़ानें रद्द

एजेंसी

शिमला : जम्मू-कश्मीर से लेकर उत्तराखंड तक पहाड़ों पर जमकर बर्फबारी हो रही है। एक तरफ पर्यटक इस खूबसूरत नजारे का लुत्फ उठा रहे हैं, वहीं स्थानीय लोगों के लिए परेशानी बढ़ गई है। पहाड़ी इलाकों में दो से तीन फुट तक बर्फ जमने से सभी जरूरी सेवाएं बाधित हो गई हैं। जम्मू-कश्मीर के मैदानी इलाकों में करीब एक फुट बर्फबारी रिकॉर्ड की गई है, जबकि ऊपरी पहाड़ी क्षेत्रों में लगभग दो से तीन फुट बर्फ गिरने से हालात और बिगड़ गए हैं। भूस्खलन, पेड़ गिरने और भारी बर्फ जमने की वजह से हाईवे और लिंक रोड समेत कई सड़कें बंद हैं। कई इलाकों में तापमान शून्य के नीचे पहुंच गया है। वहीं, पब्लिक वर्क्स डिपार्टमेंट (पीडब्ल्यूडी) के अनुसार, हिमाचल प्रदेश में भारी बर्फबारी के कारण चार नेशनल हाईवे सहित 535 सड़कें बंद हो गई हैं। बर्फ हटाने का काम बड़े पैमाने पर जारी है। भारी बारिश और बर्फबारी के कारण शुक्रवार को जम्मू-श्रीनगर नेशनल

हाईवे (एनएच-44) बंद कर दिया गया, वहीं उधमपुर के जखानी चौक पर भी आवाजाही रोक दी गई। बारामूला, बडगाम और रामबन के पहाड़ी रिसॉर्ट शहर बटोटे में भी भारी बर्फबारी हुई, जिससे पूरा क्षेत्र सफेद चादर से ढक गया। बर्फबारी की वजह से हवाई यात्रा भी प्रभावित हुई। श्रीनगर एयरपोर्ट और इंडिगो एयरलाइंस ने कई उड़ानों को अस्थायी रूप से सस्पेंड और कैंसिल करने की घोषणा की है। श्रीनगर एयरपोर्ट ने सोशल मीडिया पर यात्रियों को सलाह दी है कि दिल्ली एयरपोर्ट पर नोटेम लागू होने और श्रीनगर में खराब मौसम के कारण कुछ फ्लाइट्स कैंसिल की गई हैं। यात्रियों को एयरपोर्ट जाने से पहले अपनी एयरलाइन से फ्लाइट की लेटेस्ट स्थिति जांचने की हिदायत दी गई है।

भारत रत्न कर्पूरी ठाकुर को जयंती पर प्रधानमंत्री मोदी ने किया नमन किया, कहा-

वे हमारी सरकार के प्रेरणा पुंज

एजेंसी

नई दिल्ली : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री और भारत रत्न जननायक कर्पूरी ठाकुर को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि दी है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि अपनी सादगी और जनसेवा के प्रति समर्पण भाव को लेकर कर्पूरी ठाकुर हमेशा स्मरणीय और अनुकरणीय रहेंगे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री भारत रत्न जननायक कर्पूरी ठाकुर को उनकी जयंती पर सादर नमन। समाज के शोषित, वंचित और कमजोर वर्गों का उत्थान हमेशा उनकी राजनीति के केंद्र में रहा। अपनी सादगी और जनसेवा के प्रति समर्पण भाव को लेकर वे सदैव स्मरणीय और अनुकरणीय रहेंगे।

इस अवसर पर पीएम मोदी ने अपने एक भाषण का छोटा-सा अंश भी शेयर किया। उन्होंने भाषण में कहा, कर्पूरी ठाकुर हमेशा अपनी सादगी के लिए जाने जाते थे। उनका पूरा जीवन सामाजिक न्याय और वंचितों के उत्थान के लिए समर्पित रहा। आज भी उनकी ईमानदारी की मिसाल दी जाती है। वो मां भारती के अनमोल रत्न थे। उन्हें भारत रत्न से सम्मानित करने का सौभाग्य हमारी सरकार को मिला। यह हमारे लिए सम्मान की बात है।

उन्होंने यह भी कहा कि भाजपा सरकार जननायक कर्पूरी ठाकुर को प्रेरणा पुंज मानती है। वंचितों को वरीयता, पिछड़ों को प्राथमिकता और गरीब की सेवा, हम इस संकल्प के साथ आगे बढ़े हैं। कर्पूररी ठाकुर की जयंती के मौके पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भी उन्हें याद किया। शाह ने एक्स पोस्ट में कहा, सामाजिक न्याय के पुरोधा, भारत रत्न जननायक कर्पूरी ठाकुर की जयंती पर उन्हें स्मरण कर नमन करता हूं। वंचितों, पिछड़ों, महिलाओं के साथ-साथ आर्थिक रूप से पिछड़े वर्गों के लिए आरक्षण की व्यवस्था कर उन्होंने सामाजिक न्याय के अनुकरणीय आदर्श स्थापित किए। बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने भारत रत्न कपूर्री ठाकुर की जयंती पर उन्हें नमन करते हुए कहा, सामाजिक न्याय, समता और जनकल्याण के लिए उनका संघर्ष सदैव प्रेरणास्त्रोत रहेगा।

झारखण्ड सरकार और नवीन जिंदल समूह के बीच इस्पात, स्वच्छ ऊर्जा और कौशल विकास पर चर्चा

मेट्रो रेज

रांची / लंदन: मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से लंदन में नवीन जिंदल समूह के प्रतिनिधियों ने मुलाकात की। यह भेंट रांची में दो जनवरी 2026 को मुख्यमंत्री से नवीन जिंदल से हुई बातचीत को आगे बढ़ाते हुए नवीन जिंदल समूह और झारखंड सरकार के बीच सहयोग को और मजबूत करने पर चर्चा हुई। इस्पात उद्योग, स्वच्छ ऊर्जा और बिजली ढांचे के क्षेत्र में संभावित निवेश को लेकर रुचि: बैठक के दौरान इस्पात (स्टील), स्वच्छ ऊर्जा, कौशल प्रशिक्षण और सतत विकास जैसे विषयों पर विशेष रूप से बातचीत हुई। दोनों पक्षों ने झारखंड में सतत औद्योगिक विकास को बढ़ावा देने के लिए मिलकर काम करने पर सहमति जताई। नवीन जिंदल समूह ने झारखंड में इस्पात उद्योग, स्वच्छ ऊर्जा और बिजली ढांचे के क्षेत्र में संभावित निवेश को लेकर रुचि दिखाई। यह पहल भारत के कम कार्बन अर्थव्यवस्था की दिशा में किए जा रहे

प्रयासों के अनुरूप है। उच्च शिक्षा, कौशल प्रशिक्षण को लेकर चर्चा: बैठक में मरांग गोमके छात्रवृत्ति योजना की सराहना करते हुए नवीन जिंदल समूह ने कौशल शिक्षा और उच्च शिक्षा के क्षेत्र में सहयोग पर भी चर्चा की। इसके अंतर्गत झारखंड के छात्रों के लिए छात्रवृत्ति सहायता, प्रशिक्षण कार्यक्रम और क्षमता निर्माण की योजनाओं पर विचार किया गया। इसके साथ ही युवाओं को बेहतर अवसर देने के लिए कौशल विकास और प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से संस्थानों की क्षमता बढ़ाने पर भी सहमति बनी। यह सहयोग झारखंड में रोजगार के नए अवसर, हरित ऊर्जा, और सतत विकास को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

डॉक्टर बनने के पागलपन में छात्र ने पार की हदें,

एमबीबीएस में दिव्यांग कोटे के लिए काट लिया अपना ही पैर

एजेंसी

जौनपुर: कहते हैं कि जब किसी चीज को पाने का जुनून हद से गुजर जाए तो वह पागलपन का रूप ले लेता है और कई बार यह खुद के लिए ही घातक सिद्ध होता है। उत्तर प्रदेश के जौनपुर जिले में एक छात्र के साथ कुछ ऐसा ही हुआ। डॉक्टर बनने की सनक और नीट परीक्षा में मिली असफलताओं से निराश होकर एक छात्र ने ऐसा शॉर्टकट अपनाना चाहा, जिसकी हकीकत सुनकर किसी के भी रोंगटे खड़े हो जाएं। एमबीबीएस में दिव्यांग कोटा हासिल करने के लिए छात्र ने अपना ही पैर काट लिया। हालांकि, उसकी यह चालाकी पुलिस की जांच के आगे टिक नहीं सकी और अब उसे अस्पताल के बिस्तर के साथ-साथ कानूनी कार्रवाई का भी सामना करना पड़ेगा। साजिश और पुलिस को गुमराह करने की कोशिश: यह पूरा मामला लाइन बाजार थाना क्षेत्र के खलीलपुर गांव का है। लगभग 24-25 वर्षीय छात्र सूरज भास्कर

के भाई आकाश भास्कर ने 18 जनवरी की सुबह पुलिस को एक खौफनाक सूचना दी। आकाश ने बताया कि बीती रात यानी 17 जनवरी को कुछ अज्ञात बदमाशों ने उनके निर्माणाधीन मकान में घुसकर सूरज की बेरहमी से पिटाई की और उसका पैर का पंजा काट दिया। इस गंभीर सूचना पर पुलिस प्रशासन में हड़कंप मच गया। पुलिस ने तत्काल प्रभाव से मामला दर्ज किया और मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए जांच शुरू कर दी।

डायरी और मोबाइल ने खोला राज

: अपर पुलिस अधीक्षक (नगर) आयुष श्रीवास्तव ने बताया कि इस सनसनीखेज वारदात की जांच नगर क्षेत्र के सीओ गोल्डी गुप्ता को सौंपी गई थी। पुलिस ने जब गहनता से छानबीन शुरू की, तो घायल छात्र सूरज के बयानों में कई तरह की असंगतियां और विरोधाभास नजर आए। शक होने पर पुलिस ने तकनीकी जांच का सहारा लिया। मोबाइल की जांच के दौरान एक युवती का संपर्क नंबर मिला, जिससे हुई बातचीत ने पुलिस के संदेह को और पुख्ता कर दिया।

अस्पताल में इलाज और कानूनी कार्रवाई

लाइन बाजार थाना प्रभारी सतीश सिंह के अनुसार, आरोपी छात्र सूरज का इलाज फिलहाल शहर के पार्थ अस्पताल में चल रहा है। पुलिस ने स्पष्ट कर दिया है कि खुद को चोट पहुंचाने और झूठी सूचना देकर पुलिस प्रशासन को गुमराह करने के आरोप में छात्र के खिलाफ अग्रिम विधिक कार्रवाई की जाएगी। डॉक्टर बनने के लिए चुना गया यह गलत रास्ता अब छात्र के भविष्य पर भारी पड़ गया है।

लेकिन मामले का सबसे बड़ा सुराग सूरज की अपनी डायरी से मिला। डायरी के पन्नों में उसने संकल्प के तौर पर लिखा था कि वह साल 2026 में हर हाल में एमबीबीएस डॉक्टर बनकर रहेगा।

कोटे के लिए खौफनाक शॉर्टकट: पुलिस की कड़ाई से पूछताछ और मिले सबूतों के आधार पर जो सच सामने आया, उसने सभी को चौंका दिया।

पति ने पत्नी को मारी गोली, मौत

रांची: डोरंडा थाना क्षेत्र के मनीटोला इलाके में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार पति द्वारा पत्नी को गोली मारे जाने की खबर से इलाके में सनसनी फैल गई है। बताया जा रहा है कि आरोपी पति का नाम पति साहिब है, जिसने कथित रूप से अपनी पत्नी को गोली मार दी, जिससे उसकी मौत हो गई।

घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय लोगों में अफरा-तफरी मच गई। वहीं, सूचना पर डोरंडा थाना पुलिस तत्काल मौके पर पहुंच गई है और पूरे मामले की जांच में जुट गई है। पुलिस ने घटनास्थल को घेराबंदी कर सुरक्षित कर लिया है तथा साक्ष्य जुटाने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, गोली लगने से महिला की मौके पर ही मौत हो गई। हालांकि घटना के पीछे के कारणों का अभी तक स्पष्ट खुलासा नहीं हो पाया है। पुलिस पारिवारिक विवाद सहित अन्य बिंदुओं को ध्यान में रखकर जांच कर रही है।

पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले की हर एंगल से जांच की जा रही है। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजने की तैयारी की जा रही है। वहीं आरोपी की तलाश और पूछताछ की प्रक्रिया भी जारी है। घटना के बाद से मनीटोला क्षेत्र में दहशत का माहौल है। स्थानीय लोग घटना को लेकर स्तब्ध हैं।

गणतंत्र दिवस से पहले पंजाब में रेलवे लाइन पर बड़ा धमाका आरडीएक्स से ट्रेन को बनाया निशाना,

मालगाड़ी का इंजन क्षतिग्रस्त लाइन का 12 फीट हिस्सा उड़ा

एजेंसी

नई दिल्ली: गणतंत्र दिवस से पहले पंजाब के फतेहगढ़ साहिब में बड़ी घटना पेश आई है। यहां सरहिंद इलाके में शुक्रवार आधी रात को बड़ा धमाका हुआ है। घटना रेलवे लाइन पर हुई है। माना जा रहा है कि आरडीएक्स जैसे शक्तिशाली विस्फोट से एक मालगाड़ी को निशाना बनाया गया है। धमाके की आवाज इतनी तेज थी कि रेलवे ट्रैक के परखच्चे उड़ गए। धमाके में मालगाड़ी का इंजन बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हुआ है और चालक गंभीर रूप से घायल हुआ है। आधी रात को हुई इस घटना से पूरे इलाके में दहशत फैल गई है।

घटना के बाद रेलवे अधिकारियों और पुलिस ने तुरंत मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी। प्रारंभिक रिपोर्ट्स में इसे आतंकी हमला माना जा रहा है, लेकिन अभी इसकी कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। घटना रात करीब 11

बजे की है। सरहिंद के खानपुर फाटक के पास नई बनी नई रेलवे लाइन से एक मालगाड़ी गुजर रही थी। जैसे ही इंजन फाटक के नजदीक पहुंचा, तभी जोरदार धमाका हुआ। धमाका इतना शक्तिशाली था कि ट्रैक का 3-4 फीट का हिस्सा पूरी तरह नष्ट हो गया।

धमाके में इंजन के आगे का हिस्सा उड़ गया और मालगाड़ी पटरी से उतर गई। आसपास की जमीन पर मलबा बिखर गया। इस ब्लास्ट में चालक को सिर और शरीर पर गंभीर चोटें आईं और उसे तुरंत लोकल अस्पताल ले जाया गया, जहां उसकी हालत स्थिर बताई जा रही है। डॉक्टरों का कहना है कि समय पर इलाज से उसकी जान बच गई। रेलवे सूत्रों के अनुसार, यह नई लाइन अभी ट्रायल पर थी. मालगाड़ी में कोई खास सामान नहीं था, लेकिन धमाके से बड़ा हादसा टल गया। अगर पैसेंजर ट्रेन होती, तो जानमाल का भारी नुकसान हो सकता था। धमाके में आरडीएक्स के इस्तेमाल का शक जताया जा रहा है, जो एक हाई-एक्सप्लोसिव है।

न्यूज IN ब्रीफ

विश्व जनसेवा ट्रस्ट का सम्मान समारोह सरजामदा में

जमशेदपुर : महिलाओं के मासिक धर्म स्वच्छता को लेकर लगातार जागरूकता अभियान चला रहा विश्व जन सेवा ट्रस्ट आज सम्मान समारोह का आयोजन करने जा रहा है। सम्मान समारोह दक्षिण सरजामदा पंचायत भवन में आयोजित किया गया है। इस समारोह में जमशेदपुर के बीडीओ और परसूडीह थाना प्रभारी शामिल होंगे। इस दौरान सेनेटरी पैड का भी वितरण किया जाएगा। यह जानकारी ट्रस्ट के प्रमुख डॉ. मनीष कुमार झा ने दी है।

तुक्कू में झारखंड विकास मेला 28 जनवरी को, तैयारी पूरी

सिल्ली : प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी सिल्ली प्रखंड के तुक्कू गांव में झारखंड विकास मेला लगेगा। मेला में छऊ नृत्य एंव मुर्गा लड़ाई प्रतियोगिता का आयोजन किया गया है। बंगाल के सुप्रसिद्ध छऊ नृत्य उस्ताद कार्तिक सिंह मुंडा बनाम डा सुशेन सिंह मुंडा द्वारा छऊ नृत्य प्रस्तुत किया जाएगा। इस अवसर पर मेला कमेटी की ओर से ईचाकगढ़ विधायक सविता महतो तमाड़ विधायक विकास सिँह मुंडा एंव सिल्ली विधायक अमित महतो को मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया है। उक्त जानकारी संरक्षक सतीश कुमार अध्यक्ष अनिल कुमार महतो, उपाध्यक्ष विकल लोहरा ,सचिव सुशेन महतो एवं उप सचिव भरत महली ने संयुक्त रूप से दिया है।

वरिष्ठ नागरिकों ने मनाया नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती

मुरीः सिल्ली के सुन्दर कुंज में सुभाषचंद्र बोस की जयंती मनायी गयी। यह जयंती राष्ट्रीय वरिष्ठ नागरिक संघ झारखंड शाखा सिल्ली द्वारा सुन्दर कुंज भवन में आयोजित किया गया। अध्यक्ष रतन लाल महतो ने सुभाषचंद्र बोस के चित्र पर मल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। उसके बाद नरेश चन्द्र कारर्जी, हेमन्त सिंह, विशवनाथ महतो, जेपी साहु,निर्मल चन्द्र साहु, नरेंद्र दत उपाध्याय, हरिनाथ स्वांसी, कार्तिक मांझी, भागवत सोनार, गुहीराम मोदक ने नेताजी को श्रध्दांजलि दी। इस अवसर पर नरेश चन्द्र कार्बन ने कहा कि भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के महान क्रांतिकारी नेता सुभाषचंद्र बोस के बलिदान को भुलाया नहीं जा सकता है। इन्ही के बनाए फौज से अंग्रेजी शासन हिल ग ई थी।

गोमो रेलवे स्टेशन में जयंती पर याद किए गए नेताजी सुभाष चंद्र बोस

धनबादः गोमो रेलवे स्टेशन वह ऐतिहासिक जगह है, जहां से नेताजी सुभाष चंद्र बोस ने ब्रिटिश अधिकारियों की नजरों से बचते हुए देश छोड़ा था। नेताजी की जयंती पर इसी गोमो स्टेशन के सकुर्लेटिंग एरिया में बड़े उत्साह के साथ पराक्रम दिवस मनाया गया।

इस मौके पर एक सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें इंडियन नेशनल आर्मी के ट्रस्टी सदस्य संजय चौधरी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस दौरान धनबाद के सांसद ढुल्लू महतो, गिरिडीह के सांसद सीपी चौधरी, विधायक मथुरा महतो और डीआरएम अखिलेश मिश्रा समेत कई लोग मौजूद रहे।

ट्रस्टी सदस्य संजय चौधरी ने कहा कि उनके नाना आनंद मोहन सहाय ने रास बिहारी बोस के साथ मिलकर इंडियन नेशनल आर्मी के गठन में अहम भूमिका निभाई थी। उनकी मां, लेफ्टिनेंट भारती आशा सहाय, रानी झांसी रेजिमेंट में शामिल हुई थीं। उन्होंने कहा कि गोमो की धरती एक ऐतिहासिक जगह है। पराक्रम दिवस हमें गुलामी की बेड़ियों को तोड़ने की याद दिलाता है। यह निडर राष्ट्रवाद की आवाज है। देशभक्ति भाषणों से नहीं, बल्कि कर्मों से दिखता है। गोमो के अमीन दर्जी ने नेताजी के लिए काबुलीवाला ड्रेस बनाई थी। आज उनके पोते मोहम्मद आलम से मिलकर बहुत खुशी हुई।

अतिथियों ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए प्रधानमंत्री का संबोधन सुना। गिरिडीह के सांसद चंद्र प्रकाश चौधरी ने कहा कि नेताजी की जीवनी को सिलेबस में शामिल किया जाना चाहिए ताकि छात्र उनके शौर्य के बारे में जान सकें। उन्होंने निराशा जताई कि गोमो स्टेशन का नाम नेताजी के नाम पर होने के बावजूद, महत्वपूर्ण ट्रेनें वहां नहीं रुकतीं। उन्होंने मंडल रेल प्रबंधक से महत्वपूर्ण ट्रेनों के ठहराव के संबंध में मंत्रालय को एक प्रस्ताव भेजने का अनुरोध किया, और आश्वासन दिया कि वे इससे जुड़े अपने काम करेंगे।

बहुबाजार में वाहन से धक्का लगने से किशोर जख्मी

रांची : लोअर बाजार थाना क्षेत्र के बहुबाजार में एक पेट्रोल पंप के पास तेज रफ्तार वाहन से धक्का लगने से 13 साल के एलियोन केरकेट्टा जख्मी हो गए। हादसे में घायल किशोर को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया है। वाहन से धक्का लगने से किशोर के पैर की हड्डी टूट गई। शरीर के विभिन्न अंगों में गंभीर चोट आई है। मामले में किशोर के पिता व बहुबाजार के नया टोली निवासी संजय केरकेट्टा की लिखित शिकायत पर वाहन चाक के विरूद्ध केस दर्ज किया गया है।

बोकारो में गुरुकुल पब्लिक स्कूल पर हमला

असामाजिक तत्वों ने 3 बसों और एक वैन को किया आग के हवाले, जांच में जुटी

सीसीटीवी काटकर घटना को दिया अंजाम

संवाददाता

बोकारोः जिले में शरारती तत्वों ने एक निजी स्कूल के परिसर में खड़ी तीन बसों और एक वैन में आग लगा दी। पुलिस ने शुक्रवार को इस घटना की जानकारी दी। चास के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (एसडीपीओ) प्रवीण कुमार ने बताया कि पिंड्राजोरा थाना क्षेत्र के काशीझरिया स्थित गुरुकुल पब्लिक स्कूल में अज्ञात लोगों ने चार बसों और एक वैन में आग लगा दी। हालांकि, स्कूल कर्मचारियों की सतर्कता से एक बस को बचा लिया गया।

काटे सीसीटीवी कैमरों के तार : पुलिस ने बताया कि घटना को अंजाम देने से पहले आरोपियों ने स्कूल में लगे सीसीटीवी कैमरों के तार काट दिए थे, ताकि उनकी गतिविधियां कैमरे में कैद न हो सकें।

स्कूल के निदेशक कृष्ण गोपाल पांडेय ने बताया कि इस घटना में स्कूल को करीब 1.8 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। उन्होंने बताया कि गुरुवार को रोज की तरह स्कूल की छुट्टी के बाद ड्राइवर बच्चों को घर छोड़कर सभी बसों को गैरेज में खड़ा कर चले गए थे।

गुरुवार देर रात घटना को दिया गया अंजामः निदेशक के अनुसार, गुरुवार देर रात स्कूल के सुरक्षा गार्ड देवी लाल महतो गैरेज के पास बने एक कमरे में सो रहे थे। तभी उन्हें गैरेज से कुछ आवाज सुनाई दी। जब उन्होंने दरवाजा खोलने की कोशिश की तो पाया कि दरवाजा बाहर से बंद था। इसके बाद उन्होंने खिड़की से देखा कि गैरेज में खड़ी बसों में आग लगी हुई है। इसके बाद गार्ड ने तुरंत स्कूल निदेशक को फोन कर घटना की सूचना दी। स्कूल के निदेशक ने दर्ज कराई शिकायत : निदेशक ने बताया,'मैं भी मौके पर जाने की कोशिश कर रहा था, लेकिन मेरा दरवाजा भी बाहर से बंद था। इसके बाद मैंने हॉस्टल के एक छात्र को बुलाकर दरवाजा खुलवाया और फिर गार्ड के कमरे का दरवाजा खोलकर पुलिस को सूचना दी।' इस मामले में स्कूल निदेशक ने पिंड्राजोरा थाना में शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस घटना की जांच में जुटी हुई है।

हाई टेंशन मैदान लोवाडीह, रांची में विराट टुसू मेला कल, अध्यक्ष बने राजकुमार

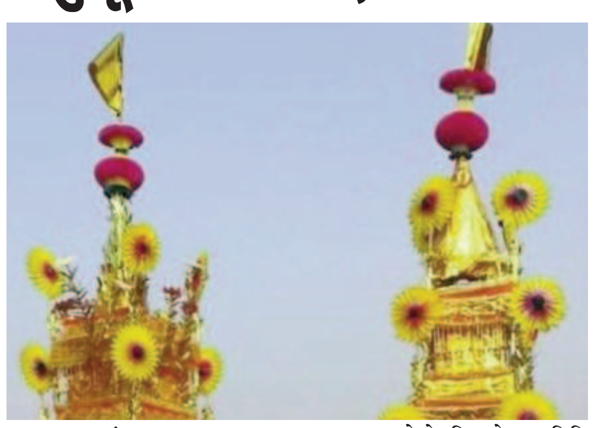

संवाददाता

सिल्ली/रांचीः हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी जनवरी के अंतिम रविवार दिनांक 25 जनवरी दिन रविवार को हाई टेंशन मैदान लोवाडीह, रांची में विराट टुसू आयोजन किया गया है। मेले को सफल बनाने के लिए मेला समिति की ओर से एक आवश्यक बैठक रखी गई। इस बैठक में सर्वसम्मति से आयोजन समिति बनाई गई जिसमें मेले के संरक्षक के रूप में केशव महतो कमलेश, शत्रुघ्न महतो, पीतांबर महतो, हरदयाल महतो, डॉ परमानन्द सिंह मुंडा,डॉ प्रवीर सिंह मुंडा, सुभाष चंद्र मेहता, विजय कुमार,सुरेंद्र महतो का नाम नामित किया गया।बैठक में निर्णय लिया गया कि मेला का संचालन विगत वर्ष से भी भव्य रूप में किया जाएगा। यह मेले का 21 वां स्वर्णिम वर्ष है। मेले का सफल संचालन के लिए संचालन समिति का गठन किया गया। जिसमें सर्वसम्मति से अध्यक्ष- डॉ राजकुमार महतो , उपाध्यक्ष- अशोक कुमार महतो एवं राजेश्वर प्रसाद , सचिव- डॉ हेमन्त कुमार , कोषाध्यक्ष- सूरजकांत महतो, सदस्य - विनय कुमार महतो, देव कुमार महतो, शिव शंकर हाजरा,दिनेश महतो, मृत्युंजय महतो, संजय प्रामाणिक, परमानंद महतो को नियुक्ति किया गया।

विवेकानंद कान्वेंट स्कूल में श्रद्धा व उत्साह के साथ मनाई गई सरस्वती पूजा

मेट्रो रेज संवाददाता

कोडरमा : चैचई चाराडीह स्थित विवेकानंद कान्वेंट स्कूल में विद्या की देवी मां सरस्वती की पूजा पूरे श्रद्धा, भक्ति और उल्लास के साथ की गयी। इस अवसर पर विद्यालय परिसर को आकर्षक रूप से सजाया गया, जहां विधिवत मंत्रोच्चार के बीच मां सरस्वती की प्रतिमा स्थापित कर पूजा-अर्चना की गई। इस अवसर पर विद्यालय के निदेशक अनिल कुमार ने शिक्षक-शिक्षिकाओं एवं विद्यार्थियों के साथ मां सरस्वती को नमन करते हुए शिक्षा, ज्ञान और संस्कार के मार्ग पर चलने का संदेश दिया। पूजा कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने भक्ति गीत, सरस्वती वंदना और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से माहौल को भक्तिमय बना दिया। विद्यालय प्रबंधन ने बच्चों को शिक्षा के साथ संस्कार, अनुशासन और नैतिक मूल्यों को अपनाने की प्रेरणा दी। कार्यक्रम के अंत में प्रसाद वितरण किया गया। पूरे आयोजन के दौरान विद्यालय परिसर भक्तिरस और उल्लास से सराबोर नजर आया।

यूजीसी एक्ट के विरोध में सड़कों पर उतरे छात्र

केंद्र सरकार के खिलाफ किया प्रदर्शन

रांची : केंद्र सरकार द्वारा लागू किए गए यूजीसी एक्ट 2026 के खिलाफ झारखंड में भी विरोध की आवाज तेज होने लगी है। शुक्रवार को राजधानी रांची के पिस्का मोड़ चौक पर छात्रों ने इस कानून के विरोध में जोरदार प्रदर्शन किया। करीब दो दर्जन छात्रों ने हाथों में पोस्टर और बैनर लेकर यूजीसी एक्ट 2026 को वापस लेने और इसमें संशोधन की मांग की।

समाज में विभाजन को बढ़ावा देने का आरोपः प्रदर्शन कर रहे छात्र दुर्गा मंदिर परिसर से पिस्का मोड़ चौक तक पैदल मार्च करते हुए केंद्र की भाजपा सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते नजर आए। छात्रों का कहना था कि यह

कानून शिक्षा व्यवस्था में समानता के सिद्धांत के विपरीत है और समाज में विभाजन को बढ़ावा देता है।

शिक्षा में जातिवाद को बढ़ावा देने का प्रयास कर रही सरकार : प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे छात्र नेताओं ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार शिक्षा के क्षेत्र में भी जातिवाद को बढ़ावा देने का प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि सरकार एक ओर जातिवाद समाप्त करने की बात करती है, वहीं दूसरी ओर ऐसे कानून ला रही है, जो समाज में भेदभाव को और गहरा करते हैं। छात्रों का कहना था कि इस अधिनियम में समान अवसर की भावना दिखाई नहीं देती।

यूजीसी एक्ट का प्रारंभिक ड्राफ्ट अधिक संतुलित था : एक अन्य छात्र नेता ने कहा कि यूजीसी एक्ट का प्रारंभिक ड्राफ्ट कुछ हद तक संतुलित था, लेकिन अंतिम ड्राफ्ट पूरी तरह त्रुटिपूर्ण है। उन्होंने आरोप लगाया कि यह कानून समाज को आपस में बांटने की साजिश है। छात्रों ने कहा कि वे जाति देखकर दोस्ती या व्यवहार नहीं करते, लेकिन इस तरह के कानून लागू होने से सामाजिक सौहार्द प्रभावित होगा। प्रदर्शनकारियों का यह भी कहना था कि यह कानून विशेष वर्गों को निशाना बनाता है, जिससे मेधावी छात्रों का भविष्य प्रभावित हो सकता है।

योग्यता आधारित हो शिक्षा व्यवस्था : छात्रों ने कहा कि विकसित देशों में शिक्षा व्यवस्था योग्यता आधारित होती है, न कि जाति आधारित। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि केंद्र सरकार ने यूजीसी एक्ट 2026 को वापस नहीं लिया, तो रांची से शुरू हुआ यह आंदोलन आने वाले दिनों में पूरे झारखंड में फैलाया जाएगा।

खूंटी-तोरपा रोड पर ट्रेलर पलटा, चालक घायल

संवाददाता

खूंटीः आज सुबह खूंटी-तोरपा रोड स्थित पेलोल डैम के पास एक बड़ा हादसा हुआ, जब स्टील कॉइल से लदा एक ट्रेलर ब्रेक फेल होने के कारण सड़क से अनियंत्रित होकर करीब 15 फीट नीचे खेत में पलट गया। हादसे में ट्रेलर चालक गंभीर रूप से घायल हो गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार ट्रेलर संख्या एनएल-01एल-0235 के चालक हरि लाल साह ने बताया कि वे जमशेदपुर से स्टील कॉइल लोड कर रात में पुणे के लिए रवाना हुए थे। वाहन की गति अधिक नहीं थी, लेकिन अचानक ब्रेक ऑयल का पाइप फट जाने से ब्रेक फेल हो गया। इसके बाद ट्रेलर अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खेत में जा पलटा।

हादसे में चालक को छाती पर गंभीर चोटें आई हैं, जबकि शरीर के अन्य हिस्सों में हल्की खरोंचें लगी हैं। ट्रेलर पलटने के बाद उसके ऑयल टैंक से लगातार डीजल गिरने लगा, जिसे ग्रामीणों ने सूझबूझ दिखाते हुए बाल्टियों में भरकर फैलने से रोका।

घटना की सूचना ग्रामीणों द्वारा पुलिस एवं एंबुलेंस को दी गई। मौके पर पहुंची एंबुलेंस ने घायल चालक को प्राथमिक उपचार के लिए सदर अस्पताल पहुंचाया। पुलिस ने मामले की जानकारी लेकर आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी है।

लंदन में झारखंड 25 कार्यक्रम का आयोजन

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने युवाओं से किया सीधा संवाद

संवाददाता

लंदन/रांची : झारखंड के 25 वर्ष पूरे होने के अवसर पर लंदन में आयोजित झारखंड @25 कार्यक्रम में राज्य की संघर्षपूर्ण यात्रा, सांस्कृतिक विरासत और भविष्य की संभावनाओं की झलक देखने को मिली। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के नेतृत्व में हुए इस कार्यक्रम में यूनाइटेड किंगडम में पढ़ रहे और कार्यरत झारखंड के युवाओं, शिक्षाविदों, शोधकर्ताओं और उद्यमियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

कार्यक्रम में मारंग गोमके ओवरसीज स्कॉलरशिप योजना और चेवनींग मरांग गोमके स्कॉलर्स के तहत यूके की विभिन्न यूनिवर्सिटीज में पढ़ाई कर रहे छात्र-छात्राओं सहित कुल लगभग 150 प्रतिभागी शामिल हुए। यह भारत में संभवतः पहला मौका है जब किसी राज्य सरकार ने विदेश में अपने छात्रों, प्रवासियों और उद्यमियों के लिए ऐसा कार्यक्रम

आयोजित किया हो।

इस मौके पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि झारखंड की विकास यात्रा केवल उपलब्धियों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह अनंत संभावनाओं की ओर बढ़ने की कहानी है, जहां विकास और प्रकृति के बीच संतुलन सबसे अहम है। उन्होंने कहा कि मरांग गोमके जयपाल सिंह मुंडा और बाबा दिशोम गुरुजी के विचार, गरिमा, आत्मसम्मान और न्याय, आज भी झारखंड की दिशा तय कर रहे हैं। राज्य सभी को साथ लेकर, अपनी जड़ों से जुड़े रहते हुए समावेशी और सतत विकास के रास्ते पर आगे बढ़ रहा है।

कार्यक्रम के दौरान झारखंड की परंपरा और संस्कृति की भी खूबसूरत झलक देखने को मिली। मरांग गोमके स्कॉलर्स और यूके में रह रहे झारखंडवासियों ने पारंपरिक प्रस्तुतियों के जरिए राज्य की सांस्कृतिक पहचान को जीवंत किया। सादरी गीतों की मधुर धुनों से पूरा माहौल झारखंडमय हो गया।

इस अवसर पर छात्रों ने अपने अनुभव साझा करते हुए झारखंड सरकार के सहयोग और अवसरों के लिए आभार जताया। कुल मिलाकर, झारखंड @25 कार्यक्रम ने विदेश की धरती पर झारखंड के अतीत, वर्तमान और भविष्य को एक मजबूत सूत्र में पिरोने का काम किया।

मोरहाबादी मैदान में गणतंत्र दिवस समारोह की तैयारियों का किया गया रियल टाइम अभ्यास

उपायुक्त व वरीय पुलिस अधीक्षक की देखरेख में हुआ फुल ड्रेस रिहर्सल

प्रतिनियुक्त पदाधिकारियों की हुई ज्वाइंट ब्रीफिंग, दिए गए आवश्यक दिशा निर्देश

मेट्रो रेज संवाददाता

रांची: राजधानी रांची के मोरहाबादी मैदान में आगामी 26 जनवरी को आयोजित होने वाले गणतंत्र दिवस के राज्यस्तरीय समारोह की तैयारियों के क्रम में आज 24 जनवरी को फुल ड्रेस रिहर्सल का आयोजन किया गया।

फुल ड्रेस रिहर्सल का आयोजन उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी, मंजूनाथ भजन्त्री एवं वरीय पुलिस अधीक्षक राकेश रंजन की देखरेख में किया गया।

रिहर्सल के दौरान गणतंत्र दिवस के अवसर पर आयोजित होने वाले सभी कार्यक्रमों को रियल टाइम बेसिस पर दुहराया गया, ताकि समारोह के दौरान किसी भी प्रकार की त्रुटि से बचा जा सके। उपायुक्त एवं वरीय पुलिस अधीक्षक द्वारा परेड का निरीक्षण करते हुए मार्च पास्ट की सलामी ली गई। इस दौरान परेड में शामिल सभी टुकड़ियों को संबोधित करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए गए।

प्रतिनियुक्त पदाधिकारियों की हुई संयुक्त ब्रीफिंगः फुल ड्रेस रिहर्सल के उपरांत समारोह में प्रतिनियुक्त सभी पदाधिकारियों की संयुक्त ब्रीफिंग आयोजित की गई। ब्रीफिंग के दौरान जिला स्तरीय पदाधिकारियों के साथ पुलिस पदाधिकारी भी उपस्थित रहे। इस अवसर पर अपर जिला दंडाधिकारी, रांची द्वारा गणतंत्र दिवस समारोह के लिए जारी संयुक्त आदेश के संबंध में सभी प्रतिनियुक्त पदाधिकारियों को विस्तृत जानकारी दी गई।

उचित समन्वय के साथ कर्तव्य का करें निर्वहन : उपायुक्त

संयुक्त ब्रीफिंग को संबोधित करते हुए उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी मंजूनाथ भजन्त्री द्वारा सभी प्रतिनियुक्त पदाधिकारियों को समय पर अपने-अपने प्रतिनियुक्ति स्थल पर उपस्थित होकर सौंपे गए दायित्वों का निष्ठापूर्वक निर्वहन करने का निर्देश दिया गया। उन्होंने कहा कि समारोह के सफल आयोजन के लिए सभी विभागों के बीच बेहतर समन्वय आवश्यक है। उपायुक्त ने झांकियों के निर्धारित समय-सीमा में प्रदर्शन, मेडिकल व्यवस्था की सुदृढ़ता तथा अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं को सुनिश्चित करने का निर्देश दिये। सुरक्षा व्यवस्था को लेकर दिए गए विशेष निर्देशः वरीय पुलिस अधीक्षक, रांची श्री राकेश रंजन ने समारोह के दौरान सुरक्षा व्यवस्था को लेकर प्रतिनियुक्त पुलिस पदाधिकारियों एवं पुलिस बलों को आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम स्थल पर प्रवेश से पूर्व उचित फ्रीस्किंग सुनिश्चित की जाए तथा सुरक्षा मानकों का सख्ती से पालन हो।

झांकियों के प्रदर्शन को लेकर दिशा-निर्देशः उप विकास आयुक्त, रांची सौरभ कुमार भुवनिया द्वारा गणतंत्र दिवस के अवसर पर झांकियों के सुचारू एवं अनुशासित प्रदर्शन हेतु संबंधित पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

गणतंत्र दिवस को लेकर रांची में सुरक्षा के कड़े इंतजाम, 1500 अतिरिक्त जवान रहेंगे तैनात

रांची : गणतंत्र दिवस के मद्देनजर राजधानी रांची में सुरक्षा व्यवस्था को और सख़्त कर दिया गया है। शहर के संवेदनशील और चिन्हित इलाकों में 1500 अतिरिक्त पुलिस जवानों की तैनाती की गई है, ताकि किसी भी तरह की अप्रिय घटना को रोका जा सके और समारोह शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो।

पुलिस प्रशासन ने सभी थाना प्रभारियों को अपने-अपने क्षेत्रों में विशेष सतर्कता बरतने का निर्देश दिया है। इसके तहत लॉज, हॉस्टल, बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन, सार्वजनिक स्थलों और प्रमुख बाजारों में सघन जांच अभियान चलाया जा रहा है। संदिग्ध व्यक्तियों और गतिविधियों पर कड़ी नजर रखी जा रही है।

इसके अलावा, पुलिस कंट्रोल रूम से जुड़े सभी पीसीआर और पेट्रोलिंग वाहनों को लगातार भ्रमणशील रहने का निर्देश दिया गया है। शहर के प्रमुख मार्गों और भीड़-भाड़ वाले इलाकों में अतिरिक्त गश्त बढ़ा दी गई है।

किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए क्विक रिस्पॉन्स टीम (क्यूआरटी) की पांच टीमें रिजर्व रखी गई हैं, जिनमें लगभग 200 प्रशिक्षित जवान शामिल हैं। वहीं, उपद्रव या भीड़ नियंत्रण की स्थिति से निपटने के लिए टीयर गैस पार्टी की चार टीमें भी पूरी तरह अलर्ट मोड पर रहेंगी।

पुलिस प्रशासन ने आम नागरिकों से भी अपील की है कि वे किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत नजदीकी थाना या कंट्रोल रूम को दें और सुरक्षा व्यवस्था में सहयोग करें। प्रशासन का कहना है कि गणतंत्र दिवस के अवसर पर शहर में शांति, सुरक्षा और कानून-व्यवस्था बनाए रखना सर्वोच्च प्राथमिकता है।

परेड में भाग लेने वाले प्लाटून

मोरहाबादी मैदान में आयोजित राज्यस्तरीय गणतंत्र दिवस समारोह में निम्नलिखित प्लाटून परेड में हिस्सा लेंगे:

1. भारतीय सेना
2. सीआईएसएफ.
3. सीआरपीएफ.
4. आईटीबीपी.
5. झारखंड जगुआर
6. जेएपी.-1
7. जेएपी.-2
8. डीएपी. (पुरुष)
9. डीएपी. (महिला)
10. एसएसबी.
11. छत्तीसगढ़ पुलिस
12. जेएपी.-10 (महिला बटालियन)
13. होमगार्ड
14. एनसीसी. (गर्ल्स)
15. एनसीसी. (ब्वॉयज)

बैण्ड पार्टी

1. आर्मी
2. जेएपी.-1
3. होमगार्ड
4. जेएपी.-10 (महिला)

गणतंत्र दिवस के अवसर पर परेड का समादेशन कैप्टन मोहित कुमार सुमन, भारतीय सेना, रांची द्वारा किया जाएगा। वहीं सुशांत कुमार, परिचारी प्रवर-1, रांची परेड के द्वितीय समादेशक होंगे।

गणतंत्र दिवस को लेकर यातायात व्यवस्था में परिवर्तन

रांची : राजधानी के मोरहाबादी मैदान में 26 जनवरी को भव्य गणतंत्र दिवस समारोह का आयोजन किया जाएगा। समारोह सुबह 09:00 बजे राज्यपाल संतोष गंगवार के आगमन के साथ शुरू होगा। इस अवसर पर शहर में सुगम यातायात सुनिश्चित करने के लिए प्रशासन ने विशेष व्यवस्थाएं की हैं।

बड़े वाहनों की नो-इन्ट्री: शहर में बड़े वाहनों के प्रवेश पर प्रतिबंध लगाया गया है। सुबह 06:00 बजे से रात 10:00 बजे तक रांची की मुख्य सड़कों पर बड़े वाहनों का प्रवेश वर्जित रहेगा। प्रशासन ने इन वाहनों के लिए विभिन्न जगहों पर स्टॉप प्वाइंट निर्धारित किए हैं, जिनमें कांके, चाईबासा-खूँटी, गुमला-सिमडेगा, जमशेदपुर और बुटी मोड़ प्रमुख हैं। वीवीआईपी और अतिथियों के लिए मार्ग: राज्यपाल संतोष गंगवार, उच्च न्यायालय के न्यायाधीशगण, सांसद/विधायक और केंद्र/राज्य सरकार के पदाधिकारीगण के लिए अलग से वीवीआईपी मार्ग निर्धारित किए गए हैं। ये मार्ग मुख्य रूप से एटीआई मोड़, सिद्ध कान्हु पार्क मोड़, डॉ. श्यामा प्रसाद विवि मोड़ और राजकीय गेस्ट हाउस से होकर मंच तक जाते हैं।

पार्किंग व्यवस्था: वीवीआईपी वाहन और पदाधिकारियों के वाहन के लिए अलग पार्किंग स्थल बनाए गए हैं। मीडिया कर्मियों के वाहन हॉकी स्टेडियम के पास और अन्य सामान्य वाहनों के लिए टीआरआई के सामने पार्किंग का इंतजाम किया गया है। डीसी आवास मोड़ से हॉकी स्टेडियम तक और रांची कॉलेज मोड़ से वीवीआईपी प्रवेश द्वार तक कोई पार्किंग वर्जित रहेगी।

ड्रॉप गेट और प्रवेश: वीवीआईपी और पदाधिकारी वाहन विशेष ड्रॉप गेट के माध्यम से प्रवेश करेंगे। वहीं, सामान्य वाहनों के प्रवेश पर पूरी तरह रोक रहेगी।

प्रशासन की सलाह: आम नागरिकों को सलाह दी गई है कि वे गणतंत्र दिवस समारोह के दिन इन मार्गों और प्रतिबंधित क्षेत्रों से बचें।

शहर के अन्य मार्गों पर छोटे वाहनों का परिचालन पूर्ववत रहेगा।

प्रशासन ने लोगों से सहयोग और धैर्य बनाए रखने की अपील की है।

जयंती विशेष : सहकारिता -बुनकर क्रांति के जनक अब्दुर्रज्जाक अंसारी

शमीम अख्तर आजाद

रांची: हाजी अब्दुरज्जाक अंसारी का जन्म असद अली घराने में 24 जनवरी 1917 ई को एक छोटे से गांव इरबा रांची में हुआ था। उनकी प्रारंभिक शिक्षा गांव में हुई। वह एक छोटे से गांव में जन्म लेकर पूरे हिंदुस्तान की फेहरिस्त में अपना नाम दर्ज करने वाले ऐसी शख्सियत रहे हैं जो न सिर्फ अपनी कौम मुस्लिम समाज और अपनी बिरादरी अंसारी की तालीम और सेहत के क्षेत्र में काम किया बल्कि उन्होंने देश की आजादी में अहम किरदार निभाया। उन्होंने अपने उस्ताद अब्दुल कयूम अंसारी से सबक हासिल कर इस बात का अहद किया कि मैं अपनी पूरी जिंदगी इल्म और बेहतर सेहत के लिए सर्फ करूंगा। उन्होंने एकीकृत बिहार में मंत्री के ओहदे पर होने के बाद कौम वो मिल्लत की दिल व जान से खिदमत की। उन्हें सहकारिता /बुनकर क्रांति का जनक बताया जाता है । उनकी खिदमत को कभी भुलाया नहीं जा सकता है। उन्होंने सबसे पहले 1946 ईस्वी में इरबा में पहले स्कूली इदारा कायम किया । आगे चलकर उन्होंने तकरीबन 40 बुनकर को ऑपरेटिव सोसाइटियों द्वारा स्थानीय महिलाओं के लिए रोजगार द्वार भी खोल दिए। जिसके जरिये उन्हें शॉल के पत्तों की थालियां, कटोरिया बनाने का काम सिखाया गया। औरतें उन दिनों 25 से 30 रुपए प्रतिदिन कमाने लगी जो की आमदनी का अच्छा साधन था। इस प्रकार उन्होंने रोजगार देने के क्षेत्र में भी एक अहम किरदार निभाया।उनका शिक्षा ,रोजगार, सहकारिता , स्वास्थ्य, के क्षेत्र मे उल्लखेनीय योगदान है ।आज उनके 109वें जन्म दिवस पर हम सभी खराज ए अकीदत पेश करते हैं और उनके लिए मगफिरत की दुआ करते हैं।

शहीद जवानों का पार्थिव शरीर पहुंचा रांची, नम आंखें से दी गई अंतिम सलामी

भारत माता की जय से गूंजा एयरपोर्ट

मेट्रो रेज संवाददाता

रांची : जम्मू-कश्मीर के डोडा जिले में हुए दर्दनाक सड़क हादसे में शहीद हुए सेना के जवानों के पार्थिव शरीर बीती देर रात रांची लाए गए। जैसे ही शहीद जवानों के शव बिरसा मुंडा एयरपोर्ट पहुंचे, वहां मौजूद हर व्यक्ति की आंखें नम हो गईं। सेना के जवानों, प्रशासनिक अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों ने शहीदों को अंतिम सलामी दी।

इस मौके पर राज्य के वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर भी एयरपोर्ट पहुंचे और शहीद जवानों के पार्थिव शरीर पर श्रद्धासुमन अर्पित किए। उन्होंने कहा कि देश की रक्षा में शहीद हुए जवानों का बलिदान कभी भुलाया नहीं जा सकता। राज्य सरकार शहीदों के परिवारों के साथ मजबूती से खड़ी है और हर संभव मदद की जाएगी। इस दौरान सेना के वरिष्ठ अधिकारी, जिला प्रशासन और पुलिस के अधिकारी भी मौजूद रहे।

गौरतलब है कि 22 जनवरी को जम्मू-कश्मीर के डोडा जिले में सेना का एक वाहन अनियंत्रित होकर गहरी खाई में गिर गया था। इस हादसे में 10 जवान शहीद हो गए थे, जबकि 11 जवान गंभीर रूप से घायल हुए थे। सभी जवान ऑपरेशनल ड्यूटी पर जा रहे थे। शहीद जवानों में रांची के तिरिल निवासी अजय लकड़ा और पश्चिम बंगाल के पुरुलिया जिले के झालदा थाना क्षेत्र के पुंडा गांव निवासी 24 वर्षीय प्रद्युम्न लोहारा भी शामिल हैं। खराब मौसम के कारण विमान के उड़ान में देरी हुई, जिससे पार्थिव शरीर देर रात रांची पहुंच सके। प्रशासन ने बताया कि शनिवार सुबह शहीद प्रद्युम्न लोहारा के पार्थिव शरीर को उनके पैतृक गांव झालदा, पुरुलिया ले जाया जाएगा। वहीं, शहीद अजय लकड़ा का अंतिम संस्कार रांची में पूरे सैन्य सम्मान के साथ किया जाएगा। शहीदों के सम्मान में रांची एयरपोर्ट परिसर कुछ देर के लिए भारत माता की जय और शहीद अमर रहें के नारों से गूंज उठा। पूरा राज्य अपने वीर जवानों के बलिदान पर गर्व और शोक के साथ एकजुट नजर आया।

एकता कमेटी ने मनाई नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती

रांची: भारतीय एकता कमेटी के प्रधान कार्यालय करबला टैंक रोड रांची में शुक्रवार को देश के वीर स्वतंत्रता सेनानी नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती धूमधाम से मनाई गयी। इस शुभ अवसर पर बच्चों को पठन-पाठन सामग्री भी दिया गया । सभी उपस्थित लोगों ने नेताजी सुभाष चंद्र बोस के बताए हुए रास्ते पर चलने का संकल्प लिया और देश के लिए तन मन धन का त्याग और बलिदान देने के लिए हमेशा तैयार रहने की बात कही। इस शुभ अवसर पर संस्थापक अध्यक्ष गुलाम मुस्तफा ,सचिव रामेश्वर राम, एलिस कश्यप, मनोज राम और कई लोग भी उपस्थित थे।

कांके के पूर्व विधायक रामचंद्र नायक का निधन, क्षेत्र में शोक की लहर

मेट्रो रेज संवाददाता

रांची: कांके विधानसभा क्षेत्र के पूर्व विधायक रामचंद्र नायक का आज देर रात लगभग 12:00 बजे हृदय गति रुकने से निधन हो गया। उनके निधन की खबर मिलते ही राजनीतिक और सामाजिक जगत में शोक की लहर दौड़ गई है।

परिजनों के अनुसार, श्री नायक की तबीयत अचानक बिगड़ी, जिसके बाद उन्हें तत्काल चिकित्सकीय सहायता देने का प्रयास किया गया, लेकिन उन्हें बचाया नहीं जा सका। वे लंबे समय से क्षेत्र की जनता के बीच सक्रिय रहे और अपने सरल स्वभाव तथा जनसेवा के लिए जाने जाते थे। रामचंद्र नायक कांके विधानसभा क्षेत्र से विधायक रह चुके थे। अपने कार्यकाल के दौरान उन्होंने क्षेत्र के विकास, जनसमस्याओं और सामाजिक सरोकारों को लेकर निरंतर आवाज उठाई। उनके योगदान को क्षेत्र की जनता हमेशा स्मरण रखेगी। उनके निधन पर विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं, सामाजिक कार्यकताओं एवं आम नागरिकों ने गहरा दुख व्यक्त किया है। लोगों ने उन्हें एक जमीनी नेता बताते हुए कहा कि उनका जाना क्षेत्र के लिए अपूरणीय क्षति है। ईश्वर से प्रार्थना है कि वे दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें एवं शोक संतप्त परिवार को इस कठिन समय में संबल प्रदान करें।

श्री डोरंडा शिशु सदन स्कूल में हुई मां सरस्वती की पूजा

रांची: सार्वजनिक पुस्तकालय ट्रस्ट समिति डोरंडा द्वारा संचालित श्री डोरंडा शिशु सदन स्कूल में बसंत पंचमी के अवसर पर सरस्वती पूजा का आयोजन स्कूल परिसर में किया गया। पूजा को विधि विधान के साथ संपन्न पुरोहित अमन मिश्रा के द्वारा कराया गया, यजमान के रूप में स्कूल की शिक्षिका रिंकू ठाकुर पूजा में बैठी पूजा के पश्चात सभी स्कूल के छात्र-छात्राओं ट्रस्टी एवं शिक्षिकाओं के बीच प्रसाद स्वरूप बुंदिया एवं फल का वितरण किया गया। सभी अभिभावक , ट्रस्टी, सदस्य एवं शिक्षिकाओं के लिए भोजन में खिचड़ी ,पूरी ,सब्जी ,बुंदिया ,भुजिया, पापड़ ,सलाद की भी व्यवस्था स्कूल के द्वारा की गई। इस आयोजन में ट्रस्ट समिति के अध्यक्ष प्रथम विधि मंत्री झारखंड सरकार रामजीलाल शारदा सचिव सुरेश प्रसाद कोषाध्यक्ष सरदार अशोक सिंह,नारायण सराफ ट्रस्टी ,सदस्य रोहित शारदा ,संजय गुप्ता,मुकेश गुप्ता अनिल गुप्ता, स्कूल की प्राचार्य किरण सिंह, शिक्षिका सुधा सिंह, गार्गी घोषाल ,प्रमिला सराफ ,उषा ठाकुर ,कंचन पोद्दार,आशिका थापा ,विनीता कुमारी इशिता घोषाल ,रश्मि मिंज, स्कूल कर्मचारी शिबू राम सुषमा देवी, अलका देवी का आयोजन को सफल बनाने में योगदान रहा। कार्यक्रम में स्कूल में पढ़ने वाले बच्चे, बच्चों के अभिभावक एवं दर्शनार्थी शामिल हुए।

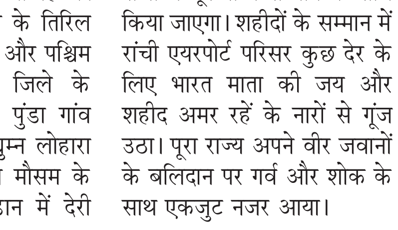

पारस हॉस्पिटल में 'लिम्ब सेविंग सर्जरी' का सफल ऑरेशन

-डॉ अवकाश कुमार व उनकी टीम ने सात साल के बच्चे की बाजू को कटने से बचाया

मेट्रो रेज संवाददाता

रांची: पारस एचइसी हॉस्पिटल रांची के ऑर्थोपेडिक्स विभाग में एक चमत्कारिक सर्जरी को अंजाम दिया गया है। हॉस्पिटल के प्रख्यात ऑर्थोपेडिक्स कंसल्टेंट डॉ अवकाश कुमार और उनकी टीम ने एक सात वर्षीय बच्चे के बाजू को कटने से बचा लिया है। स्कूल में झूले से गिरने के कारण बच्चे की बाजू की दोनों हड्डियां टूटकर शरीर से बाहर निकल आई थीं। चोट इतनी गंभीर थी कि उसके दाहिने हाथ की दोनों हड्डियां

(रेडियस और उल्ना) टूटकर बाहर निकल गई थीं। जांच में पाया गया कि खुले जख्म और हड्डियों के भीतर स्कूल के मैदान की मिट्टी और कीचड़ धंस गए थे।

इसके बाद डॉ अवकाश कुमार ने बिना समय गंवाए आपातकालीन अंग-बचाव सर्जरी का निर्णय लिया। इस जटिल प्रक्रिया में सबसे पहले हड्डियों के अंदर से मिट्टी और संक्रमित कचरे को पूरी तरह साफ किया गया। इसके बाद, एक ही ऑपरेशन में दोनों हड्डियों को सफलतापूर्वक फिक्स किया गया। डॉ अवकाश कुमार ने समय पर सर्जरी की जिससे संक्रमण को फैलने से रोक लिया गया और बच्चे का हाथ पूरी तरह बचा लिया गया। मेडिकल रिपोर्ट के अनुसार अब बच्चे का हाथ पूरी तरह से काम कर रहा है और वह तेजी से सामान्य जीवन की ओर लौट रहा है। इस सर्जरी में ऑर्थोपेडिक्स टीम को एनेस्थीसिया टीम का पूर्ण सहयोग मिला, जिनकी विशेषज्ञ देखरेख और सतत मॉनिटरिंग ने इस लिंब सेविंग सर्जरी को सफल बनाने में अहम भूमिका निभाई।डॉ अवकाश ने कहा कि यह एक 'हाई रिस्क' केस था। हड्डियों में मिट्टी होने के कारण ऑस्टियोमाइलाइटिस यानी हड्डी के जानलेवा संक्रमण का खतरा था, जिससे हाथ हमेशा के लिए बेकार हो सकता था। समय पर सर्जरी कर बच्चे के हाथ को बचा लिया गया।

हॉस्पिटल के फैसिलिटी डायरेक्टर डॉ नीतेश कुमार ने कहा कि इस प्रकार के गंभीर और आपातकालीन मामलों में समय पर सही निर्णय सबसे महत्वपूर्ण होता है। डॉ अवकाश कुमार और उनकी टीम ने जिस कुशलता, समर्पण और तत्परता से इस केस को हैंडल किया, वह काबिले-तारीफ है। पारस हॉस्पिटल रांची में हम लगातार आधुनिक तकनीक, अनुभवी विशेषज्ञों और बेहतर मरीज देखभाल के माध्यम से जटिल से जटिल सर्जरी को सफल बना रहे हैं। यह सफलता पूरे मेडिकल टीम के समन्वित प्रयास का परिणाम है।

मोड दयाल नगर में श्रद्धा व उल्लास के साथ मनाई गई सरस्वती पूजा

मेट्रो रेज संवाददाता

रांची: मोड दयाल नगर स्थित ज्योति संगम सरस्वती पूजा समिति, पिस्का मोड़ के तत्वावधान में बसंत पंचमी एवं सरस्वती पूजा का आयोजन धार्मिक श्रद्धा और पारंपरिक उल्लास के साथ किया गया। इस अवसर पर समिति के अध्यक्ष शिवांश लड्डू आर्यन सहित सभी सदस्य सक्रिय रूप से उपस्थित रहे और आयोजन को सफल बनाया। कार्यक्रम के दौरान ज्ञान और विद्या की देवी मां सरस्वती की विधिवत पूजा-अर्चना की गई। पूजा में विशेष रूप से विद्यार्थियों की भागीदारी देखने को मिली, जिन्होंने शिक्षा, बुद्धि और सफलता की कामना की। क्षेत्र में भक्ति संगीत, सजावट और सांस्कृतिक वातावरण ने उत्सव को और भी मनोहारी बना दिया। आयोजकों ने बताया कि बसंत पंचमी न केवल धार्मिक महत्व रखती है, बल्कि यह वसंत ऋतु के आगमन और नए सिरे से शुरूआत का प्रतीक भी है। यह पर्व प्रकृति की सुंदरता का उत्सव मनाने और सकारात्मक ऊर्जा के साथ आगे बढ़ने का संदेश देता है। पूरे आयोजन के दौरान शांति, अनुशासन और सामूहिक सहयोग का उत्कृष्ट उदाहरण देखने को मिला, जिससे स्थानीय लोगों में उत्साह और उमंग का माहौल बना।

देश और प्रदेशवासियों को 77 वें गणतंत्र दिवस की हार्दिक बधाई और शुभकामनाएंः रूना शुक्ला

रांची: आज हम सभी 77वां गणतंत्र दिवस मना रहे हैं, जो 26 जनवरी, 1950 को हमारे संविधान को अपनाने का प्रतीक है। यह दिन इसलिए भी बहुत खास हो जाता है क्योंकि इस दिन ही हमने अंग्रेजों के नियम-कायदों से हटकर अपना अलग संविधान तैयार करने के बाद उसे लागू किया था। गणतंत्र दिवस भारत का एक लोकतांत्रिक पर्व है जिसे हम प्रतिवर्ष गर्व और हर्षोल्लास के साथ मनाते हैं। भारत के भविष्य को दिशा प्रदान करने वाला दस्तावेज जो हमारा संविधान है उसे लोकतांत्रिक सरकार प्रणाली के द्वारा 26 जनवरी 1950 को लागू किया गया था जिस पर हमें अभिमान है, आप सभी को 77 वें गणतंत्र दिवस की हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं।

सुविचार

सबसे मुश्किल रास्ता वह होता है जब आपको अकेले चलना पड़ता है, लेकिन वही रास्ता आपको मजबूत भी बनाता है।

आबादी के बोझ से दबी दिल्ली

दिल्ली में बढ़ रही बेहिसाब आबादी से केवल मकान और रोजगार का संकट ही नहीं बढ़ रहा है बल्कि इसका असर बिजली-पानी की आपूर्ति से लेकर प्रदूषण बढ़ाने पर हो रहा है। दिल्ली का क्षेत्रफल 1915 से आज तक 1483 वर्ग किलोमीटर ही है लेकिन आबादी 2 लाख 38 हजार से बढ़कर करीब तीन करोड़ हो गई। इतना ही नहीं, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) की कुल आबादी चार करोड़ से ज्यादा हो गई है। दिल्ली की सीमा बढ़ने की कोई संभावना नहीं दिख रही है। ऐसे में दिल्ली से आबादी का दबाव कम करने और हर साल बाहर से आकर दिल्ली में बसने वाली औसतन पांच लाख की अतिरिक्त आबादी को दिल्ली में आने से रोकने के लिए दिल्ली जैसी सुविधा दिल्ली के बाहर उपलब्ध कराना सरकारों के लिए बड़ी चुनौती है। ऐसा न होने पर दिल्ली में मूलभूत सुविधाओं का संकट बढ़ता जाएगा, प्रदूषण की समस्या और बड़ी और स्थाई होती जाएगी।आबादी के दबाव से अनधिकृत कालोनी बढ़ती जाएगी और यमुना कभी भी साफ नहीं हो पाएगी। राजनीतिक इच्छाशक्ति के अभाव और वोट की राजनीति में पिछड़ने के भय से पहले की सरकारों ने दिल्ली पर आबादी के बोझ को कम करने के फैसले लिए लेकिन उस पर अमल नहीं हो पाया। सत्तर के दशक में करीब पचास बड़े सरकारी दफ्तर दिल्ली से बाहर ले जाने का फैसला हुआ। एक को उसमें से गए ही गिनती के, जो गए भी उनके मुख्य दफ्तर से ज्यादा उनकी दिल्ली शाखा का दफ्तर बड़ा होता गया। उसी तरह 1985 में एनसीआर योजना बोर्ड बनी। उसे 1988 से लागू करना शुरू किया गया। बोर्ड के पास कार्रवाई का ठोस अधिकार न होने से वह काम शुरू करने से पहले ही विफल हो गया। यह बात बोर्ड के सदस्य सचिव रहे वरिष्ठ आईएएस अधिकारी ओमेश सहगल ने सदस्य सचिव रहते 1996 में भी कही जो बाद में दिल्ली के मुख्य सचिव भी रहे।

उनका कहना था कि साल 1971-72 में केन्द्र सरकार ने सरकारी और अर्ध सरकारी करीब 50 संस्थानों के दफ्तर दिल्ली से बाहर भेजना तय किया। ओएनजीसी की मुख्यालय देहरादून, कोल इंडिया लिमिटेड का कोलकाता, भारत पेट्रोलियम, हिन्दुस्तान पेट्रोलियम और भारतीय स्टेट बैंक आदि के मुख्यालय मुंबई इत्यादि बाहर गए तो लेकिन न जाने वालों की संख्या ज्यादा रही। जो गए भी उनके क्षेत्रीय दफ्तर मुख्यालय से ज्यादा बड़े हो गए। उसके कर्मचारी और संबंधित लोग दिल्ली में रह गए। सालों पहले अदालत ने साफ तौर पर दिल्ली में उद्योग लगाने पर पाबंदी लगाई। माना गया कि केवल सेवा क्षेत्र के काम-स्कूल, अस्पताल, होटल इत्यादि ही दिल्ली में लगेंगे। वास्तव में ऐसा हुआ नहीं। जब एनसीआर योजना बनी तब दिल्ली में और पड़ोस के राज्यों में कांग्रेस की सरकारें थीं। बावजूद योजना ठीक से लागू नहीं हो पाई।

ओमेश सहगल इसका एक बड़ा कारण मानते हैं कि बोर्ड के पास कोई ठोस अधिकार है ही नहीं। वह किसी को सजा दे ही नहीं सकती। इसलिए योजना कागजों पर ही रही और बेहिसाब तरीके से आबादी बढ़ती गई। इतना ही नहीं कोई राज्य सरकार दिल्ली के उपयोग के लिए अपनी जमीन देना तो दूर अपने राज्य सरकार के अधिकारों में कोई हस्तक्षेप नहीं करने देती। सबसे बड़ी समस्या तो यह है कि पूरे एनसीआर ही नहीं पड़ोसी शहरों के लोग नागरिक सुविधाओं के लिए दिल्ली आने पर मजबूर हैं। हवाई अड्डा (अब जेवर में शुरू होने वाला है), बड़े रेलवे स्टेशन, बड़े अस्पताल, बढ़िया स्कूल-कालेज के लिए तो लोगों को दिल्ली ही आना पड़ रहा है। लोग आएंगे तो गाड़ियां आएंगी। उससे प्रदूषण बढ़ेगा। इसलिए बिना ठोस योजना और राजनीतिक इच्छा शक्ति के दिल्ली पर से आबादी का बोझ कम ही नहीं हो सकता। वे कहते हैं कि दो बार दिल्ली की अनधिकृत कालोनियों को नियमित किया गया। जब वे मुख्य सचिव थे तब पता नहीं कैसे एरियल सर्वे में एक भी अनधिकृत कालोनी नहीं दिखी और आज यह संख्या तीन हजार पार कर गई। सवाल है कि यह सारी कालोनियां या दिल्ली के हर इलाके में अनधिकृत निर्माण कैसे और किसने किए, इस पर ठोस कारवाई हुए बिना दिल्ली को बचाया नहीं जा सकता है।

दिल्ली में आबकारी आयुक्त रहे एके सिंह कहते हैं कि कोई भी राज्य आपकी सलाह मानने को तैयार नहीं है। उन्होंने कहा कि आबकारी आयुक्त रहते हुए शराब की तस्करी को रोकने के लिए उन्होंने हरियाणा के आबकारी आयुक्त से आबकारी कर समान करने के लिए पहल करने को कहा, वे इसके लिए तैयार नहीं हुए। दिल्ली में अपने आप ही आबादी बेहिसाब बढ़ रही है, ऊपर से पड़ोस के इलाकों से हर रोज पचास से साठ लाख लोग आते हैं। वे पैदल तो आते नहीं। उनके वाहन पहले से बढ़े प्रदूषण को बढ़ाने में योगदान दे रहे हैं। दिल्ली की अपनी सरकारी एजेंसियों में तालमेल न होने के चलते भी दिल्ली का नुकसान होता जा रहा है।

दिल्ली विकास प्राधिकरण(डीडीए) की स्थापना दिल्ली को व्यवस्थित करने की योजना बनाने के लिए की गई, मकान बना कर बेचना उसने अपना मुख्य काम बना लिया। धीरे-धीरे उसके मास्टर प्लान बेकार साबित होने लगे और वह एक बड़ा बिल्डर जैसा बन गया। दुनिया के अमीर देश-अमेरिका और चीन बिजली बचाने के लिए अंतरिक्ष में डाटा सेंटर बना रहे हैं। अपने देश में अभी तक एक दूसरे राज्य से बिजली-पानी खरीदने-बेचने में ही लगे हुए हैं। दिल्ली अपनी जरूरत का केवल दस फीसदी पानी अपने से जुटा पाती है। बाकी के लिए तो दूसरे राज्यों पर ही निर्भरता है। फिर भी लगातार दिल्ली में पानी का संकट बना ही हुई है। हिमाचल प्रदेश के रेणुका बांध से दिल्ली को पानी मिलने का भरोसा सालों से मिल रहा है। यह कैसे संभव है कि दूसरे राज्य अपने पानी न लेकर सारा ही पानी दिल्ली को देने लगेंगे।

हालात इस बार बदले हुए हैं। एनसीआर योजना के समय दिल्ली और पड़ोस के राज्यों में कांग्रेस की सरकार थी तो अभी हर जगह भाजपा की सरकार है। इतना ही नहीं गजब राजनीतिक इच्छाशक्ति वाले नरेन्द्र मोदी प्रधानमंत्री हैं। दिल्ली पर यातायात का दबाव घटाने के लिए मोदी सरकार ने ईस्टर्न पेरिफेरियल एक्सप्रेसवे, वेस्टर्न पेरिफेरियल एक्सप्रेसवे, दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे और दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे बनाया। दिल्ली मेट्रो रेल दिल्ली और एनसीआर में 295 किलोमीटर तक बन चुका है। चौथे चरण में इसमें करीब 48 किलोमीटर और जुड़ जाएगा। इस पर भी काम शुरू हो गया है। दिल्ली मेट्रो से हर रोज यात्रा करने वालों की औसत संख्या पचास लाख से ऊपर है। यह संख्या 70 लाख भी पार कर जाती है। दिल्ली-मेरठ नमो भारत रेल कोरिडोर के बाद दिल्ली-करनाल और दिल्ली-अरवल कोरिडोर बनने वाला है। इन सभी का लाभ तो दिल्ली को होगा ही।

दिल्ली की समस्या यह है कि दिल्ली का अपना ज्यादा कुछ नहीं है। मौसम भी पड़ोसी राज्यों पर निर्भर है। इतना ही नहीं दिल्ली अपनी जरूरतों को पूरा करने के संसाधनों के लिए भी दूसरे राज्यों पर निर्भर है। 1911 में दिल्ली देश की राजधानी बनी तब दिल्ली की आबादी करीब 2,38 हजार थी, जो 1947 में बढ़कर 6,95 हजार हो गई थी। अब आबादी करीब तीन करोड़ है और एनसीआर की कुल आबादी की करीब साढ़े चार करोड़ हो गई है। एनसीआर की आबादी भी मूल रूप से दिल्ली की आबादी ही है। दिल्ली से बाहर बसने वाले ज्यादातर लोग आज भी दिल्ली से ही जुड़े हुए हैं। उनमें ज्यादातर के कारोबार या नौकरी दिल्ली में ही है। राजधानी बनने के बाद 1915 में यमुना पार के 65 गांव दिल्ली में जुड़े। तब से दिल्ली का इलाका 1483 किलोमीटर ही बना हुआ है। निकट भविष्य में इसमें बढ़ोतरी होने की संभावना नहीं दिख रही।

भाजपा का मिशन बंगाल: क्या 2026 में दो-तिहाई बहुमत आएगा?

अमित शाह जिस भी विधानसभा चुनाव की जिम्मेदारी लेते हैं, वहाँ सबसे पहले संगठन को कसने से ही शुरूआत करते हैं। विधायकों, सांसदों के साथ-साथ नगर निगम पार्षदों तक के साथ लगातार बंद कमरे में बात करते हैं और कहीं भी किसी गफलत की गुंजाइश नहीं छोड़ते हैं। अपने वैचारिक मूल संगठन के बीच का उनका समन्वय जबर्दस्त होता है।

गीता शुक्ला

बिहार के बाद महाराष्ट्र के स्थानीय निकाय के चुनाव परिणाम ने लोगों को फिर चौंकाया है। भाजपा के प्रति इतना जबर्दस्त समर्थन अब विरोधियों को भी यह कहने पर मजबूर कर रहा है कि पार्टी कमाल कर रही है। उसका संगठन इतना मजबूत हो चुका है कि कोई अन्य पार्टी उसके आसपास भी खड़ी नहीं हो पा रही है। जाहिर है भाजपा में जिस प्रोफेशनल एक्सेलेन्स की बात अखिलेश यादव ने की है, उसे पार्टी में लाने का श्रेय किसी को जाता है तो वह गृह मंत्री अमित शाह हैं और अब उन्हीं के हाथों में भाजपा ने बंगाल और तमिलनाडु का चुनाव प्रभार सौंप दिया है। अब समर्थकों में यह उम्मीद बंध गयी है कि पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में भी इस बार भाजपा दो-तिहाई बहुमत लेकर आएगी। बंगाल से जुड़े कई स्वतंत्र टिप्पणीकार यह कहने लगे हैं कि पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी की टीएमसी 50 सीटों से भी नीचे चली जाएगी और आशंका यह भी व्यक्त की जा रही है कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को अपनी सीट भवानीपुर को भी बचाने में बड़े पापड़ बेलने पड़ सकते हैं। पश्चिम बंगाल की सत्ता से यदि तृणमूल कांग्रेस बाहर होती है तो यह राज्य में भाजपा के उत्थान के साथ ममता बनर्जी के ध्रुवीकरण वाली राजनीति का पतन भी होगा। अल्पसंख्यक तुष्टीकरण की राजनीति से प्रदेश की 70 फीसदी जनता ऊब चुकी है और इस बार बदलाव की आवाज साफ सुनाई दे रही है। अमित शाह ने जब पिछले महीने 29 से 31 दिसंबर तक की कोलकाता की यात्रा की तो स्थानीय लोगों और भाजपा कार्यकताओं में इसी तरह का जज्बात दिखाई दिए। यह भाजपा की तरफ से पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव अभियान की एक तरह से शुरूआत थी। अमित शाह ने अपने चिर परिचित अंदाज में मैराथन संगठनात्मक बैठकें कर पार्टी कार्यकताओं को जागृत किया और लगे हाथों उन्होंने पश्चिम बंगाल में भाजपा के लिए दो-तिहाई बहुमत की भविष्यवाणी भी कर दी।

अमित शाह जिस भी विधानसभा चुनाव की जिम्मेदारी लेते हैं, वहाँ सबसे पहले संगठन को कसने से ही शुरूआत करते हैं। विधायकों, सांसदों के साथ-साथ नगर निगम पार्षदों तक के साथ लगातार बंद कमरे में बात करते हैं और कहीं भी किसी गफलत की गुंजाइश नहीं छोड़ते हैं। अपने वैचारिक मूल संगठन के बीच का उनका समन्वय जबर्दस्त होता है। फिर अपने प्रतिस्पर्धियों की कमजोरियों और मुद्दों को चिन्हित कर उनके काउन्टर नैरेटिव तैयार करवाते हैं। पश्चिम बंगाल में भी अमित शाह ने ममता सरकार के खिलाफ भ्रष्टाचार, चिट फंड घोटाला, नौकरी घोटाला, कोयला घोटाला और पशु तस्करी के मुद्दे चिन्हित कर लिए हैं और उसमें संलिप्त तृणमूल कांग्रेस के नेताओं और मंत्रियों के नाम भी उजागर कर दिए हैं। राज्य के कई मंत्रियों के भ्रष्टाचार में शामिल होने के कारण जेल जाने की घटनाएं लोगों के दिमाग में पहले से ही अंकित है।

इन सबसे ऊपर भाजपा जिस मुद्दे को लेकर चुनाव जीतने के प्रति आश्वस्त है वह है बांग्लादेश से घुसपैठ का मुद्दा। ममता बनर्जी इस मुद्दे पर घिर चुकी हैं। अमित शाह के इस आरोप का उनके पास जवाब नहीं है कि आखिर सीमा पर बाड़ लगाने के लिए उन्होंने बीएसएफ को जमीन देने से क्यों इनकार किया। भाजपा ने यह रिकार्ड पेश किया है कि असम और त्रिपुरा से घुसपैठ की घटनाएं लगभग बंद हो गई हैं जबकि पश्चिम बंगाल में अब भी जारी है। इस कारण बंगाल की डेमोग्राफी तेजी से बदल रही है। खड़गपुर से कोलकाता और बर्धमान से सिलीगुड़ी तक का पूरा इलाका डेमोग्राफिक रूप से बदल गया है। स्थानीय लोग ही बताते हैं कि ये सारे इलाके अब बांग्लादेशी निवासियों से भर गए हैं। ये पश्चिम बंगाल के मूल निवासी नहीं हैं, लेकिन संसाधनों पर इनका कब्जा हो चुका है। वे बेहतर पैसे और अच्छी ज़िंदगी के लालच में आए थे लेकिन बंगाल के राजनीतिज्ञों ने उनका यहीं बसेरा बना दिया। बांग्ला संस्कृति, जीवन शैली, परंपरा आदि सबकुछ बदल गया है। भाजपा के इस वायदे में बंगाली समुदाय को एक विश्वास दिखता है कि घुसपैठ पर लगाम के लिए एक नेशनल ग्रिड बनना चाहिए और गृह मंत्री इसको चुनावी अभियान का हिस्सा बनाना चाहते हैं।

देखा जाए तो भाजपा की चुनावी राजनीति की कमान जब से अमित शाह संभाल रहे हैं, तब से लगातार पश्चिम बंगाल में भी पार्टी की स्थिति सुधर रही है। साल 2016 के विधानसभा चुनाव में भाजपा को केवल 3 विधानसभा सीटों में ही जीत हासिल हुई थी लेकिन साल 2021 में जीत का यह आंकड़ा 77 सीटों पर पहुंच गया। उसी तरह साल 2014 के लोकसभा चुनाव में बंगाल में भाजपा को 17 प्रतिशत वोट मिले लेकिन साल 2024 के लोकसभा चुनाव में पार्टी को 39 प्रतिशत वोटों का सहारा मिला। अमित शाह के नेतृत्व में भाजपा बिहार की ही तरह बूथ-केंद्रित रणनीति अपनाने जा रही है। पश्चिम बंगाल के कुल 81,000 मतदान केंद्रों में से भाजपा ने 65,000 के लिए बूथ समितियां बना ली है और सभी 294 विधानसभा क्षेत्रों में विस्तारक तैनात कर दिए हैं। दूसरी तरफ ममता बनर्जी के शासनकाल में अपराध और अपराधियों की मौजूदगी बढ़ती जा रही है। खुद मुख्यमंत्री अराजकता की लाइन पार करती दिखाई देती हैं। वह प्रधानमंत्री पद की गरिमा का भी अक्सर उल्लंघन करती दिखाई देती हैं। केंद्र के साथ बैठकों में भी कागज फेंकने, झल्लाने और घमंड दिखाने से बाज नहीं आतीं। बंगाल के लोगों को ममता की इस शासन संस्कृति से लज्जित होना पड़ता है। प्रधानंत्री मोदी लगातार धैर्य और सहिष्णुता से पेश आते रहे हैं। हाल के दिनों में ईडी के अधिकारियों के साथ ममता के असंवैधानिक व्यवहार उनकी सरकार को बर्खास्त करने का कारण बन सकता था। फिर भी भाजपा नेतृत्व इससे बच रहा है। भाजपा संभवतः यह मान रही है कि साल 2026 में बंगाल की मुख्यमंत्री ममता नहीं होंगी और उसके बाद तृणमूल कांग्रेस के लिए खुद को बचाए रखना भी संभव नहीं होगा। क्योंकि मुस्लिम वोट के लिए हिंदुओं के साथ भेदभाव का यह दौर अब आगे नहीं चल सकता। अमित शाह ज्यादातर मामलों में अपनी बात पर खरे उतरे हैं, बंगाल भी उनके लिए उनके वायदे के साथ खड़ा होगा क्या?

(लेखिका, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

ट्रम्प के टूटते सपने और बिगड़ती मनोदशा

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प का दर्द जब-तब उनके बयानों से झलकता है। शांति के नोबल पुरस्कार की होड़ में मात खाने के बाद ट्रम्प एकाएक अशांतिपूर्ण हरकतों पर उतारू हो गए। उनकी टीस इसी बात से समझ आती है कि इस पुरस्कार के लिए खुद अपनी पैरवी करने वाले ट्रम्प ने नॉर्वे के प्रधानमंत्री जोनास गहर स्टोर को चिट्ठी लिख नोबेल नहीं मिलने की शिकायत तक कर दी।

ऋतुपर्ण दवे

कभी लगता है कि ट्रम्प तानाशाह हैं, कभी लगता है कि तुनकमिजाज। शायद अमेरिका वासियों को भी अब ट्रम्प को समझ पाना मुश्किल हो रहा होगा। उन्हें चुनते वक्त ऐसा अंदाजा हरगिज नहीं रहा होगा। लेकिन, इतना तो समझ आ रहा है कि अपनी दूसरी पारी में ट्रम्प दुनिया में सबसे अलग करने की नीयत से हर वो काम करने पर आमादा हैं जिससे उनकी चर्चा और धमक बनी रहे। हो सकता है कि वो ऐसा कुछ करें भी जिससे वो हीरो या विलेन कुछ तो बन जाएं। लेकिन लगता नहीं कि वो कभी अमेरीका के आदर्श राष्ट्र प्रमुखों में गिने जाएंगे।

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प का दर्द जब-तब उनके बयानों से झलकता है। शांति के नोबल पुरस्कार की होड़ में मात खाने के बाद ट्रम्प एकाएक अशांतिपूर्ण हरकतों पर उतारू हो गए। उनकी टीस इसी बात से समझ आती है कि इस पुरस्कार के लिए खुद अपनी पैरवी करने वाले ट्रम्प ने नॉर्वे के प्रधानमंत्री जोनास गहर स्टोर को चिट्ठी लिख नोबेल नहीं मिलने की शिकायत तक कर दी। साथ ही यह भी लिखा कि 8 जंग रुकवाने के बावजूद उन्हें नोबेल नहीं मिला इसलिए उन्होंने अब शांति के बारे में सोचना छोड़ दिया है। शांति जरूरी है लेकिन अब वह यह भी सोचेंगे कि अमेरिका के हित में क्या सही है। ग्रीनलैंड पर जबरन कब्जा की उनकी नीयत और कोशिशों की एक वजह नोबेल शांति पुरस्कार न मिलने की खीझ भी स्पष्ट समझ आती है।

रूस और चीन के खतरे की दुहाई देकर ट्रम्प नाटो सदस्य डेनमार्क के ग्रीनलैंड को हथियाने का जो दंभ भर रहे हैं, उसे अंतरराष्ट्रीय कानूनों और नाटो की एकता के साथ ही वैश्विक शांति के लिए गंभीर खतरा माना जा रहा है। ट्रम्प की जिद कहें या दादागिरी यह उनका दुनिया का तानाशाह बनने जैसा ही कदम कहलाएगा। देर-सबेर इसका खामियाजा अमेरिका ही भुगतेगा क्योंकि वैश्विक मंच पर दुनिया का दारोगा कहलाने वाले मजबूत देश की विश्वसनीयता कमेगी।

ग्रीनलैंड की जिद को लेकर दुनिया भर में शांति के पक्षधर लोगों की समझाइश का भी ट्रम्प पर कोई असर न पड़ना मामले को गंभीर बनाता है। ग्रीनलैंड में साल 1979 से स्व-शासन है। उसकी विदेश और रक्षा नीति नाटो संगठन का सदस्य देश डेनमार्क देखता है। ग्रीनलैंड डेनमार्क का अर्ध-स्वायत्त भाग है। ग्रीनलैंड और डेनमार्क सरकारों ने भी हमेशा कहा है कि ग्रीनलैंड न कभी पहले बिकाऊ था न आज है। नाटो देश भी कभी नहीं चाहेंगे कि कोई दादागिरी कर कब्जा कर ले। खुद यूरोपीय देश फ्रांस, ब्रिटेन, जर्मनी, स्वीडन, डेनमार्क और इटली ने भी ट्रम्प के बयान की आलोचना की है। इतना ही नहीं बल्कि सामूहिक तौर पर जवाब देने की बात भी कह कर ट्रम्प को चेताया तक है। इससे ट्रांसअटलांटिक संबंध भी कमजोर होंगे। ट्रम्प की नीयत उनके पहले कार्यकाल में ही ग्रीनलैंड को खरीदने की थी जो तब भी पूरी नहीं हो पाई।

आठ यूरोपीय देशों डेनमार्क, नॉर्वे, स्वीडन, फ्रांस, जर्मनी, यूनाइटेड किंगडम, नीदरलैंड और फिनलैंड पर टैरिफ की धमकी को ये देश ट्रम्प का ब्लैकमेल, समझ से परे और अनुचित बता रहे हैं। ट्रम्प की हरकतों से यूरोप और अमेरिका के सुरक्षा सहयोग संगठन नाटो के भविष्य पर भी प्रश्नचिन्ह दिख रहा है। खुद 80 प्रतिशत अमरीकी भी नहीं चाहते कि ग्रीनलैंड अमेरिका का हिस्सा बने क्योंकि इससे नाटो में दो फाड़ होगी जिसका फायदा चीन और रूस जैसे अमेरिका विरोधियों को मिलेगा।

ऐसा भी नहीं है कि यूरोपीय संघ यानी ईयू ट्रम्प के लगाए गए टैरिफ का जवाब देने में पीछे है। ईयू 27 यूरोपीय देशों का राजनीतिक और आर्थिक संगठन है। इसमें ऑस्ट्रिया, बेल्जियम, बुल्गारिया, क्रोएशिया, साइप्रस, चेक गणराज्य, डेनमार्क, एस्टोनिया, फिनलैंड, फ्रांस, जर्मनी, ग्रीस, हंगरी, आयरलैंड, इटली, लातविया, लिथुआनिया, लक्जमबर्ग, माल्टा, नीदरलैंड, पोलैंड, पुर्तगाल, रोमानिया, स्लोवाकिया, स्लोवेनिया, स्पेन और स्वीडन शामिल हैं। इन सभी देशों का रुख अमेरिका पर ट्रेड पाबंदियां लगाने का है जिस पर वो गंभीरता से विचार कर रहे हैं। जबकि इनका लक्ष्य सदस्य देशों के बीच शांति, समृद्धि और स्थिरता को बढ़ावा देना है। ऐसी स्थिति में नाटो देश भी अमेरिका की मुखालफत करेंगे।

हालांकि ईयू एक खास कानूनी हथियार के इस्तेमाल की सोच रहा है, जिसे ह्यट्रेड बाजूकाह्व कहते हैं। इसका मकसद उन देशों के खिलाफ कड़ा कदम उठाना है, जो यूरोपीय देशों पर जबरदस्ती आर्थिक दबाव बनाने की कोशिश करते हैं। ईयू सांसद अमेरिका के साथ हुए ट्रेड एग्रीमेंट की मंजूरी रोकने की तैयारी में भी हैं। जाहिर है इससे दो पक्षीय नहीं बल्कि बहुपक्षीय तनाव बढ़ना ही है जिसमें अमेरिका के विरोध में कई होंगे। इन सबके लिए जिम्मेदार ट्रम्प ही होंगे।

ट्रम्प की मौजूदा सनक की वजह ग्रीनलैंड है जो सैन्य रणनीतिक लिहाज से बेहद खास है। यह उत्तर अमेरिका और यूरोप के मध्य अटलांटिक महासागर के बीचों-बीच होने से मिड-अटलांटिक क्षेत्र में है। यहां से यूरोप और रूस के बीच सैन्य और मिसाइल निगरानी आसान है। हालांकि यहां अमेरिका का थुले एयर बेस पहले से है, जो मिसाइल चेतावनी और रूसी-चीनी गतिविधियों पर नजर रखने के लिए जरूरी है। आर्कटिक क्षेत्र में रूस और चीन की गतिविधियां बढ़ने से चिंतित अमेरिका ग्रीनलैंड पर वर्चस्व पाकर भू-राजनीतिक पकड़ मजबूत करना चाहता है।

दूसरी ओर ग्रीनलैंड में दुर्लभ खनिज, तेल, गैस और रेयर अर्थ एलिमेंट्स के बड़े भंडार हैं। ये भविष्य की विशाल आर्थिक और तकनीकी सम्पदा है। अभी चीन का इन उत्पादों पर 70 से 90 प्रतिशत नियंत्रण है। यह निर्भरता अमेरिका कम करना चाहता है। वहीं, भूमंडलीय ऊष्मीकरण यानी ग्लोबल वार्मिंग के चलते आर्कटिक की बर्फ पिघल रही है, जिससे नए जलपोत मार्ग खुल रहे हैं। जब ग्रीनलैंड अमेरिका का होगा तो निश्चित तौर पर वह रूस-चीन की बढ़त रोकने में मददगार होगा। इसीलिए ट्रम्प ग्रीनलैंड को अमरीकी सुरक्षा का फ्रन्ट लाइन मानते हैं।

अब ट्रम्प की नीयत चाहे जो हो लेकिन क्या नोबल का शांति पुरुस्कार मिलता तो भी ट्रम्प ऐसा करते? यह ट्रम्प का बाल हठ है या राज हठ, वही जानें- फिलाहाल ट्रम्प दुनिया में खुद को तमाशा जरूर बना रहे हैं। देखना उनका खेल कब तक चलेगा?

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं।)

इंदौर के खजराना गणेश का रहस्य

इंदौर का खजराना गणेश मंदिर अटूट श्रद्धा और भव्यता के लिए पूरी दुनिया में फेमस है। खजराना गणेश मंदिर का निर्माण 1735 में मराठा रानी अहिल्याबाई होल्कर ने करवाया था। माना जाता है कि मुगल शासक औरंगजेब से मूर्ति को बचाने के लिए इसको एक कुएं में छिपा दिया गया था। फिर बाद में अहिल्याबाई ने मूर्ति निकलवाकर मंदिर में स्थापित किया था। इस मंदिर से जुड़ी कुई अद्भुत परंपराएं जुड़ी हुई हैं। जिनमें सबसे अनोखी और चर्चित परंपरा है कि भगवान गणेश की पीठ पर 'उल्टा स्वास्तिक' बनाना है। वहीं भक्त दूर-दूर से अपनी मनोकामनाएं लेकर यहां आते हैं और विशेष अनुष्ठान को करते हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको इस मंदिर और यहां से जुड़ी मान्यता के बारे में बताने जा रहे हैं।

उल्टा स्वास्तिक बनाने की क्या है मान्यता

खजराना गणेश मंदिर में उल्टा स्वास्तिक बनाना मन्नत मांगने का एक तरीका माना जाता है। धार्मिक मान्यता है कि अगर कोई भक्त पूरी श्रद्धा के साथ मंदिर की पिछली दीवार पर सिंदूर से उल्टा स्वास्तिक बनाता है, तो उनकी सभी मनोकामनाएं पूरी होती हैं और कठिन कार्य सिद्ध हो जाते हैं। लोग अपनी इच्छाएं और परेशानियां भगवान के चरणों में सौंपने के प्रतीक में उल्टा स्वास्तिक चिह्न बनाते हैं।

वहीं जब भक्त की मुराद पूरी हो जाती है, तो परंपरा के मुताबिक उनको मंदिर में दोबारा आना होता है। वहीं मनोकामना पूरी होने के बाद भक्त भी उसी दीवार पर सीधा स्वास्तिक बनाते हैं। साथ ही भगवान का आभार प्रकट करते हैं। वहीं लोग मोदक या लड्डू का भी भोग लगाते हैं।

क्या है धागा बांधने और परिक्रमा की परंपरा

उल्टा स्वास्तिक बनाने के अलावा इस मंदिर में धागा बांधने की एक प्राचीन परंपरा है। भक्त अपनी मन्नत को पूरा करने के लिए मंदिर की दीवार रक्षा सूत्र बांधते हैं। वहीं मंदिर की तीन परिक्रमा करने का भी महत्व है। माना जाता है कि ऐसा करने से भगवान और भक्त के बीच गहरा आध्यात्मिक संबंध बन जाता है। वहीं विघ्नहर्ता उनके जीवन की सभी बाधाओं को दूर कर देते हैं।

क्रिकेट टीम का 'सुपर सिलेक्टर' है मंदिर

बता दें कि इस मंदिर को भारतीय क्रिकेट टीम का 'सुपर सिलेक्टर' भी माना जाता है। जब भी इंदौर में कोई बड़ा मैच होता है, या फिर भारतीय टीम का कोई अहम दौरा होता है, तो कई खिलाड़ी और क्रिकेट प्रेमी यहां पर मन्नत मांगने के लिए आते हैं। वहीं भारतीय क्रिकेट टीम की जीत के लिए अक्सर यहां पर उल्टा स्वास्तिक बनाया जाता है। यहां के स्थानीय लोगों की मानें, तो शहर का कोई भी शुभ काम चाहे वह नया व्यापार हो या शादी, खजराना गणेश जी को पहला निमंत्रण दिए बिना अधूरा रहता है।

टिप्स

अब घर पर बनेगा परफेक्ट दानेदार हलवा

सर्दियों में किसी एक मीठी डिश का नाम सुनते ही मुंह में पानी आ जाता है, तो वह गर्मागर्म गाजर का हलवा है। अक्सर सर्दियों में लोग घर में शादी में मिलने वाला हलवा बनाने की कोशिश करते हैं, लेकिन वह शादी वाला खास स्वाद और दानेदार बनावट लाना मुश्किल होता है। कभी गाजर अधिक गल जाती है, तो कभी चीनी और घी का सही तालमेल नहीं बैठ पाता है। इस उलझन को सुलझाने के लिए आज हम आपको गाजर का हलवा बनाने की सही रेसिपी के बारे में बताने जा रहे हैं। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको परफेक्ट हलवा बनाने की रेसिपी के बारे में बताने जा रहे हैं। जिसको आप बिना किसी गलती के घर पर आसानी से बना सकती हैं।

ऐसे डालें शुगर : गाजर जब दूध को पूरी तरह से सोख ले और नरम हो जाए, तब इसमें स्वादानुसार चीनी मिलाएं। चीनी डालने से गाजर फिर से पानी छोड़ेगी। इस दौरान आपको लगातार गाजर को चलाते रहना है, जब तक कि चीनी का पानी पूरी तरह से सूख न जाए। आंच को मीडियम रखें, जिससे कि गाजर नीचे से जले नहीं।

धीमी आंच में पकाएं : हलवे का असली टेक्सचर देने के लिए एक बड़ी और मोटे तले की कड़ाही लें। फिर इसमें कद्दूकस किया हुआ गाजर डालें और आधा लीटर फुल क्रीम दूध मिलाएं। दूध के साथ गाजर पकने से इसमें मलाईदार स्वाद आता है। इससे धीमी से मीडियम आंच पर तब तक पकाना चाहिए, जब तक कि हलवा नरम न हो जाए। जैसे-जैसे गाजर पकेगी, उसकी मात्रा कम होती जाएगी।

खोया और केसर मिलाएं : चीनी का पानी सूखने के बाद इसमें कद्दूकस किया हुआ खोआ मिलाएं। यह हलवे को रिच और 'शादी वाला' लुक देने का काम करता है। थोड़े से गुनगुने दूध में गुनगुने दूध में भिगोया हुआ केसर डालें। केसर न सिर्फ बेहतरीन प्राकृतिक रंग देने का काम करेगा,

मेट्रो रेज की ओर से स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाई पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची , (झारखंड) से मुद्रित।
प्रधान संपादक : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक** : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 **website :** www.metrorays.in **email : metrorays.ranchi@gmail.com**

न्यूज IN ब्रीफ

पूरे पलामू में श्रद्धा और विश्वास से की गई माता सरस्वती की आराधना

मेदिनीनगर : सरस्वती पूजा महोत्सव शुक्रवार को मेदिनीनगर सिटी समेत पूरे पलामू जिले में उल्लास के साथ मनाया गया। शिक्षण संस्थाओं और विभिन्न मोहल्ले तथा गांव में श्रद्धालुओं ने मां सरस्वती की आराधना कर गुढ विद्या और प्रखर बुद्धि की कामना की। आकर्षक पंडाल बनाकर मां सरस्वती की आराधना की गई है। कजरी गांव सहित विभिन्न पंडाल में सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया है। शहर से लेकर गांव तक पूजा के बाद भक्ति संगीत गूंज रहे हैं। मेदिनीनगर सिटी के एनपीयू परिसर स्थित जेएन दीक्षित छात्रावास में विद्यार्थियों ने श्रद्धा के साथ पूजा किया। माता सरस्वती के दर्शन और प्रसाद ग्रहण करने लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे।

एनपीयू के कुलपति प्रो. डॉ दिनेश कुमार सिंह भी छात्रावास परिसर पहुंचकर प्रसाद ग्रहण किया। शहर के क्रिसेंट पब्लिक स्कूल में शुक्रवार को स्थापना दिवस सह सरस्वती पूजा महोत्सव और नेता जी सुभाष चंद्र बोस की जयंती मनाई गई। जीएलएल गेट के पास भी भव्य पंडाल बनाकर माता सरस्वती का आराधना किया गया है। मेदिनीनगर सिटी के संत मरियम स्कूल में निदेशक अविनाश देव के नेतृत्व में शिक्षकों व विद्यार्थियों ने माता सरस्वती की पूजा कर आशीर्वाद मांगा और मंगलकामनाएं की। विधायक के हस्तक्षेप के बाद हुई माता सरस्वती की पूजा लेस्लीगंज बाजार स्थित राजकीय मध्य विद्यालय में सरस्वती पूजा का आयोजन नहीं किए जाने को गंभीरता से लेते हुए विधायक डॉ कुशवाहा शशिभूषण मेहता समर्थकों के साथ स्कूल पहुंचे और गेट पर माता सरस्वती की तस्वीर को पारंपरिक रूप से स्थापित कर पूजा सुनिश्चित कराया। वर्ष 1872 में स्थापित विद्यालय में आरंभिक काल से ही पूजा होती आ रही है। प्रभारी प्रधानाध्यापक अरविंद कुमार ने पूजा आयोजन पर रोक लगा दिए जिससे लोग आक्रोशित थे। विधायक ने प्रभारी प्रधानाध्यापक अरविंद कुमार पर 1872 से चली आ रही सरस्वती पूजा की परंपरा को तोड़ने का गंभीर आरोप लगाते हुए फटकार लगाई। साथ ही उन्होंने शिक्षा विभाग के वरीय पदाधिकारियों से फोन पर बात कर मामले की शिकायत भी की। धरना स्थल पर ही मां सरस्वती की तस्वीर मंगाकर विधिवत पूजा-अर्चना की गई। इसके बाद प्रसाद वितरण किया गया तथा भजन-कीर्तन से पूरे वातावरण को भक्तिमय बना दिया गया। विधायक मेहता ने कहा कि सरस्वती पूजा केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति, शिक्षा और संस्कार से जुड़ी आस्था है, जिसे किसी भी परिस्थिति में रोका नहीं जाना चाहिए। मौके पर विधायक के जिला प्रतिनिधि सह भाजपा के मंडल अध्यक्ष प्रकाश मेहता, प्रोफेसर बच्चन ठाकुर, प्रखंड विधायक प्रतिनिधि सुनील कुशवाहा, छोटेलाल सोनी, समाजसेवी कमेश यादव, सुधीर तिवारी, आनंद प्रसाद, संतोष शुक्ला सहित बड़ी संख्या में स्थानीय लोग एवं अभिभावक उपस्थित थे।

60वीं नेशनल क्रॉस कंट्री दौड़ चैंपियनशिप के लिए जिले से 03 तकनीकी पदाधिकारी नामित

साहिबगंज : एथलेटिक्स फेडरेशन ऑफ इंडिया एवं झारखंड राज्य एथलेटिक्स संघ के संयुक्त तत्वाधान में नामकुम,रांची में 24 जनवरी 2026 को आयोजित 60वीं राष्ट्रीय क्रॉस कंट्री दौड़ चैंपियनशिप के सफल आयोजन हेतु जिले से योगेश यादव,अशोक साहनी एवं निमाई चौधरी को तकनीकी पदाधिकारी नामित किया गया है।इस चैंपियनशिप में देशभर के सभी राज्यों के 700 से अधिक खिलाड़ी भाग लेंगे।जिले के तीनों तकनीकी पदाधिकारियों को उपायुक्त हेमंत सती,उपविकास आयुक्त सतीश चंद्रा,आईटीडीए निदेशक संजय कुमार,अपर समाहर्ता गौतम भगत,जिला खेल पदाधिकारी कुमार हर्ष,जिला ओलंपिक संघ के अध्यक्ष राजेश यादव,सचिव माधव चंद्र घोष,ओम ततसत,संतोष उर्फ टिंकू,प्रकाश सिंह बादल,खेल समन्वयक कौशल किशोर मरांडी,गौरव समेत जिले के खेल प्रेमियों ने शुभ कामना दी।

बसंत पंचमी ज्ञान सद्भाव और ऊर्जा का संदेश देता है: बजरंगी यादव

साहिबगंज : बसंत पंचमी व सरस्वती पूजा के पावन अवसर पर नगर क्षेत्र के हबीबपुर वार्ड नंबर 14 मे आर्मी संघ द्वारा आयोजित माँ सरस्वती पूजा मेला का उद्घाटन भाजपा किसान मोर्चा के राष्ट्रीय मंत्री बजरंगी प्रसाद यादव ने फीता काटकर किया।इस दौरान संघ के अध्यक्ष विकास साह के नेतृत्व मे भाजपा किसान मोर्चा के राष्ट्रीय मंत्री बजरंगी प्रसाद यादव को अंग वस्त्र देकर स्वागत किया।वही उद्घाटन समारोह मे भक्ति और उल्लास का भव्य संगम देखने को मिला।इस अवसर पर विशेष पूजा-अनुष्ठान का आयोजन पूरे भक्तिभाव के साथ किया गया।बसंत ऋतु के आगमन और ज्ञान,कला व विद्या की अधिष्ठात्री देवी माँ सरस्वती की आराधना से मंदिर परिसर भक्तिरस से सराबोर नजर आया।वही भाजपा किसान मोर्चा के राष्ट्रीय मंत्री बजरंगी प्रसाद यादव ने उपस्थित श्रद्धालुओं को बसंत पंचमी की शुभकामनाएं दीं।उन्होंने कहा कि बसंत पंचमी केवल ऋतु परिवर्तन का पर्व नहीं,बल्कि यह ज्ञान,सद्भाव और सकारात्मक ऊर्जा का संदेश देता है।उन्होंने कहाँ कि माँ सरस्वती की आराधना से जीवन में विवेक,संस्कार और सृजनशीलता का विकास होता है।मौके पर कृष्णा शर्मा,ललन सिंह,संतोष मोदी,रवि साह संतोष स्वर्णकार,श्रवण मोदी,चंदन साह,अनिल यादव,रवि मोदी,अजय साह,जगदीश शर्मा,टिंकू आशीष यादव,अमन सिंह,नंदन साह सहित कई लोग मौजूद थे।

मालगाड़ी से कटकर युवक की मौत

मेदिनीनगर : शहर के जेलहाता व सुदना के बीच स्थित रेलवे ओवरब्रिज के समीप गुरुवार की रात में मालगाड़ी से कटकर एक अज्ञात युवक की मौत हो गई हैं। शहर थाना की पुलिस ने शव को कब्जे में लेते हुए पहचान करने का प्रयास किया परंतु सफलता नहीं मिली। पोस्टमार्टम के लिए शव को पुलिस ने मेदिनीनगर के एमआरएमसीएच भेज दिया गया है।

नशे की स्थिति में वाहन न चलाएं, ड्राइविंग लाइसेंस के साथ ही वाहन का संचालन करें : मिथिलेश

संवाददाता

साहिबगंज : राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह 2026 के अवसर पर 22वें दिन सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम के अंतर्गत हेलमेट एवं पौधा वितरण समारोह का आयोजन उधवा प्रखंड के पेट्रोल पम्प के समीप किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य सड़क सुरक्षा के प्रति जन-संवेदनशीलता बढ़ाने के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण को प्रोत्साहित करना रहा।कार्यक्रम का संचालन जिला परिवहन पदाधिकारी मिथिलेश कुमार चौधरी के नेतृत्व में किया गया। इस अवसर पर राजमहल अनुमंडल पदाधिकारी सदानंद महतो, जिला आपूर्ति पदाधिकारी झुनु मिश्रा एवं जिला भू-अर्जन पदाधिकारी छुटेश्वर दास की गरिमामयी उपस्थिति रही।कार्यक्रम के दौरान उधवा एवं राजमहल क्षेत्र के दोपहिया वाहन चालकों के बीच निःशुल्क हेलमेट एवं पौधा वितरण किया गया, विशेष रूप से उन चालकों को प्राथमिकता दी गई जो आर्थिक रूप से हेलमेट क्रय करने में असमर्थ हैं। साथ ही पम्पलेट, बुकलेट एवं हैंडबिल के माध्यम से यातायात नियमों के पालन हेतु जागरूक किया गया।जिला परिवहन पदाधिकारी द्वारा वाहन चालकों से अपील की गई कि वे दोपहिया वाहन चलाते समय अनिवार्य रूप से हेलमेट और चारपहिया वाहन चलाते

समय सीट बेल्ट का प्रयोग करें।नशे की स्थिति में वाहन न चलाएं वैध ड्राइविंग लाइसेंस के साथ ही वाहन का संचालन करें तथा सभी यातायात नियमों का पालन सुनिश्चित करें।सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के उद्देश्य से दोपहिया एवं चारपहिया वाहनों पर रिफ्लेक्टिव टेप पारावर्तक पट्टी लगाई गई, जिससे अंधेरा कोहरा एवं वर्षा की स्थिति में दुर्घटनाओं की संभावना कम हो सके। इसके साथ ही पर्यावरण संरक्षण हेतु वृक्षारोपण कार्यक्रम भी संपन्न हुआ।कार्यक्रम में जिला सड़क सुरक्षा प्रबंधक नीरज कुमार साह, रोड इंजीनियर एनालिस्ट अनुज पराशर, आईटी सहायक राजहंस सहित परिवहन विभाग के अन्य कर्मी उपस्थित रहे।

झारखंड विधि महाविद्यालय में सरस्वती पूजा धूमधाम से संपन्न

मेट्रो रेज संवाददाता

झुमरीतिलैया : झारखंड एजुकेशन कल्चरल डेवलपमेंट सोसाइटी के तत्वावधान में संचालित झारखंड विधि महाविद्यालय एवं झारखंड टीचर्स ट्रेनिंग कॉलेज, झुमरीतिलैया, झारखंड कॉलेज ऑफ फामेर्सी परिसर में मां सरस्वती की प्रतिमा स्थापित कर बड़े ही हर्षोल्लास, श्रद्धा और धूमधाम के साथ सरस्वती पूजा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर संपूर्ण महाविद्यालय परिसर भक्तिमय वातावरण से गूंज उठा। छात्र-छात्राओं, शिक्षकों एवं कर्मचारियों ने मां सरस्वती विद्यादायिनी की विधिवत पूजा-अर्चना कर ज्ञान, विवेक और सफलता की कामना की। पूजा कार्यक्रम में संस्था के सचिव डॉ. डी.एन. मिश्रा, प्राचार्य डॉ. अजय कुमार, प्राचार्य डॉ. विकास राय, झारखंड कॉलेज ऑफ फामेर्सी के प्राचार्य मिथलेश कुमार, कोऑर्डिनेटर अरमान हुसैन,

अजय भट्टाचार्य, सुखनंदन तिवारी, प्रोफेसर सुरभि कुमारी, प्रोफेसर सविता कुमारी, सुनील कुमार, डॉ एसबी मिश्रा, अश्विनी मिश्रा, रीना कुमारी, अमित कुमार, ललन कुमार, दिलीप बिन्द, दिनकर मिश्रा, प्रमोद मिश्रा, प्रोफेसर उज्जवल कुमार, प्रोफेसर अनिल कुमार सहित कई वरिष्ठ शिक्षक एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान सांस्कृतिक एकता और शिक्षा के महत्व पर भी प्रकाश डाला गया। वहीं राष्ट्रीय सेवा योजना के कोऑर्डिनेटर एस.बी. मिश्रा ने जानकारी दी कि आगामी 26 जनवरी गणतंत्र दिवस के अवसर पर कॉलेज परिसर में राष्ट्रीय सेवा योजना के तहत रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाएगा। इस शिविर में छात्र- छात्राओं के साथ- साथ कॉलेज के पदाधिकारी एवं कर्मचारी रक्तदान करेंगे, ताकि जरूरतमंद, गरीब एवं असहाय लोगों को समय पर रक्त उपलब्ध कराया जा सके।

बीएलए 2 फॉर्म का अनुमोदन और वितरण कार्यक्रम का हुआ समापन

संवाददाता

साहिबगंज/बरहरवा : भारत निर्वाचन आयोग के निदेर्शानुसार झारखंड में होने वाले विशेष सघन पुनरीक्षण अभियान को सफल बनाने के उद्देश्य से बरहरवा प्रखंड अंतर्गत रामनगर में बीएलएए-2 फॉर्म अनुमोदन एवं वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।इस अवसर पर जिला कांग्रेस कमेटी साहेबगंज के अध्यक्ष बरकतुल्लाह खान, प्रखंड 20 सूत्री अध्यक्ष अशोक कुमार दास एवं प्रखंड कांग्रेस अध्यक्ष रंजीत टुडू द्वारा संयुक्त रूप से रिसौड़, जामपुर, कालू, मिजार्पुर, रामनगर, बरारी, रूपेशपुर एवं बिंदुपाड़ा पंचायत के कुल 44 बूथ लेवल एजेंट को बीएलए-2 फॉर्म का अनुमोदन कर वितरण किया गया।कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य झारखंड में होने वाले एस आईआर अभियान को गति देना है, जिसके तहत मतदाता सूची का अद्यतन, नए मतदाताओं का

नाम जोड़ना, त्रुटियों का सुधार एवं फर्जी प्रविष्टियों को हटाने की प्रक्रिया को पारदर्शी और प्रभावी बनाया जा रहा है। इस अभियान से आगामी चुनाव में शुद्ध, सटीक एवं अद्यतन मतदाता सूची सुनिश्चित होगी, जिससे लोकतांत्रिक प्रक्रिया और अधिक मजबूत होगी।

इस मौके पर उपस्थित नेताओं ने सभी बीएलए साथियों से अपील की कि वे अपने-अपने बूथ क्षेत्रों में सक्रियता से कार्य करते हुए मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्य को समयबद्ध व निष्पक्ष रूप से संपन्न कराएं।

कार्यक्रम में मंडल अध्यक्ष ओम राय, दाऊद शेख, शमशेर खान,अब्दुल करीम,पंचायत अध्यक्ष अनारूल खान,शरद चंद्र मंडल, जमीरुल इस्लाम,महमूद अंसारी सहित दर्जनों कांग्रेस कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे।कार्यक्रम शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित वातावरण में संपन्न हुआ।

देसी पिस्तौल एवं कारतूस के साथ दो युवक गिरफ्तार

मेदिनीनगर : पलामू जिले के पाटन थाना क्षेत्र के सहदेवा जंगल के पास गुरुवार की शाम में चलाए गए एंटी क्राइम वाहन चेकिंग अभियान के क्रम में एक देसी कट्टा एवं एक कारतूस के साथ दो आरोपी युवक को गिरफ्तार किया गया। आरोपियों से गहन पूछताछ के बाद शुक्रवार को जेल भेज दिया गया है। आरोपियों की पहचान लेस्लीगंज थाना क्षेत्र के ठकुराई दीदरी गांव निवास रोशन कुमार एवं दारूडीह गांव निवासी आदेश कुमार के रूप में की गई है। पलामू की एसपी रीष्मा रमेशन ने बताया कि गुरुवार का विधि-व्यवस्था को लेकर सामान्य वाहन जांच अभियान के क्रम में पाटन थाना क्षेत्र के सहदेवा से लेस्लीगंज जाने वाली मुख्य सड़क पर वाहन जांच अभियान चलाया गया।सहदेवा जंगल के समीप किशुनपुर ओपी प्रभारी के नेतृत्व में एंटी क्राइम चेकिंग अभियान चलाया जा रहा था।

देश की स्वतंत्रता संग्राम के अग्रणी नेताओं में से एक थे सुभाष चंद्र बोस : बासुकीनाथ

संवाददाता

साहिबगंज : जिला कांग्रेस कमिटी के तत्वावधान में स्वतंत्रता संग्राम के अग्रणी नेताजी सुभाष चन्द्र बोस की जयन्ती समारोह जिला कांग्रेस कार्यालय साहिबगंज में जिला उपाध्यक्ष बासुकीनाथ यादव की अध्यक्षता में मनाई गई।इस अवसर पर जिला कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारियों ने नेताजी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें याद किया।कांग्रेस जिला उपाध्यक्ष बासुकीनाथ यादव ने नेताजी सुभाष चंद्र बोस के जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि वे भारत के स्वतंत्रता संग्राम के अग्रणी नेताओं में से एक थे।द्वितीय विश्वयुद्ध के दौरान उन्होंने देश की आजादी के लिए अंग्रेजों के खिलाफ लड़ने को जापान के सहयोग से आजाद हिंद फौज का गठन किया था।तुम मुझे खून दो मैं तुम्हे आजादी दूंगा। जैसे प्रेरणादायक नारों के साथ उन्होंने भारत के नौजवानों और

देशवासियों में देश की आजादी के लिए एक नई ऊर्जा क्रांति ला दिया था।उनमें युवाओं को संगठित कर राष्ट्रीयता, समर्पण और एकता के सूत्र में पिरोने की अभूतर्पूव क्षमता थी।नेताजी की महानता, उनका त्याग और बलिदान को देशवासी कभी भूल नहीं सकते।वे भारतवर्ष की भावी पीढ़ी के लिए सदैव प्रेरणा स्त्रोत बने रहेंगें।उनके आर्दशों पर चलकर जनता देश के कल्याण के लिय कटिबद्ध रहेगी।श्रद्धांजलि देने वालों में मो कलीमुद्दीन ,सरफराज आलम, सतीस कुमार पासवान, रामविलास यादव, आफताब आलम उर्फ चिंटू,सब्दुल अंसारी मजहर खान,गणेश कुमार,अली कुरैशी,मो मेराजुद्दीन जाहिद खान, सुनील गुप्ता,सादाब खान,मो अब्दुल कादिर एवं दर्जनों कांग्रेसजन शामिल थे।

61 आरोपियों की गिरफ्तारी के बाद भी जारी है अभियान : उपनिदेशक

मेदिनीनगर : पलामू टाइगर रिजर्व (पीटीआर) के उतरी प्रमंडल के उप-निदेशक प्रजेश कांत जेना ने कहा कि वन्य जीवों के खाल व अवशेष आदि की तस्करी के आरोप मे पिछले दो महीने में झारखंड, बिहार और छत्तीसगढ़ से 61 आरोपियों को गिरफ्तार करने के बाद भी अभियान तेज गति से चलाया जा रहा है। आरोपियों के साथ पैंगोलिन का छाल, दोमुहा सांप, मुंगा, हिरण के छाल, सांप के जहर, देशी भरठुआ, मोर का पैर, बाघ के हड्डी, गुलेल, दो पहिया और चार पहिया वाहन भी बरामद किया गया है। प्रजेश कांत जेना ने गुरुवार को मेदिनीनगर स्थित अपने कार्यालय कक्ष में प्रेस प्रतिनिधियों से साझा किया।

उन्होंने बताया कि वन्यजीव तस्करी को रोकने के लिए झारखण्ड राज्य सहित देश के अन्य राज्यों में तथा अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर तस्करी मे संलिप्त अपराधियों को पकड़ने के लिए 18 नवंबर 2025 से 20 जनवरी 2026 के बीच वाइल्डलाइफ क्राइम कंट्रोल ब्यूरो एवं पलामू टाइगर रिजर्व ने टीम का गठन कर अभियान चलाया है। अभियान के दौरान वन्यजीव की तस्करी करने वाले झारखंड, बिहार और छत्तीसगढ़ अभी तक 61 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार आरोपियों मे सर्वाधिक झारखंड से 47 को गिरफ्तार किया गया है। छत्तीसगढ़ से 10 और बिहार से चार आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार सभी आरोपियों के विरुद्ध वन्य प्राणी संरक्षण अधिनियम के सुसंगत धाराओं के तहत कानूनी करवाई करते हुए जेल भेज दिया गया है। उन्होंने बताया कि आरोपियों के पास से 60 किलोग्राम पैंगोलिन के छाल, दो दोमुहा सांप, दो किलोग्राम मोती, दो हिरण के छाल, एक तेंदुआ के छाल, दो बोतल सांप के जहर, तीन देशी भरठुआ, एक मोर का पैर, संभवतः बाघ की हड्डी का पाउडर, एक दो पहिया और एक चार पहिया वाहन के साथ गुलेल भी बरामद किया गया है।

गोड्डा सांसद डॉ निशिकांत दुबे के मार्गदर्शन और दिशा निर्देश में दिख रहा विकास

सुविधा और आमजन की सुरक्षा को प्राथमिकता दिया जाएगा : अमित सिंह

संवाददाता

साहिबगंज : भाजपा नेता सह भाजपा युवा मोर्चा के पूर्व रास्ट्रीय कार्यसमिति सदस्य अमित सिंह ने बताया कि पिछले साल 28 जून 2025 को गोड्डा सांसद डॉ निशिकांत दुबे से उनके दिल्ली आवास पर मिलकर भागलपुर से हावड़ा भाया साहिबगंज वन्दे भारत चलाने का आग्रह किया था.।उन्होंने आग्रह को स्वीकार करते हुए एक नही दो सौगात साहिबगंज को दिएऔर अपना वादा निभाया।भागलपुर-हावड़ा वंदे भारत एक्सप्रेस, दूसरा हावड़ा-नई दिल्ली वंदे भारत स्लीपर या अमृत भारत स्लीपर एक और ट्रेन जो भाया साहिबगंज,भागलपुर चलेगी जिसकी घोषणा पिछले दिनों शिवनारायणपुर में साहिबगंज-पटना इंटरसिटी एक्सप्रेस के ठहराव का व्यवस्था की।अमित सिंह ने साहिबगंज के सभी स्थानीय और क्षेत्रीय जन प्रतिनिधियों का ह्रदय से आभार जताया।साथ ही भाजपा नेता ने 28 जून 2025 को ही कुछ और मांग भी गोड्डा सांसद डॉ निशिकांत दूबे के समक्ष रखी थी,कि साहिबगंज एवं समग्र अंग प्रदेश से जुड़ी विकास पर उनका मार्गदर्शन मिला था जो कभी भी पूरा हो सकती है।अमित कुमार सिंह ने साहिबगंज संताल परगना वासियों की ओर से रेलवे से संबंधित कुछ मांग डॉ निशिकांत दुबे के समक्ष रखा कि मालदा -

पटना एक्सप्रेस का तीनपहाड़ स्टेशन में ठहराव, मालदा-नई दिल्ली एक्सप्रेस 14003/14004 का तीनपहाड़ में ठहराव,फरक्का एक्सप्रेस से मालदा डिविजन का जो कोटा था,जिससे इमरजेंसी पैसेंजर को ईलाज में पटना जाने में सहूलियत होती थी।ये मांग पूरी हो चुकी,साहिबगंज इएमयु शेड का अपग्रेडेशन सहित 5 पश्चिमी रेलवे और बरहरवा में रेल ओवर ब्रिज जो सांसद डॉ निशिकांत दूबे के प्रयास से केंद्र सरकार ने 2020 जनवरी में ही पास कर दिया है।साथ ही साहिबगंज पूर्वी फाटक में आरओबी को प्राथमिकता में लेने का आग्रह किया।अमित ने कहा कि गोड्डा सांसद डॉ निशिकांत दूबे ने कहा कि सभी जनहित के कार्यो को जल्द से जल्द पूरा किया जाएगा।

बीबीएल 15: मेलबर्न रिनेगेड्स ने विस्फोटक सलामी बल्लेबाज जॉश ब्राउन के साथ किया दो साल का नया करार

एजेंसी

मेलबर्न : मेलबर्न रिनेगेड्स के विस्फोटक ओपनर बल्लेबाज जॉश ब्राउन ने क्लब के साथ अगले दो वर्षों के लिए अपना भविष्य सुरक्षित कर लिया है। ब्राउन अब कम से कम बिग बैश लीग 17 (बीबीएल 17) के अंत तक रिनेगेड्स के लिए खेलते नजर आएंगे। बीबीएल 14 में मेलबर्न रिनेगेड्स से जुड़ने वाले जॉश ब्राउन ने बीबीएल15 के दौरान शानदार प्रदर्शन किया, खासकर दोनों मेलबर्न डर्बी मुकाबलों में वह टीम के स्टार साबित हुए। इससे पहले उन्होंने बीबीएल 12 में ब्रिस्बेन हीट के साथ अपने बिग बैश करियर की दमदार शुरूआत की थी और 2024 के अंत में मेलबर्न का रुख किया था। करार के बाद जॉश ब्राउन ने क्लब के हवाले से कहा,ह्णरिनेगेड्स के साथ समय शानदार रहा है। यहां मुझे घर जैसा महसूस होता है और मैं इस क्लब के साथ आगे क्या हासिल कर सकते हैं, इसे लेकर उत्साहित हूं। मुझे हमारी खेलने की शैली पसंद है और अगले कुछ साल यहीं रहने को लेकर काफी उत्साह है। बीबीएल 15 में ब्राउन ने दो अर्धशतक लगाए और लगातार तीसरे सीजन 150 से अधिक के स्ट्राइक रेट को बरकरार रखा। उन्होंने कुल 311 रन बनाए और रिनेगेड्स के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज रहे। इस दौरान उनका सर्वोच्च स्कोर मेलबर्न स्टार्स के खिलाफ पहले मेलबर्न डर्बी में नाबाद 84 रन रहा।

मेलबर्न रिनेगेड्स के जनरल मैनेजर रोसेनगार्टन ने कहा,

जॉश हमें पारी की शुरूआत में जबरदस्त ताकत देते हैं। जब वह लय में होते हैं, तो बहुत कम खिलाड़ी हैं जो उनकी तरह तेजी से पारी को आगे बढ़ा सकते हैं। जॉश ब्राउन का यह नया करार ऐसे समय आया है, जब बीबीएल 15 अपने अंतिम चरण में है और कई क्लबों ने खिलाड़ियों के अनुबंध बढ़ाने की घोषणाएं की हैं। मेलबर्न स्टार्स ने सैम हार्पर (दो साल), हिल्टन कार्टराइट (दो साल) और पीटर सिडल (एक साल) के साथ नए समझौते किए हैं, जबकि सिडनी थंडर के कप्तान डेविड वॉर्नर ने बीबीएल 16 के लिए क्लब के साथ दोबारा करार किया है।

बीबीएल नियमों के अनुसार, सभी क्लब 27 जनवरी (मंगलवार) को शाम 5 बजे तक लीग के कॉन्ट्रैक्टिंग एंबार्गो से पहले 10 खिलाड़ियों के रोस्टर भर सकते हैं। इसके बाद 28 जनवरी को सुबह 9 बजे से प्लेयर मूवमेंट विंडो खुलेगी, जिसमें खिलाड़ियों की ट्रेडिंग और फ्री एजेंट्स का क्लब बदलना संभव होगा।

त्रिशूल कप क्रिकेट के फाइनल में पहुंचा धनुपुर क्लब

एजेंसी

प्रयागराज : धनुपुर क्लब ने रिशु स्पोर्ट्स को आठ रन से हराकर त्रिशूल कप क्रिकेट चैम्पियनशिप के फाइनल में प्रवेश कर लिया। देवराजी प्रेमचंद पब्लिक स्कूल धनुपर हंडिया के मैदान पर शुक्रवार से शुरू हुई प्रतियोगिता में पहले सेमीफाइनल में धनुपुर क्लब ने छह ओवरों में सात विकेट पर 39 रन (शौर्य नारायण यादव 15, सुहैब अंसारी 14, माखन 2/04, शिवम भारती 1/11) बनाए। जवाब में रिशु स्पोर्ट्स की टीम छह ओवर में सात विकेट पर 31 रन (नीरज 10, चंदन 2/05, मोहम्मद साहिल व आसिफ अंसारी एक एक विकेट) ही बना सकी। इससे पूर्व पहले क्वार्टर फाइनल में रिशु स्पोर्ट्स ने कलावती क्रिकेट अकादमी को 10 विकेट से हराया। कलावती क्रिकेट अकादमी ने छह ओवरों में 10 रन बनाए। जवाब में रिशु भारत ने 1.4 ओवर में बिना विकेट खोए 11 रन बना लिए। दूसरे क्वार्टर फाइनल में धनुपुर क्रिकेट क्लब ने प्रयाग इलेवन को दो रन से हराया। धनुपुर टिकट क्लब में छह ओवर में चार विकेट पर 33 रन (शौर्य नारायण यादव 16 नाबाद, सुहैब अंसारी 11, अब्दुल जर्रार 2/11, जैनुल सरफराज 1/07) बनाए। जवाब में प्रयाग इलेवन की टीम छह ओवर में आठ विकेट पर 31 रन पर सिमट गई। राज विक्रम और मोहम्मद साहिल ने दो-दो विकेट लिए।

प्रतियोगिता का उद्घाटन मुख्य अतिथि विद्यालय के चेयरमैन अंशुल हीरामणि पांडेय ने किया। निदेशक तृप्ति श्रीवास्तव और प्रधानाचार्य कुलदीप खरे ने उनका स्वागत किया।

मानुष शाह: दिया चितले की जोड़ी ने जीता डब्ल्यूटीटी कंटेंडर मस्कट 2026 का खिताब

मस्कट : भारत की मिक्स्ड डबल्स जोड़ी मानुष शाह और दिया चितले ने शानदार प्रदर्शन करते हुए शुक्रवार को डब्ल्यूटीटी कंटेंडर मस्कट 2026 का खिताब अपने नाम कर लिया। फाइनल मुकाबले में तीसरी वरीयता प्राप्त भारतीय जोड़ी ने चौथी वरीयता प्राप्त चीन की हुआंग यौझेंग और शी शुन्याओ की जोड़ी को रोमांचक मुकाबले में 3-2 से हराया।

37 मिनट तक चले इस कड़े फाइनल में शाहझ्रचितले की जोड़ी ने 11-5, 5-11, 11-5, 5-11, 13-11 से जीत दर्ज की। यह भारतीय जोड़ी का तीसरा डब्ल्यूटीटी खिताब है। वर्तमान में विश्व रैंकिंग में आठवें स्थान पर काबिज मानुष शाह और दिया चितले इससे पहले 2024 में बेरूत में डब्ल्यूटीटी फीडर और 2025 में ट्यूनिस में डब्ल्यूटीटी कंटेंडर का खिताब जीत चुके हैं।

साल 2025 में मानुष शाह और दिया चितले डब्ल्यूटीटी फाइनल्स में खेलने वाली पहली भारतीय मिक्स्ड डबल्स जोड़ी भी बनी थी।

मस्कट में जीत का सफर

मस्कट में भारतीय जोड़ी ने अपने अभियान की शुरूआत राउंड ऑफ 16 में चीन की चेन युआनयू और हान फेइयर को 3-2 (11-9, 11-9, 6-11, 8-11, 11-8) से हराकर की। क्वार्टरफाइनल में उन्होंने सिंगापुर की पांग कोएन और जेंग जियान की जोड़ी को 3-1 (9-11, 11-8, 13-11, 11-6) से मात दी।

सेमीफाइनल में शाहझ्रचितले की जोड़ी को फ्रांस के क्वालिफायर थिबॉल्ट पोरे और शार्लोट लुट्ज के खिलाफ कड़ी चुनौती मिली, लेकिन भारतीय जोड़ी ने शानदार वापसी करते हुए 3-2 (10-12, 8-11, 11-8, 11-8, 11-8) से मुकाबला अपने नाम किया।

अन्य मुकाबलों का हाल

पुरुष डबल्स में मानुष शाह ने मानव ठक्कर के साथ सेमीफाइनल तक का सफर तय किया। तीसरी वरीयता प्राप्त भारतीय जोड़ी को सेमीफाइनल में चीन की दूसरी वरीयता प्राप्त लिन शिदोंग और हुआंग की जोड़ी से 2-3 (11-8, 9-11, 11-6, 8-11, 7-11) से हार का सामना करना पड़ा।

वहीं, महिला डबल्स सेमीफाइनल में यशस्विनी घोरपड़े और अयाहिका मुखर्जी की जोड़ी चीन की किन युशुआन और जोंग गेमन के खिलाफ 1-3 (11-8, 6-11, 4-11, 9-11) से पराजित हुई।

निगेटिव पीआर और फेक रिव्यू पर छलका विजय देवरकोंडा का दर्द, कहा, 'वर्षों पहले हुआ शिकार'

पिछली बार 'किंगडम' में दिखने वाले साउथ इंडस्ट्री के अभिनेता विजय देवरकोंडा अपनी फिल्मों से लेकर पर्सनल लाइफ तक के लिए सुर्खियों में छाए रहते हैं। उनकी फिल्म 'किंगडम' ने बॉक्स ऑफिस पर औसत कारोबार किया था। अब अभिनेता ने फिल्म रिलीज से पहले होने वाले निगेटिव पीआर और फेक रिव्यू पर बात की और दुख जताया कि उनकी फिल्म 'डियर कॉमरेड' भी इसका शिकार हुई थी। विजय देवरकोंडा ने मेगास्टार चिरंजीवी की एक आगामी तेलुगु फिल्म 'मना शंकर वर प्रसाद गारू' को लेकर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर खुशी और दुख दोनों जताया है। खुशी इस बात की है कि अब निर्माता और बड़े स्टार्स ने फेक रेटिंग रिव्यू को समस्या माना है और दुख इस बात का है कि जब उन्होंने इस समस्या को लेकर आवाज उठाई थी, तब किसी ने ध्यान नहीं दिया था। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'यह देखकर खुशी और दुख दोनों हो रहे हैं। खुशी इस बात की है कि कई लोगों की मेहनत, सपने और पैसा किसी तरह सुरक्षित हो रहे हैं और दुख इस बात का है कि हमारे ही लोग इन समस्याओं की जड़ हैं। जियो और जीने दो के सिद्धांत और साथ मिलकर विकास करने का क्या हुआ? '

अभिनेता ने आगे लिखा, '''डियर कॉमरेड' के दिनों से ही मैंने संगठित हमलों की भयावह राजनीति को पहली बार देखा। इतने वर्षों तक मेरी आवाज अनसुनी रही। मुझसे कहा गया कि कोई अच्छी फिल्म को रोक नहीं सकता, और फिर मेरे साथ फिल्म बनाने वाले हर निर्माता और निर्देशक को जल्द ही इस समस्या की गंभीरता का एहसास हो जाता है। मैंने कई रातें यह सोचते हुए बिताई हैं कि किस तरह के लोग ऐसा करते हैं और उनसे कैसे निपटा जाए ताकि मैं अपने सपनों और मेरे जैसे और मेरे बाद आने वाले कई लोगों के सपनों की रक्षा कर सकूं। मुझे खुशी है कि अब यह मामला सबके सामने आ गया है और अदालत ने भी फिल्मों के लिए खतरे को स्वीकार कर लिया है।''

दीपिका पादुकोण बबने वाली थी सपना दीदी

कमीने, हैदर और रंगून के बाद विशाल भारद्वाज फिल्म 'ओ' रोमियो' में शाहिद कपूर के साथ धमाल मचाने के लिए तैयार हैं। फिल्म से पहला पोस्टर, टीजर और रिलीज डेट अनाउंस कर दी गई है। 'ओ' रोमियो' में शाहिद कपूर के अलावा तृप्ति डिमरी, तमन्ना भाटिया, नाना पाटेकर, दिशा पाटनी, विक्रांत मैसी और अविनाश तिवारी जैसे कलाकार मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगे। जब से फिल्म का टीजर आया है, तभी से फिल्म को लेकर चर्चाएं हो रही है। 9 साल पहले अंडरवर्ल्ड क्वीन पर बन रही थी फिल्म शाहिद और तृप्ति 'ओ' रोमियो' के लिए पसंद किए जा रहे हैं, लेकिन शायद ही आपको मालूम हो कि इस फिल्म के लिए दोनों ओरिजिनल कास्ट नहीं थे। विशाल भारद्वाज 'ओ' रोमियो' पर पिछले 9 साल से काम कर रहे हैं। जब उन्होंने फिल्म की अनाउंसमेंट की थी, उस वक्त फिल्म का फोकस और कास्ट दोनों अलग थे।

क्यों इरफान-दीपिका नहीं कर पाए ओ रोमियो?

सपना दीदी की बायोपिक में मुख्य भूमिका दीपिका पादुकोण निभाने वाली थीं। फिल्म में हुसैन उस्तरा का भी किरदार था जिसे इरफान खान पर्दे पर उतारने वाले थे। पीकू में दोनों की जोड़ी काफी पसंद की गई थी। इसीलिए लोग उन्हें इस बायोपिक में भी देखने के लिए बेताब थे।

बच्चियों के किडनैप की गुत्थी को सुलझाती दिखेंगी रानी मुखजी

हिंदी सिनेमा में जब भी मजबूत महिला किरदारों और सामाजिक मुद्दों पर बनी फिल्मों की बात होती है, तो यश राज फिल्म्स की 'मर्दानी' फ्रैंचाइजी का नाम ऊपर आता है। बीते एक दशक में 'मर्दानी' ने न सिर्फ बॉक्स ऑफिस पर अपनी पहचान बनाई, बल्कि दर्शकों के दिलों में भी गहरी छाप छोड़ी। अब 'मर्दानी 3' का ट्रेलर सामने आया है, जिसने दर्शकों की उत्सुकता को बढ़ा दिया है। 'मर्दानी 3' का ट्रेलर अपनी शुरुआत से ही दर्शक को झकझोर देता है। पहले ही सीन में एक खेलती हुई मासूम बच्ची का किडनैप होना दिखाया जाता है। इसके बाद कहानी तेजी से आगे बढ़ती है और बताया जाता है कि शहर में लगातार छोटी-छोटी बच्चियों के अपहरण हो रहे हैं। माहौल डरावना लगता है। वहीं प्रशासन असहाय नजर आता है और हालात बेकाबू होते दिखते हैं। तभी इस केस को सुलझाने के लिए साहसी पुलिस अधिकारी शिवानी शिवाजी रॉय को बुलाया जाता है। शिवानी के किरदार में रानी मुखर्जी एक बार फिर पूरी ताकत के साथ लौटती नजर आ रही हैं। जैसे-जैसे शिवानी जांच आगे बढ़ाती हैं, एक चौंकाने वाला खुलासा होता है। पता चलता है कि पिछले तीन महीनों में 93 बच्चियों को किडनैप किया जा चुका है।

जहाँ उम्र नहीं, आत्मविश्वास बना पहचान: जयपुर में सम्पन्न हुआ मिसेज़ इंडिया- द गॉडेस सीज़न-3

मिसेज़ इंडिया - द गॉडेस सीज़न 3, जयपुर में भव्य तरीके से सम्पन्न हुआ, जिसने एक बार फिर यह सिद्ध कर दिया कि सुंदरता केवल बाहरी आकर्षण नहीं, बल्कि आत्मविश्वास, व्यक्तित्व और सशक्तिकरण का सशक्त प्रतिबिंब है।

सीज़न 3 को अंतरराष्ट्रीय स्तर के जजेस की गरिमामयी उपस्थिति ने और भी विशेष बना दिया, जिनमें तेओडोरा मिल्टेनोवा (मिस वर्ल्ड बुल्गारिया 2025) और मेलिशा लिन (मिस ग्रैंड इंटरनेशनल रनर-अप 2025) शामिल रहीं। उनके वैश्विक अनुभव और प्रेरक यात्राओं ने प्रतियोगिता को एक नई ऊँचाई प्रदान की। प्रतियोगिता की पात्रता सरल किंतु सशक्त थी- प्रतिभागी का विवाहित होना अनिवार्य था, जबकि आयु की कोई सीमा नहीं रखी गई थी। 20 वर्ष से लेकर 50 वर्ष से अधिक आयु की महिलाओं ने इस मंच पर अपनी पहचान बनाई। प्रतियोगिता को सिल्वर और गोल्ड कैटेगरी में विभाजित किया गया, जिससे जीवन के विभिन्न चरणों में खड़ी महिलाओं को समान अवसर और सम्मान प्राप्त हो सके। इस मंच के दूरदर्शी संस्थापक मेहर अभिषेक, मधुकमल मोशन पिक्चर्स के फाउंडर, ने महिला सशक्तिकरण को केंद्र में रखते हुए इस प्रतियोगिता को एक उद्देश्यपूर्ण पहचान दी है। प्रसिद्ध अभिनय गुरु किशोर नामित कपूर से प्रशिक्षित अभिषेक की सोच और प्रतिबद्धता ने इस मंच को राष्ट्रीय स्तर पर एक सशक्त और प्रेरणादायक पहचान दिलाई है, जो हर महिला के भीतर छिपी डिवा को जागृत करता है। इस सीज़न की सफलता में रूश्मि डाके, को-फाउंडर, मधुकमल मोशन पिक्चर्स की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रही।

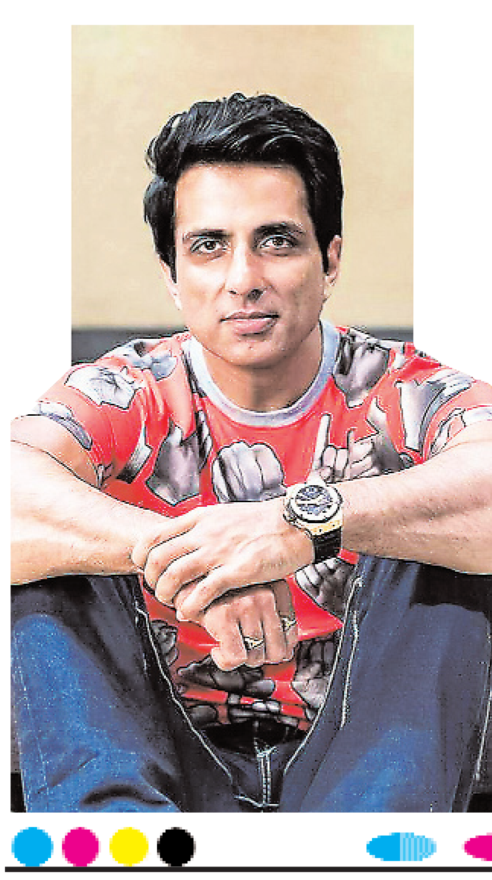

'ड्रीम' को लेकर सीमा में नहीं बंधना चाहतीं अदा शर्मा

अभिनेत्री अदा शर्मा ने अब तक एक्शन, हॉरर, ड्रामा से लेकर बोल्ड रोल्स तक हर तरह की फिल्मों में अपनी शानदार एक्टिंग से दर्शकों का दिल जीता है। लेकिन वह किसी खास डायरेक्टर, एक्टर या कहानी के पीछे नहीं भागतीं। अदा का मानना है कि सपनों को किसी भी तरह की सीमा में बांधना गलत है। इसी सोच के साथ वे एक अलग और खुला एक्टिंग फॉर्मूला अपनाती हैं, जहां वे सिर्फ अच्छे रोल्स पर फोकस करती हैं और बाकी सब यूनिवर्स पर छोड़ देती हैं।

अभिनेत्री ने से अपने करियर और सपनों को लेकर खुलकर बात की। से खास बातचीत में उन्होंने कहा कि वह अपने 'ड्रीम' को किसी भी तरह की लिमिट में नहीं बांधना चाहतीं। अदा का मानना है कि अगर कोई एक्टर खुद को किसी खास डायरेक्टर या स्टाइल तक सीमित कर ले, तो यह बहुत प्रतिबंधक हो जाता है। अदा ने कहा, 'मेरा ड्रीम ईमानदारी से यही है कि मैं अच्छी फिल्में करूं और अच्छे रोल्स निभा पाऊं। अगर मैं ये तय कर लूं कि मैं सिर्फ इन-इन डायरेक्टर्स के साथ काम करूंगी, तो यह खुद को सीमा में बांधना होगा। मैं उन सबके साथ काम करना चाहती हूं, जिसके पास भी मेरे लिए अच्छा रोल हो। उन्होंने सुदीप्तो सेन का उदाहरण देते हुए कहा,' अगर मेरा ड्रीम होता कि मैं किसी खास डायरेक्टर के साथ ही काम करूंगी, तो 'द केरल स्टोरी' कभी नहीं होती। सुदीप्तो सेन की वो पहली बड़ी फिल्म थी, मैं उन्हें जानती भी नहीं थी। तो मेरा ड्रीम था ही नहीं कि मैं उनके साथ काम करूं, क्योंकि मुझे उनके बारे में पता ही नहीं था। ड्रीम करके हम खुद को बहुत लिमिट कर लेते हैं। मैं चाहती हूं कि यूनिवर्स फैसला करे कि मैं क्या करूं, किनके साथ करूं। मेरी इच्छा बस इतनी है कि मैं अच्छे रोल्स करूं, जो ऑडियंस को पसंद आएं और मुझे करने में मजा आए। अदा ने बताया कि दर्शक उन्हें हर तरह के किरदार में स्वीकार करते हैं, जो उनके लिए बहुत बड़ी बात है। उन्होंने बताया, 'कुछ एक्ट्रेसेज को लोग सिर्फ एक लुक या एक टाइप में स्वीकार करते हैं, लेकिन मुझे भूत से लेकर मासूम लड़की तक में स्वीकार करते हैं। '1920' में मैंने डरावना किरदार निभाया, 'सनफ्लावर' में बोल्ड बार डांसर रोजी का, 'द केरल स्टोरी' में भोली-भाली मासूम लड़की का और 'कमांडो' में एक्शन रोल था।

कोकराझार में पुनः मोबाइल इंटरनेट सेवा बहाल

एजेंसी

कोकराझार (असम) : कोकराझार जिले में पिछले कुछ दिनों से स्थगित मोबाइल इंटरनेट सेवा अंततः पुनः शुरू कर दी गई है। कानून-व्यवस्था की स्थिति को ध्यान में रखते हुए प्रशासन ने पहले इंटरनेट सेवा अस्थायी रूप से बंद कर दिया था। स्थिति धीरे-धीरे सामान्य होने के बाद प्रशासन ने यह निर्णय लिया। ज्ञात हो कि गत 19 जनवरी की रात को सड़क हादसे के बाद स्थानीय लोगों के द्वारा की गयी मारपीट में दो युवकों की मौत हो गयी थी। जिसको लेकर दो समुदायों के बीच भारी विवाद के चलते विरोध-प्रदर्शन और हिंसक स्थित उत्पन्न हुई थी। कानून-व्यवस्था के चलते प्रशासन ने मोबाइल इंटरनेट सेवा पर बीते 20 जनवरी को प्रतिबंध लगा दिया था। जैसे ही इंटरनेट सेवा फिर से शुरू हुई, सामान्य जनता ने राहत की सांस ली। खासकर छात्र-छात्राएं, व्यापारी, समाचार माध्यम के कर्मचारी और ऑनलाइन सेवाओं से जुड़े लोग इस व्यवस्था का लाभ मिलने की उम्मीद व्यक्त करने लगे। कुछ दिनों तक इंटरनेट बंद रहने के कारण ऑनलाइन शिक्षा, व्यापार और दैनिक संचार प्रणाली में काफी कठिनाई उत्पन्न हुई थी। जिला प्रशासन के सूत्रों के अनुसार वर्तमान में कोकराझार में स्थिति नियंत्रण में है और शांति-व्यवस्था बनाए रखने के लिए आवश्यक सभी उपाय किए जा रहे हैं। साथ ही प्रशासन ने नागरिकों से सोशल मीडिया के उपयोग में सतर्क रहने का आह्वान किया है और किसी भी प्रकार की झूठी या भ्रामक खबर फैलाने से बचने का अनुरोध किया है।

उल्लेखनीय है कि इंटरनेट सेवा फिर से शुरू होने पर कोकराझार में सामान्य जीवन फिर से गति प्राप्त करने की उम्मीद है

मुख्यमंत्री नीतीश की 'समृद्धि यात्रा' के सातवें दिन वैशाली में 128 योजनाओं का करेंगे उद्घाटन-शिलान्यास

एजेंसी

पटना : मुख्यमत्री नीतीश कुमार की समृद्धि यात्रा 7वें दिन शनिवार को वैशाली पहुंचेगी। आज पहले चरण का आखिरी दिन है। मुख्यमंत्री दोपहर 12:30 बजे पटना से हेलिकॉप्टर से वैशाली के लिए रवाना होंगे। इस दौरान मुख्यमंत्री 128 योजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करेंगे।

मुख्यमंत्री सबसे पहले महुआ में नवनिर्मित मेडिकल कॉलेज का निरीक्षण करेंगे। इसके बाद वो जीविका दीदियों से मुलाकात करेंगे। मुख्यमंत्री बाबा बटेश्वर नाथ धाम में दर्शन-पूजन भी करेंगे। मुख्यमंत्री पानापुर बटेश्वरनाथ उच्च माध्यमिक विद्यालय के पास जल-जीवन-हरियाली योजना के तहत तैयार किए गए तालाब का निरीक्षण करेंगे। इस तालाब को जीविका दीदियों के हवाले किया जाएगा। इसके साथ ही तालाब के पास नवनिर्मित पुस्तकालय और सौर ऊर्जा से संचालित मोटर पंप का उद्घाटन भी किया जाएगा। प्रशासन का मानना है कि यह योजना स्थानीय स्तर पर रोजगार और पर्यावरण संरक्षण दोनों को मजबूती देगी। निरीक्षण कार्यक्रम के बाद नीतीश सरकारी स्तर पर स्वीकृत राजकीय पर्यटक स्थल बाबा बटेश्वर नाथ धाम पहुंचेंगे। यहां वे दर्शन-पूजन और स्थल का अवलोकन करेंगे। दर्शन-पूजन के बाद मुख्यमंत्री कार्यक्रम स्थल के पास अधिकारियों के साथ जिलास्तरीय समीक्षा बैठक करेंगे। इस बैठक में जिले के विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा की जाएगी। साथ ही हजारों करोड़ रुपये की विकास योजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन किए जाने की संभावना है।

हावड़ा के दो विद्वानों के दुर्लभ ग्रंथों को राष्ट्रपति भवन के ग्रंथ कुटीर में मिला स्थान

एजेंसी

कोलकाता : हावड़ा के दो विद्वानों द्वारा संकलित दुर्लभ और प्राचीन पांडुलिपियों व ग्रंथों को राष्ट्रपति भवन के नव-निर्मित ह्यग्रंथ कुटीरह्ल में स्थान दिया गया है। बांग्ला भाषा को ध्रुपद (क्लासिकल) भाषा का दर्जा मिलने के बाद राष्ट्रपति भवन के विशेष संग्रह में महत्वपूर्ण बांग्ला पांडुलिपियों को शामिल किया गया है। इस संग्रह में हावड़ा निवासी डॉ. श्यामल बेरा द्वारा संकलित प्राचीन पांडुलिपियां भी शामिल हैं। ह्यग्रंथ कुटीरह्ल के उद्घाटन अवसर पर आमंत्रित अतिथियों में डॉ. बेरा स्वयं उपस्थित रहे। वहीं शिबपुर इंजीनियरिंग कॉलेज (वर्तमान में आईआईईएसटी) के सह-रजिस्ट्रार डॉ. विभोर दास भी उद्घाटन समारोह में शामिल हुए। उल्लेखनीय है कि दोनों विद्वान हावड़ा जिले के निवासी हैं। डॉ. श्यामल बेरा आंदुल में रहते हैं, जबकि डॉ. विभोर दास बाली क्षेत्र के निवासी हैं। डॉ. श्यामल बेरा ने राष्ट्रपति भवन के संग्रह हेतु लगभग 600 पृष्ठों की गरुड़ पुराण की दुर्लभ पांडुलिपि प्रदान की है। वहीं डॉ. विभोर दास ने चर्यापद और गीतांजलि की फैक्सिमिली प्रतियों के साथ कई अन्य दुष्प्राप्य ग्रंथ ग्रंथ कुटीर को सौंपे हैं। बताया गया कि डॉ. बेरा द्वारा प्रदान की गई गरुड़ पुराण की पांडुलिपि वर्ष 1861 में लिपिबद्ध की गई थी, हालांकि मूल ग्रंथ की रचना इससे कहीं पहले की मानी जाती है। विद्वानों के अनुसार संस्कृत में गरुड़ पुराण का रचनाकाल चौथी से ग्यारहवीं शताब्दी के बीच है। बाद के काल में इस ग्रंथ की कई प्रतियां बंगाली लिपि में तैयार की गईं, जिनमें यह पांडुलिपि भी शामिल है। डॉ. बेरा के संग्रह की विष्णु पुराण की एक पांडुलिपि नालंदा विश्वविद्यालय में भी संरक्षित है। इसके अलावा, ब्रिटिश लाइब्रेरी के सहयोग से सेंटर फॉर स्टडीज इन सोशल साइंसेज द्वारा उनके संग्रह की 168 पांडुलिपियों का डिजिटलीकरण किया जा चुका है। डॉ. विभोर दास ने चर्यापद और गीतांजलि की फैक्सिमिली प्रतियों के साथ कोड़ा भाषा में, बंगाली लिपि में प्रकाशित वर्णमाला की पुस्तक भी संग्रह में दी है। इस अवसर पर राष्ट्रपति द्वारा दोनों विद्वानों को सम्मानित किया गया। साथ ही ध्रुपद भाषाओं के अन्य शोधकताओं और पांडुलिपि दाताओं को भी सम्मान प्रदान किया गया। उल्लेखनीय है कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने शुक्रवार को राष्ट्रपति भवन में ह्यग्रंथ कुटीरह्ल का उद्घाटन किया। यह केंद्र भारत की 11 ध्रुपद भाषाओं की साहित्यिक और बौद्धिक परंपरा को समर्पित है।

बेटियां' हमारी संस्कृति, संवेदना और भविष्य की आधारशिला: मुख्यमंत्री डॉ. यादव

एजेंसी

भोपाल : आज यानि शनिवार को राष्ट्रीय बालिका दिवस है। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने ₹राष्ट्रीय बालिका दिवस₹ पर प्रदेश एवं देश की समस्त बेटियों के सुखद, समृद्ध और मंगलमय जीवन की कामना करते हुए हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दीं हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट कर अपने शुभकामना संदेश में लिखा- राष्ट्रीय बालिका दिवस की सभी बेटियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। 'बेटियां' हमारी संस्कृति, संवेदना और भविष्य की आधारशिला हैं। शिक्षा, सुरक्षा और समान अवसर पाकर वे समाज और राष्ट्र को नई दिशा देती हैं। मध्य प्रदेश सरकार हर बेटी को सशक्त व आत्मनिर्भर बनाने के लिए संकल्पित है, ताकि वह आत्मविश्वास के साथ अपने सपनों को पूरा करें। गौरतलब है कि हर साल 24 जनवरी को राष्ट्रीय बालिका दिवस मनाया जाता है। यह दिन लड़कियों के अधिकारों, शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा और समान अवसरों को लेकर जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से मनाया जाता है, साथ ही यह समाज में मौजूद लैंगिक भेदभाव को खत्म करने और राष्ट्र निर्माण में बालिकाओं के योगदान को सम्मान देने का भी अवसर है। महिला एवं बाल विकास मंत्रालय ने वर्ष 2008 में राष्ट्रीय बालिका दिवस मनाने की शुरूआत की थी।

ठाणे में'आपला दवाखाना' में अनुकंपा नियुक्ति वाले मसले फरवरी तक हल होंगे

एजेंसी

मुंबई : विधायक संजय केलकर ने 'जनसेवाकच जनसंवाद' प्रोग्राम में मीडिया को बताया कि कर्मचारियों के वारिसों के सभी अनुकंपा वाले मामले फरवरी तक हल किए जाएंगे। विधायक केलकर के प्रवक्ता के मुताबिक चुनाव के बाद, जन प्रतिनिधि के जनसंवाद कार्यक्रम एक बार फिर शुरू हो गया है और आज खोपट में बीजेपी ऑफिस में हुए 81वें कार्यक्रम में ठाणे, बदलापुर, भिवंडी और दूसरे इलाकों से लोग शिकायतें लेकर आए थे। इस मौके पर मीडिया से बात करते हुए, ठाणे विधायक केलकर ने कहा कि प्रशासन की देरी के कारण नगर निगम कर्मचारियों के अनुकंपा वाले मामलों में देरी हुई है। 2006 में एक महिला कर्मचारी की हादसे में मौत हो गई थी। उसके बाद से, उनके वारिस को आज तक अनुकंपा के आधार पर नौकरी नहीं मिली है। विधायक केलकर ने कहा कि , कोरोना काल में मरे दो कर्मचारियों के वारिसों के मामले रेड टेप में फंसे हुए हैं। इस बारे में प्रशासन से लगातार फॉलो-अप के बाद, अधिकारियों ने माना है कि फरवरी तक 50 लंबित मामलों का समाधान कर दिया जाएगा, ऐसा विधायक केलकर ने बताया।

उल्लेखनीय है कि पहले भी फाइनेंशियल फ्रॉड की कई शिकायतें मिली थीं। आज की पहल में भी, पानी की कमी, प्रशासनिक दिक्कतों के साथ-साथ बिल्डर से आर्थिक फरेब की शिकायतें मिलीं। हम ऐसे मामलों को लेकर लगातार संबंधित लोगों से बातचीत करते रहे हैं, कभी कानून दिखाकर, और नागरिकों को राहत दिलाने का काम किया है। भविष्य में, घोड़बंदर में सर्विस रोड को मेन रोड से मिलाने का काम चल रहा है, और स्थानीय नागरिक इसका विरोध कर रहे हैं। विधायक संजय केलकर ने कहा कि हम भविष्य में इस संबंध में आंदोलन करेंगे।

मध्य प्रदेश में बदला मौसम का मिजाज, बादल-बूंदाबांदी से ठंड में नरमी, 27 जनवरी से मावठे के आसार

– प्रदेश में रात की कड़ाके की ठंड से राहत मिली

एजेंसी

भोपाल : मध्य प्रदेश में जनवरी के आखिरी दिनों में मौसम एक बार फिर बदलाव के दौर से गुजर रहा है। 26 जनवरी के बाद प्रदेश में सर्दी का नया चरण शुरू होने वाला है। उत्तर भारत में सक्रिय एक मजबूत पश्चिमी विक्षोभ का असर अब मध्य प्रदेश तक पहुंच रहा है। प्रदेश में फिलहाल रात की कड़ाके की ठंड से राहत मिली है, वहीं दिन में बादल छाए रहने और कहीं-कहीं हल्की बूंदाबांदी का मौसम देखने को मिल रहा है। शुक्रवार को ग्वालियर-चंबल अंचल में बादल और बूंदाबांदी दर्ज की गई, जबकि शनिवार सुबह कई जिलों में कोहरा छाया रहा। हालांकि मौसम विभाग ने अगले दो दिनों तक तेज ठंड पड़ने की संभावना नहीं जताई है। मौसम विभाग के मुताबिक उत्तर पाकिस्तान के ऊपर एक सक्रिय निम्न दाब क्षेत्र बना हुआ है, जिससे जुड़ी ट्रफ के कारण मौसम में यह बदलाव देखने को मिल रहा है। शुक्रवार को ग्वालियर, मुरैना, भिंड, श्योपुर, दतिया, निवाड़ी, टीकमगढ़, छतरपुर, पन्ना और सतना में बादल छाए रहे और कुछ स्थानों पर हल्की बूंदाबांदी भी हुई। भोपाल में दोपहर बाद बादल छाने से दिन के तापमान में 2 से 3 डिग्री सेल्सियस तक गिरावट दर्ज की गई। शुक्रवार को कई शहरों में कोहरा दर्ज किया गया। आज शनिवार को बारिश का कोई अलर्ट जारी नहीं किया गया, लेकिन ग्वालियर, मुरैना, भिंड, श्योपुर, दतिया, निवाड़ी, टीकमगढ़, छतरपुर और पन्ना में हल्के से मध्यम कोहरे का असर रहा। भोपाल, इंदौर और उज्जैन में भी हल्का कोहरा देखा गया।

मौसम विभाग ने बताया कि 26 जनवरी से उत्तर-पश्चिम भारत को एक और पश्चिमी विक्षोभ प्रभावित कर सकता है, जो फिलहाल मजबूत नजर आ रहा है। इसके प्रभाव से मध्य प्रदेश के ग्वालियर, मुरैना, भिंड, दतिया, शिवपुरी, निवाड़ी, टीकमगढ़, छतरपुर, अशोकनगर, गुना, राजगढ़, आगर-मालवा, नीमच और मंदसौर में कहीं-कहीं हल्की बारिश होने का अनुमान है। अगले दो दिन तक प्रदेश में तेज ठंड नहीं पड़ेगी, लेकिन सुबह के समय हल्के से मध्यम कोहरे की संभावना बनी रहेगी। शुक्रवार की रात न्यूनतम तापमान में उल्लेखनीय बढ़ोतरी दर्ज की गई। भोपाल और इंदौर में न्यूनतम तापमान 17 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच गया, जो जनवरी में पहली बार दर्ज हुआ। भोपाल में 17.4 डिग्री, इंदौर में 17.3 डिग्री, ग्वालियर में 13.5 डिग्री, उज्जैन में 15 डिग्री और जबलपुर में 14.8 डिग्री सेल्सियस तापमान रहा। वहीं, शहडोल का कल्याणपुर प्रदेश में सबसे ठंडा रहा, जहां न्यूनतम तापमान 5.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। शिवपुरी में 8 डिग्री, चित्रकूट में 8.4 डिग्री, कटनी के करौंदी में 8.6 डिग्री, रीवा में 8.4 डिग्री, खजुराहो में 9.4 डिग्री और मंडला में 9.7 डिग्री सेल्सियस तापमान रिकॉर्ड किया गया।

गृह मंत्री अमित शाह करेंगे यूपी दिवस-2026 का उद्घाटन

एजेंसी

लखनऊ : उत्तर प्रदेश प्रतिवर्ष अपनी स्थापना के गौरवशाली दिन को ह्यउत्तर प्रदेश दिवसह्ल के रूप में 24 जनवरी को मनाता है। इस वर्ष विकसित भारत-विकसित उत्तर प्रदेश की थीम पर उत्तर प्रदेश दिवस-2026 के कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। यह तीन दिवसीय कार्यक्रम 24 से 26 जनवरी तक प्रदेश भर में मनाया जाएगा । उत्तर प्रदेश दिवस-2026 का मुख्य समारोह लखनऊ के नवनिर्मित राष्ट्र प्रेरणा स्थल प्रांगण में आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि के रूप में केन्द्र सरकार के गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह करेंगे। देश भर से आमंत्रित गणमान्य अतिथियों के साथ-साथ प्रदेश के जनप्रतिनिधियों को भी विशेष रूप से आमंत्रित किया गया है। प्रदेश के संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि लखनऊ में मुख्य समारोह के आयोजन के साथ-साथ प्रदेश के सभी जनपदों में स्थानीय स्तर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम, विकास प्रदर्शनियां और जनभागीदारी वाले आयोजन किए जाएंगे। वहीं, मुख्य समारोह का दूरदर्शन के माध्यम से पूरे प्रदेश में लाइव प्रसारण किया जाएगा, जिससे प्रदेश का जन-जन यूपी दिवस के इस आयोजन का सहभागी बन सकेगा।

ओडीओसी योजना होगी यूपी दिवस का मुख्य आकर्षण

इस वर्ष उत्तर प्रदेश दिवस का मुख्य आकर्षण मुख्यमंत्री योगी द्वारा घोषित ह्यएक जनपद-एक व्यंजनह्ल (ओडीओसी) योजना होगी। ओडीओसी योजना के अंतर्गत प्रदेश के प्रत्येक जनपद के एक पारंपरिक और प्रसिद्ध व्यंजन को चुना गया है। इस विशिष्ट आयोजन में प्रदेश के सभी ओडीओसी व्यंजन एक ही परिसर में उपलब्ध कराए जाएंगे। यह पहल न केवल उत्तर प्रदेश के भोजन की विविधता को प्रदर्शित करेगी, बल्कि स्थानीय सांस्कृतिक पहचान को भी मजबूती प्रदान करेगी। यह यूपी के स्वाद को यूपी की पहचान बनाने का माध्यम बनेगी। साथ ही यूपी दिवस के अवसर पर ह्यएक जनपद-एक उत्पादह्ल (ओडीओपी) योजना के अंतर्गत शिल्पकारों के उत्पादों की प्रदर्शनी एवं विक्रय किया जाएगा। इसके अलावा जीआई टैग प्राप्त उत्पादों को भी ट्रेड शो की तर्ज पर प्रदर्शित किया जाएगा। इसी अवसर पर मुख्यमंत्री ह्यएक जनपद-एक व्यंजनह्ल (ओडीओसी) योजना की औपचारिक लॉन्चिंग तथा सरदार वल्लभभाई पटेल एम्प्लॉयमेंट एंड इंडस्ट्रियल जोन योजना का शुभारंभ करेंगे।

विविध प्रदर्शनियों और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का होगा आयोजन

उत्तर प्रदेश दिवस के अवसर पर विकसित भारत-विकसित उत्तर प्रदेश थीम पर आधारित विशेष प्रदर्शनियों और शिल्प मेलों का आयोजन किया जाएगा। इनमें इंफ्रास्ट्रक्चर, उद्योग, कृषि, महिला सशक्तिकरण, आत्मनिर्भर भारत सहित विभिन्न क्षेत्रों में हुई प्रगति की झलक देखने को मिलेगी। लोक, शास्त्रीय एवं समकालीन कला रूपों पर आधारित सांस्कृतिक प्रस्तुतियां आयोजित की जाएंगी। प्रदेश भर में आयोजित संस्कृति उत्सव 2025-26 के कार्यक्रमों को भी इससे जोड़ा जाएगा। प्रत्येक जनपद में आयोजित प्रदर्शनियों और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के विजेताओं को सम्मानित किया जाएगा। साथ ही, मिशन शक्ति, नवाचार तथा ह्यवंदे मातरम्ह्ल के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में विशेष प्रदर्शनियां भी लगाई जाएंगी। इसके अतिरिक्त, प्रदेश में उत्कृष्ट कार्य करने वाले युवा, उद्यमी, स्वयं सहायता समूहों की महिलाएं, कलाकार, खिलाड़ी तथा पंचायती राज, समाज कल्याण, ग्राम्य विकास, कृषि एवं श्रम क्षेत्र से जुड़े लोगों को भी सम्मानित किया जाएगा।

न्यूज IN ब्रीफ

भोपाल हाट में आजीविका ग्रीन मेला आज से शुरू

भोपाल : रसायन-मुक्त खेती, जैविक जीवनशैली और महिला स्व-सहायता समूहों की मेहनत से बने उत्पादों को एक ही छत के नीचे देखने-खरीदने का सुनहरा अवसर राजधानी भोपालवासियों को शनिवार से तीन दिनों तक लगातार मिलने जा रहा है। दरअसल, राजधानी के भोपाल हाट में 24 से 26 जनवरी तक आयोजित होने वाला ये आजीविका ग्रीन मेला रसायन-रहित खेती और जैविक उत्पादों को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। इस मेले का आयोजन मध्यप्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन द्वारा किया जा रहा है, जिसमें महिला स्व-सहायता समूहों द्वारा तैयार किए गए उत्पाद आकर्षण का मुख्य केंद्र हैं। मेले में लगभग 40 स्टॉल लगाए गए हैं जहां पौधे, फल, सब्जियां, अनाज, बीज, जैविक खाद, कीटनाशक एवं बागवानी से जुड़ा विविध सामान उपलब्ध है। ग्रामीण आजीविका मिशन की मुख्य कार्यपालन अधिकारी हर्षिका सिंह ने शनिवार को बताया कि यह मेला अन्य मेलों से अलग है, क्योंकि यहां पूरी तरह रसायन-मुक्त और प्राकृतिक तरीके से तैयार किए गए उत्पाद उपलब्ध होंगे। शोभादार पौधों में गुलाब, सेवंती, डहेलिया, जबकि आस्था से जुड़े पौधों में तुलसी, शमी, बेल प्रमुख रूप से मिलेंगे। सब्जी पौधों में टमाटर, मिर्च, गोभी, पत्ता गोभी तथा ग्राफ्टेड सब्जियों में बैंगन के पौधे उपलब्ध हैं। वहीं उन्नत फलदार पौधों में ग्राफ्टेड आम, अमरूद (थाई पिंक), बीजरहित नींबू, संतरा, चीकू और अनार विशेष आकर्षण का केंद्र हैं। उन्होंने बताया कि भोपाल, रायसेन, सीहोर, हरदा, नर्मदापुरम, मंदसौर, विदिशा, ग्वालियर, राजगढ़, सागर, श्योपुर, आगर-मालवा, बैतूल, जबलपुर, नरसिंहपुर, गुना और डिंडौरी सहित कई जिलों से समूहों की दीदियां अपने-अपने क्षेत्रों की खास सामग्री लेकर यहां आई हैं। कहीं से मिलेट्स और पोहा, कहीं से जैविक दाल-गुड़, तो कहीं से सरसों का तेल, गाय का घी और गौ-आधारित उत्पाद यहां लाए गए हैं। इसके साथ ही उनका कहना है कि मेले में जैविक खाद और कीटनाशकों की भी भरपूर श्रृंखला मौजूद है, जिनमें केंचुआ खाद, नाडेप खाद, घन व द्रव्य जीवामृत, नीमास्त्र, ब्रह्मास्त्र, अग्नि अस्त्र, पांचपर्णी और दशपर्णी काढ़ा शामिल हैं। एकीकृत कीट नियंत्रण के लिए नीले-पीले स्टिकी ट्रैप, फेरोमोन ट्रैप और लाई ट्रैप भी उपलब्ध कराया गया है। इसके अलावा मिट्टी व गोबर के गमले, रूट ट्रे, कोको पिट, नर्सरी उपकरण, खुरपी, सिकेटियर और बडिंग चाकू जैसे उपयोगी यंत्र भी खरीदे जा सकते हैं। मेले में आने वाले लोगों के लिए ताजे फलों का जूस, फ्रूट सलाद और हर्बल पेय भी विशेष आकर्षण रहेंगे। यह मेला प्रतिदिन सुबह 11 बजे से रात 9 बजे तक खुला रहेगा।

जम्मू-कश्मीर में सैन्य वाहन दुर्घटनाग्रस्त, झाड़ग्राम के जवान समिरण सिंह वीरगति को प्राप्त

झाड़ग्राम : जम्मू-कश्मीर के डोडा जिले में हुए सड़क हादसे में वीरगति को प्राप्त हुए भारतीय सेना के जवान समीरन सिंह पश्चिम बंगाल के झाड़ग्राम जिले के रगड़ा क्षेत्र के निवासी थे। इस दुखद समाचार के मिलते ही पूरे इलाके में शोक की छाया फैल गई है। बलिदानी समीरन सिंह अपने परिवार के एकमात्र कमाने वाले सदस्य थे। परिजनों के अनुसार, समीरन सिंह हाल ही में अपने गांव में नया घर बनवा रहे थे। शनिवार को छुट्टी लेकर घर आने की उनकी योजना थी, ताकि नए घर का काम देख सकें। माता-पिता बेटे के घर लौटने की आस में दरवाजे की ओर निहारते रहे, लेकिन नियति को कुछ और ही मंजूर था। बेटे की जगह अब उनका पार्थिव शरीर तिरंगे में लिपटकर गांव लौटेगा। परिवार से मिली जानकारी के अनुसार, शुक्रवार को ही बलिदानी समीरन सिंह का पार्थिव शरीर गांव लाए जाने की योजना थी, लेकिन खराब मौसम के कारण विमान से शव भेजना संभव नहीं हो सका। उल्लेखनीय है कि गुरुवार को जम्मू-कश्मीर के डोडा जिले में लगभग 9,000 फीट की ऊंचाई पर भदेरवाह-चंबा मार्ग पर सेना का एक वाहन भीषण दुर्घटना का शिकार हो गया। बताया गया कि वाहन सामने से आ रहे एक अन्य वाहन को ओवरटेक करने का प्रयास कर रहा था, तभी चालक का नियंत्रण वाहन से हट गया और वह करीब 200 फीट गहरी खाई में जा गिरा। इस दर्दनाक हादसे में मौके पर ही 10 जवानों की मौत हो गई, जबकि 11 अन्य जवान गंभीर रूप से घायल हो गए। सेना के अनुसार, वाहन में कुल 21 जवान सवार थे। दुर्घटना की सूचना मिलते ही सेना, पुलिस और स्थानीय लोगों की मदद से तत्काल बचाव अभियान शुरू किया गया। गंभीर रूप से घायल जवानों को हवाई मार्ग से उधमपुर के एक सैन्य अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बलिदानी समीरन सिंह की बलिदान से पूरे झाड़ग्राम जिले में शोक का वातावरण है। लोग नम आंखों से इस वीर सपूत को श्रद्धांजलि अर्पित कर रहे हैं।

बेलदा राष्ट्रीय राजमार्ग पर हादसा, एक व्यक्ति की मौत

मेदिनीपुर : पश्चिम मेदिनीपुर जिले के बेलदा अंतर्गत बाखराबाद इलाके में शुक्रवार शाम एक दर्दनाक सड़क हादसे में एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई। खड़गपुरझ्रबालेश्वर 16 नंबर राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्कूटी से सड़क पार करने के दौरान बेलदा की ओर जा रही एक लॉरी की चपेट में आने से वह व्यक्ति लॉरी के पहिए के नीचे कुचल गया। मृतक की पहचान धरम सिंह के रूप में हुई है। वह केशियाड़ी थाना क्षेत्र के मुड़ाकाटा गांव का निवासी था। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, स्कूटी सवार धरम सिंह सड़क पार कर रहा था, तभी तेज रफ्तार लॉरी ने उसे टक्कर मार दी और वह लोरी के पहिए के नीचे चला गया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही बेलदा थाना पुलिस और बेलदा ट्रैफिक विभाग मौके पर पहुंचा। पुलिस ने शव को बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। साथ ही दुर्घटनाग्रस्त लोरी को जब्त कर लिया गया है तथा स्कूटी को भी पुलिस ने कब्जे में लिया है। पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी हुई है।

उत्तराखंड में बर्फ से ढंके चारों धाम, आज भी बर्फबारी की संभावना

देहरादून : उत्तराखंड के चार धामों के साथ ऊंचाई वाले इलाकों में बर्फबारी से राज्य शीतलहर की जद में है। मौसम विभाग ने आज भी उच्च हिमालयी क्षेत्रों में बर्फबारी व हिमस्खलन की संभावना जताई है। रक्षा भू-सूचना अनुसंधान संस्थान (डीजीआरई), चंडीगढ़ के जारी पूवार्नुमान के अनुसार, शनिवार शाम 05:00 बजे तक उत्तराखण्ड के उच्च ऊंचाई वाले क्षेत्रों में बर्फबारी व हिमस्खलन की संभावना है। जनपद उत्तरकाशी, चमोली, रुद्रप्रयाग व पिथौरागढ़ सबसे अधिक प्रभावित रहेगा। इन जिलों को डेंजर लेवल 3 व जनपद बागेश्वर को डेंजरलेवलझ्र2 श्रेणी में रखा गया है। इन क्षेत्रों में भारी बर्फबारी की स्थिति में हिमस्खलन की घटनाओं की आशंका व्यक्त की गई है। राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र ने संबंधित जिलों के जिला प्रशासन, पुलिस, एसडीआरएफ, स्वास्थ्य विभाग एवं अन्य रेखीय विभागों को अलर्ट मोड में रहने के निर्देश दिए गए हैं। संवेदनशील क्षेत्रों में सतत निगरानी रखने तथा आवश्यकता पड़ने पर त्वरित राहत एवं बचाव कार्य सुनिश्चित करने को कहा गया है। सचिव आपदा प्रबंधन एवं पुनर्वास विनोद कुमार सुमन ने संवेदनशील क्षेत्रों में निवासरत स्थानीय नागरिकों, पर्यटकों, तीर्थयात्रियों एवं पर्वतीय मार्गों पर आवागमन करने वाले लोगों से अपील की है कि वे अनावश्यक यात्रा से बचें तथा प्रशासन द्वारा जारी दिशा-निदेशों का पूर्णतः पालन करें।

लातेहार में मालगाड़ी की चपेट में आने से बच्चे की मौत, मां गंभीर रूप से घायल

संवाददाता

लातेहार : जिले के बरवाडीह-मंगरा रेलवे स्टेशन के बीच मालगाड़ी की चपेट में आने से एक बच्चे की मौत हो गई जबकि उसकी मां गंभीर रूप से घायल हो गई। घायल महिला की स्थिति गंभीर बनी हुई है। बरवाडीह में प्राथमिक इलाज के बाद घायल महिला को बेहतर इलाज के लिए रेफर कर दिया गया है। घायल महिला की पहचान बरवाडीह थाना क्षेत्र के मंगरा गांव निवासी सरिता देवी के रूप में हुई है, जबकि बच्चा सरिता देवी ही का बेटा था।

दरअसल, सरिता देवी बच्चे के साथ अपने गांव मंगरा से बरवाडीह की ओर आ रही थी। तभी रेलवे लाइन क्रॉस करने के दौरान अचानक महिला और उसका बच्चा मालगाड़ी की चपेट में आ गए। इस घटना में मां-बेटे गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों ने मामले में तत्परता दिखाते हुए घटना की जानकारी पुलिस और रेलवे पुलिस को दी तथा एंबुलेंस की मदद से मां और बच्चे को तत्काल पहुंचाया लेकिन चिकित्सकों ने बच्चा को मृत घोषित कर दिया। जबकि महिला का प्राथमिक इलाज किया जा रहा है और उसे बेहतर इलाज के लिए रेफर किया गया है।

इस संबंध में स्टेशन प्रबंधक अनिल कुमार द्विवेदी ने बताया कि मालगाड़ी की चपेट में आने से यह घटना हुई है। वहीं आरपीएफ सब

अस्पताल में लगी लोगों की भीड़

इंस्पेक्टर आरके मिंज ने कहा कि मामले की जांच की जा रही है।

घटना की जानकारी मिलते ही बड़ी संख्या में लोग अस्पताल पहुंचे और घायल महिला के बारे जानकारी ली। जिला परिषद सदस्य संतोषी शेखर की पहल पर तत्काल महिला को बेहतर इलाज के लिए एंबुलेंस से सदर भेजा गया है। जानकारी के मुताबिक, महिला का पति भरत यादव गांव से बाहर रहकर नौकरी करता है। घटना की जानकारी महिला के परिजनों तथा उसके पति को भी दे दी गई है।

मगरा गांव के लोग यहीं से पार करते हैं रेलवे लाइन

बता दें कि हादसा रेलवे पोल संख्या 262/28झ30 के पास हुआ है। इसी स्थान से मगरा गांव के लोग बरवाडीह आने के लिए रेलवे लाइन को पैदल पार करते हैं। वहीं स्थानीय लोगों का कहना है कि इस स्थान पर पहले भी इस प्रकार की घटना हो चुकी है। इसके बावजूद प्रत्येक दिन सैकड़ों लोग यहां से रेलवे लाइन को पैदल पार करते हैं।

जयंती पर याद किए गए नेताजी सुभाष चंद्र बोस

संवाददाता

दुमका : शुक्रवार को विविध सचिव संदीप कुमार जय बमबम के नेतृत्व में सिविल सोसायटी, पटेल सेवा संघ शहीद सरदार भागवत राउत विचार मंच,दुमका के संयुक्त तत्वावधान में महान स्वतंत्रता सेनानी नेताजी सुभाषचंद्र बोस की 129वीं जयन्ती मनायी गयी।

उन्हें स्मरण करते हुए बताया गया कि आज का दिन

उनकी जयन्ती मनाने भर का नहीं है बल्कि जो कुर्बानियां उन्होंने देश की आजादी के लिए दी, उन्हें मौजूदा पीढ़ी के साथ साथ आने वाली पीढ़ियों को भी याद रखने और जीवन में आत्मसात करने का है।

भारतीय सिविल सेवा जैसी शानदार सेवा को तिलांजलि देकर उन्हें देश की आजादी के लिए लड़ना ज्यादा जरूरी लगा। इसलिए कांग्रेस अध्यक्ष पद को त्याग कर ये देश से गुप्त रूप से निकल कर अफगानिस्तान होते हुए जर्मनी निकल गए और जापान के सहयोग से रासबिहारी बोस द्वारा गठित आजाद हिन्द फौज के प्लैटफॉर्म से ब्रिटिश सरकार के विरुद्ध सशस्त्र क्रान्ति का सिंहनाद किया और नारा दिया ' दिल्ली चलो ' और भारतवासियों को अपील करते हुए कहा,

तुम मुझे खून दो, मैं तुम्हें आजादी दूंगा।

इस नारे देश भर में एक नया जोश और उत्साह भर दिया। उनके नेतृत्व में आजाद हिन्द फौज की सेनाएं असम, नागालैण्ड और मणिपुर की धरती पर पहुंच गयी। परन्तु दुर्भाग्यवश अमरीकी बमबारी,मौसम की प्रतिकूलताएं और बीमारी तथा रसद की आपूर्ति में बाधा आदि के कारण उनका अभियान थोड़ा बाधित हो गया।

वे सैन्य सहायता के लिए सिंगापुर (1943) से जापान के लिए रवाना हुए पर ताइवान के पास विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया पर उनकी शहादत संदिग्ध रही।

पर उनके सैन्य अभियान और तत्कालीन भारतीय नेवी के विद्रोह ने ब्रिटिश सरकार को बता दिया कि अब हमारी सरकार भारत मे नहीं रह सकती और भारत 1947 में आजाद हो गया।इस आजादी में उनका योगदान अप्रतिम था जिन्हें देश नहीं भूल सकता है परन्तु इतिहास ने उनके साथ नाइंसाफी की है जिसे आज भी इन्साफ की जरूरत है।

इन्हें मरणोपरांत भारत रत्न दिया तो गया पर परिवार ने लेने से इन्कार कर दिया कि उनकी मृत्यु के रहस्य और अन्य षड्यंत्रों का खुलासा आज तक नहीं किया गया।

सिविल सोसायटी के अध्यक्ष राधेश्याम वर्मा,उपाध्यक्ष प्रेम केसरी, पटेल सेवा संघ दुमका के अध्यक्ष अशोक कुमार राउत,उपाध्यक्ष राजेश कुमार राउत, विविध सचिव संदीप कुमार जय बमबम,भवानी शंकर प्रसाद,अरुण कुमार सिन्हा, आर एन मिश्रा,कुन्दन झा, विजय कुमार सोनी, प्रदीप दारुका,शंकर यादव,रिंकू मंडल, मनोज भालोठिया मौजूद थे।

हजारीबाग पुलिस ने पकड़ी एक करोड़ की अफीम, तीन तस्कर गिरफ्तार

संवाददाता

हजारीबाग : पुलिस ने मादक पदार्थ के खिलाफ कार्रवाई करते हुए 20 किलो 500 ग्राम अफीम जब्त की है। साथ ही इससे जुड़े तीन तस्करों को भी गिरफ्तार किया हैं। तीनों तस्कर चतरा जिले के रहने वाले हैं।

दरअसल, हजारीबाग एसपी को गुप्त सूचना मिली थी कि मोटरसाइकिल पर भारी मात्रा में अफीम की तस्करी हो रही है। सूचना के आलोक में एक एसआईटी का गठन किया गया। गठित टीम ने कोलघटी क्षेत्र में चेकिंग अभियान चलाया। चेकिंग के क्रम में कोलघटी क्षेत्र के मालती टांड में एक मोटरसाइकिल पर तीन युवकों को आते हुए देखा गया। जिसे टीम ने जांच के लिए रोक लिया। जब एसआईटी ने सफेद बोरे की जांच की तो उसमें भारी मात्रा में अफीम रखी हुई थी। जब पुलिस ने जब्त अफीम का वजन किया तो लगभग 20 किलो 500 ग्राम पाया गया।

भाजपाई ने किया नेताजी को नमन

संवाददाता

दुमका : भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष रूपेश कुमार मंडल के नेतृत्व में शुक्रवार को महान स्वतंत्रता सेनानी नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती के मौके पर दुमका स्थित उनके प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया। मौके पर पार्टी के जिलाध्यक्ष रूपेश मंडल ने कहा कि भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के महानायक, आजाद हिन्द फौज के संस्थापक 'जय हिन्द' और 'तुम मुझे खून दो मैं तुम्हे आजादी दूंगा' का नारा देने वाले नेताजी ने अंग्रेजों से कई बार लोहा लिया। इस दौरान ब्रिटिश सरकार ने उनके खिलाफ कई मुकदमे दर्ज किए। नतीजा ये हुआ कि नेताजी को अपने जीवन में कई बार जेल जाना पड़ा। वह एक ऐसे महान क्रांतिकारी थे जिनके विचार से देश सदा सर्वदा प्रेरित होता रहेगा। देश को आजादी दिलाने में नेताजी के योगदान को कभी

भुलाया नहीं जा सकता है,नेताजी सुभाष चन्द्र बोस के कारण ही अंग्रेजो को भारत के आगे झुकना पड़ा और स्वतंत्र करने के लिए बाध्य होना पड़ा। नेताजी का जीवन प्रत्येक भारतीय के लिये प्रेरणास्रोत है।

आज जरूरत है कि युवा वर्ग उनके आदर्शों पर चलकर अपनी सोच को सकारात्मक रखते हुए समाज में अग्रणी भूमिका निभाए। माल्यार्पण कार्यक्रम में मनोजसाह,धर्मेंद्र सिंह, पवन केशरी,मनोज सिंह पहाड़िया, विमल मरांडी, नगर अध्यक्ष मृणाल कुमार मिश्रा, दीपक स्वर्णकार, संतोष साह, ओम केशरी, मार्शल ऋषिराज टुडू, दिनेश सिंह, दिप्ताशु कोचग्ये,श्रीधर दास,अमन राज गायत्री जयसवाल, सुजीत यदुवंशी रामकृष्ण हेमब्रम, सनी सिंह, रूपेश केसरी समेत पार्टी के कई कार्यकर्ता मौजूद थे।

आईआईटी धनबाद की नई तकनीक से स्टील को काटेगा पानी

धनबाद : आईआईटी आईएसएम धनबाद की सेंट्रल रिसर्च फैसिलिटी (सीआरएफ) ने पानी से स्टील काटने वाली नई कटिंग तकनीक को विकसित किया है। इस तकनीक का प्रमुख लाभ यह है कि यह उच्च सटीकता के साथ जटिल एवं बारीक आकृतियों को काट सकती है। वह भी बिना किसी ऊष्मा उत्पन्न किए। परिणामस्वरूप सामग्री में किसी प्रकार की थर्मल क्षति या विकृति नहीं होती, जिससे यह उच्च-मूल्य और संवेदनशील घटकों के लिए अत्यंत उपयुक्त है। स्थानीय उद्योगों, स्टार्टअप इसकी सुविधा शोधकताओं को भुगतान के आधार पर ले सकते हैं। यह जानकारी प्रयोगशाला के फैकल्टी इंचार्ज सह मैकेलिकल इंजीनियरिंग प्रोफेसर प्रो. अमित राय दीक्षित ने दी। बताते चलें कि एब्रेसिव या अपघर्षक एक अत्यंत कठोर पदार्थ है, जिसका उपयोग अन्य सामग्रियों को घिसने, काटने, पीसने, पॉलिश करन, या उनकी सतह को साफ करने के लिए किया जाता है। प्रो. दीक्षित ने बताया कि इस सुविधा के माध्यम से आईआईटी धनबाद का उद्देश्य स्थानीय उद्योगों, एमएसएमई, उद्यमियों एवं शैक्षणिक संस्थानों को ऐसी अत्याधुनिक कटिंग तकनीक तक पहुंच प्रदान करना है। यह सामान्यतः आसानी से उपलब्ध नहीं होती।

कैसे काम करती है मशीन प्रो. अमित राय दीक्षित ने बताया कि एडवांस एब्रेसिव वॉटरजेट कटिंग मशीन स्थापित कर शोध एवं औद्योगिक सहयोग अवसंरचना को और सशक्त किया गया है। यह मशीन एक रोचक सिद्धांत पर कार्य करती है, जिसमें अत्यधिक उच्च दाब (लगभग 60,000 पीएसआई) पर पानी को महीन घर्षण कणों (एब्रैसिव्स) के साथ मिलाकर सामग्री को काटा जाता है। एब्रैसिव वॉटरजेट मशीन लगभग सभी प्रकार की सामग्रियों स्टील, स्टेनलेस स्टील, टाइटेनियम, एल्युमिनियम, संगमरमर, ग्रेनाइट, पत्थर, सिरेमिक और कंपोज़िट सामग्री-को काटने में सक्षम है। निर्माण, रक्षा, खनन और एयरोस्पेस के लिए उपयोगी प्रो. दीक्षित के अनुसार आईआईटी धनबाद में स्थापित यह मशीन 1500 मिमी गुणा 1500 मिमी तक की शीट आकार को प्रोसेस कर सकती है। यह विभिन्न औद्योगिक और शोध आवश्यकताओं को पूरा करने में सक्षम है। इसके उपयोग के क्षेत्र निर्माण, खनन, रक्षा, एयरोस्पेस तथा पत्थर प्रसंस्करण जैसे अनेक क्षेत्रों में है। यह वास्तव में आश्चर्यजनक है कि अत्यधिक उच्च दाब पर प्रवाहित पानी की एक पतली धार कैसे कठोर धातुओं और पत्थरों को सहजता से काट सकती है।

उपायुक्त व पुलिस अधीक्षक ने गणतंत्र दिवस परेड पूर्वाभ्यास का किया निरीक्षण

संवाददाता

देवघर : शनिवार को स्थानीय के0के0एन0 स्टेडियम में उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी नमन प्रियेश लकड़ा व पुलिस अधीक्षक सौरभ की उपस्थिति में गणतंत्र दिवस के अवसर पर आयोजित होने वाले परेड का अंतिम पूर्वाभ्यास किया गया। इसके अलावे पूर्वाभ्यास कार्यक्रम में जिला पुलिस बल की टुकड़ी, जैप-5 के जवानों की टुकड़ी सहित महिला/पुरूष पुलिस जवान, गृह रक्षा वाहिनी कैडेरों, एनसीसी, स्कूली बच्चों ने हिस्सा लिया। इस दौरान सार्जेन्ट मेजर द्वारा पूर्वाभ्यास करने वाले प्रतिभागियों का नियमानुसार नेतृत्व किया गया।

इसके अलावे गणतंत्र दिवस की तैयारियों के तहत परेड का पूर्वाभ्यास 20 जनवरी से चल रहा था, जिसके तहत शनिवार को अंतिम पूर्वाभ्यास किया गया। इस दौरान मौके पर उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी ने सभी का उत्साहवर्द्धन करते हुए कहा कि चेहरे पर आत्मविश्वास, उत्साह और राष्ट्र प्रेम की ऊर्जा के साथ कार्यक्रम को भव्य बनाने में अपना शत प्रतिशत योगदान दे। इसके अलावे पुलिस अधीक्षक श्री सौरभ ने संबंधित पुलिस पदाधिकारियों को परेड को लेकर आवश्यक व उचित दिशा निर्देश दिया।

गणतंत्र दिवस परेड का फाइनल रिहर्सल हुआ पूर्ण

इस दौरान मीडिया प्रतिनिधियों से बातचीत करते हुए उपायुक्त नमन प्रियेश लकड़ा ने जिलावासियों को

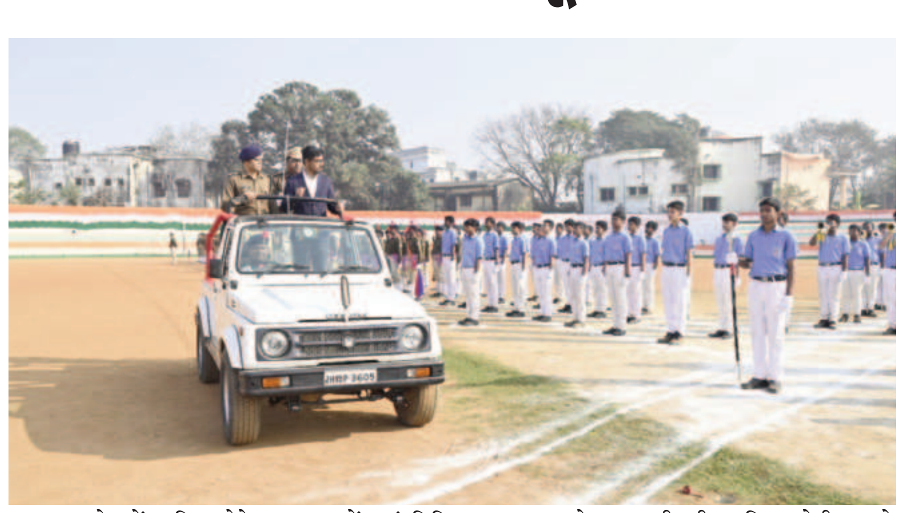

मुख्य समारोह में शामिल होने का आग्रह करते हुए कहा कि हम सभी को चाहिये कि हम राष्ट्रभक्ति से ओत-प्रोत हो शान्तिपूर्ण व सुरक्षित ढंग से इस राष्ट्रीय पर्व को मनायें एवं विधि व्यवस्था बनाये रखने में जिला प्रशासन का सभी सहयोग करें। साथ ही उन्होंने जानकारी दी कि परेड में इस वर्ष सरकारी स्कूल के बच्चियों की टुकड़ी भी शामिल होगी। आगे उपायुक्त ने बताया कि मुख्य अतिथि माननीय मंत्री जल संसाधन और अल्पसंख्यक कल्याण विभाग हफीजुल हसन द्वारा 9:05 मिनट पर झंडोतोलन किया जाएगा। साथ ही गणतंत्र दिवस के दिन मुख्य कार्यक्रम स्थल स्थानीय के0के0एन0 स्टेडियम में निर्धारित नियमानुसार कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। इसके अलावा संध्या 06 बजे से देश भक्ति से ओतप्रोत सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा।

कार्यक्रम में अनुमंडल पदाधिकारी रवि कुमार, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, जिला नजारत उपसमाहर्ता, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी, ट्रैफिक डीएसपी, सार्जेन्ट मेजर, सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी एवं संबंधित विभाग के अधिकारी, पुलिस पदाधिकारी कर्मी आदि उपस्थित थे।

न्यूज IN ब्रीफ

बच्चे सुभाषचंद्र बोस की तरह बहादुर और प्रतिभावान बनें : निदेशक

झुमरी तिलैया : महाराणा प्रताप चौक स्थित स्थानीय क्लोरोफिल स्कूल में वसंतपंचमी के दिन सरस्वती पूजा के अवसर पर नेताजी सुभाषचंद्र बोस की जयंती भी मनाई गई। सुबह पूजा अर्चना और प्रसाद वितरण के बाद आयोजित लघु पुस्तक मेला में बच्चों के साथ-साथ उनके अभिभावकों ने भी श्लोक एवं मंत्रोच्चार गायन में बड़े उत्साह से भाग लिया। पार्थ शर्मा ने हनुमान चालीसा सुनाई, कीव सलूजा ने शबद का पाठ किया, बम्बई से आईं हुई अभिभावक डॉ शर्मा ने सरस्वती आराधना का पूरे संस्कृत श्लोक का बड़ा मनोहरी वाचन कर सबको मंत्र-मुग्ध कर दिया। कार्यक्रम को सफल बनाने में सभी शिक्षक शिक्षिकाओं का योगदान रहा।

डीसी व एसपी ने किया स्ट्रांग रूम और काउंटिंग हॉल का निरीक्षण

देवघर : शुक्रवार को जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त नमन प्रियेश लकड़ा व पुलिस अधीक्षक सौरभ ने संयुक्त रूप से जिले के मधुपुर नगर परिषद् चुनाव को लेकर महिला महाविद्यालय, मधुपुर में बनाए जाने वाले स्ट्रांग रूम और मतगणना सेंटर का निरीक्षण कर जायजा लिया। इस दौरान स्ट्रांग रूम केन्द्रों के भीतर एवं बाहर की सुरक्षा व्यवस्था एवं आवश्यक की जाने वाली तैयारियों को लेकर संबंधित अधिकारियों व पुलिस पदाधिकारियों को आवश्यक व उचित दिशा निर्देश दिया।

इसके अलावा जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त श्री लकड़ा ने निरीक्षण के दौरान मतदान के उपरांत मतदान दल के स्ट्रांग रूम में वापसी, सुगमतापूर्वक रिसिविंग, लगाए जाने वाले टेबल, एजेंट की एंट्री, मतगणना कक्ष, पार्किंग सहित अन्य व्यवस्थाओं को लेकर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिया।

मौके परअनुमंडल पदाधिकारी मधुपुर, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, जिला पंचायती राज पदाधिकारी रणवीर कुमार सिंह,कार्यपालक अभियंता भवन प्रमंडल एवं संबंधित अधिकारी व पुलिस पदाधिकारी आदि उपस्थित थें।

गणतंत्र दिवस के फाइनल परेड का फुल ड्रेस रिहर्सल संपन्न

जमशेदपुर : गणतंत्र दिवस परेड का फुल ड्रेस फाइनल रिहर्सल गोपाल मैदान में शनिवार को संपन्न हुआ। इसका निरीक्षण उपायुक्त कर्ण सत्यार्थी और एसएसपी पीयूष पांडेय ने संयुक्त रूप से किया। इस बार गणतंत्र दिवस परेड में कुल आठ बटालियन हिस्सा लेंगे। इनमें जैप, जिला पुलिस, होमगार्ड, एनसीसी और स्कॉट एंड गाइड की टुकरियां हिस्सा लेंगीं। गणतंत्र दिवस का जिलास्तरीय मुख्य समाराह गोपाल मैदान में सुबह 9 बजे से शुरू होगा और 9 बजकर 5 मिनट पर झंडोत्तोलन किया जाएगा।

ईस्ट प्लांट बस्ती में 84 घरों का पानी कटा, लोग परेशान

जमशेदपुर : ईस्ट प्लांट बस्ती में लंबे समय से बनी पेयजल समस्या और बुनियादी सुविधाओं के अभाव को लेकर गुरुवार को बस्तीवासियों का प्रतिनिधिमंडल टाटा स्टील यूआईएसएल के जनरल मैनेजर आरके सिंह से मिला। प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व प्रदेश कार्यसमिति सदस्य कुलवंत सिंह बंटी ने किया। इस दौरान सौरव श्रीवास्तव, संतोष ठाकुर और मिंटू मिश्रा भी मौजूद रहे। मुलाकात के दौरान प्रतिनिधिमंडल ने बताया कि ईस्ट प्लांट बस्ती के निवासियों को गंभीर पेयजल संकट का सामना करना पड़ रहा है। हाल ही में 84 घरों के जल कनेक्शन काट दिए जाने से स्थिति और बिगड़ गई है। प्रभावित परिवारों ने नए कनेक्शन के लिए आवेदन किया है, लेकिन तब तक पानी की आपूर्ति बाधित है।

कुलवंत सिंह बंटी ने मांग की कि जबतक नए कनेक्शन की प्रक्रिया पूरी नहीं हो जाती, तब तक किसी भी घर का पानी न काटा जाए और सभी परिवारों को तत्काल पेयजल सुविधा दी जाए। इसके साथ ही प्रतिनिधिमंडल ने ईस्ट प्लांट बस्ती से एचएसएम गेट तक पाथवे निर्माण, निमार्णाधीन पार्क में ओपन जिम के उपकरण लगाने, चहारदीवारी ऊंची करने तथा अटल सामुदायिक भवन के पास नए पार्क के निर्माण की मांग भी रखी। मांगों से संबंधित लिखित आवेदन सौंपे जाने पर आरके सिंह ने समस्याओं के शीघ्र समाधान का आश्वासन दिया।

झारसुगुड़ा राउरकेला चक्रधरपुर होकर चलेगी इतवारी शालीमार इतवारी सप्ताहिक स्पेशल ट्रेन

चक्रधरपुर : आगामी दिनों में यात्रियों की भीड़ को देखते हुए दक्षिण पूर्व रेलवे ने चक्रधरपुर रेल मंडल से होकर नेताजी सुभाष चंद्र बोस इतवारी से शालीमार तक सप्ताहिक स्पेशल ट्रेन चलाने की घोषणा की है। इस ट्रेन के परिचालन से शालीमार से इतवारी तक के विभिन्न महत्वपूर्ण स्टेशनों के यात्रियों को काफी सहुलियत होगी। प्राप्त जानकारी के अनुसार ट्रेन नंबर 08871 नेताजी सुभाष चंद्र बोस इतवारी शालीमार स्पेशल ट्रेन 26 जनवरी से 9 फरवरी तक प्रत्येक सोमवार को 17.10 बजे खुलेगी और यह ट्रेन दूसरे 14.00 बजे शालीमार पहुंचेगी। उसी प्रकार ट्रेन नंबर 08872 शालीमार नेताजी सुभाष चंद्र बोस सप्ताहिक स्पेशल ट्रेन प्रत्येक मंगलवार को शालीमार से 18.00 बजे खुलेगी और यह ट्रेन दूसरे दिन 15.35 बजे इतवारी पहुंचेगी। इस ट्रेन का चकधरपुर रेलमंडल से झारसुगुड़ा , राउरकेला, चक्रधरपुर, टाटानगर में ठहराव दिया गया वहीं एवं यह खड़पुर और संतरागाछी में रुकने के बाद शालीमार पहुंचेगी।

अगले महीने से टाटानगर के लिए 4 जोड़ी ट्रेनें चलेंगी

आदित्यपुर : आदित्यपुर स्टेशन से टाटानगर की चार जोड़ी ट्रेनों का परिचालन फरवरी से शुरू होने वाला है, जबकि एक जोड़ी ट्रेन पहले से चल रही है। रेलवे की इस घोषणा पर यात्रियों ने सवाल उठाते हुए कहा कि आदित्यपुर स्टेशन पर अभी बुनियादी सुविधाओं का अभाव है। चक्रधरपुर मंडल को सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने के बाद ही ट्रेनों का संचालन करना चाहिए, ताकि यात्रियों को सुविधा और सुरक्षा मिल सके। स्वच्छता और पर्यावरण सुरक्षा के दावे के बावजूद स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर एक को छोड़कर अन्य प्लेटफॉर्मों पर डस्टबिन नहीं लगाए गए हैं। प्लेटफॉर्म, रेलवे लाइन और वाटर बूथ के आसपास कचरे का अंबार लगा है। जानकारों के अनुसार, लंबी दूरी की ट्रेनों के हाउसकीपिंग कर्मचारी ट्रेन रुकने पर कचरा लाइन के किनारे फेंक देते हैं।